दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

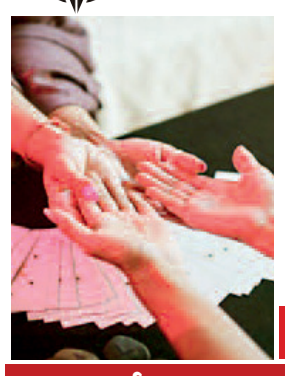

अमन लेखनी

क्या होता है लक्ष्मी योग.....

पाचन की समस्या दूर करने .....

वर्ष : 10 | अंक : 187 | लखनऊ, 16 जून, रविवार 2024 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

बंपर नौकरियों के सहारे 2027 में विपक्ष को बेरोजगार करेंगे योगी

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी 2024 जैसे चुनावी नतीजे 2027 विधानसभा चुनाव में नहीं देखना चाहती है। खासकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसके लिये अभी से सरकार के पेंच कसना शुरू कर दिये हैं। संगठन स्तर पर भी काम चल रहा है। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 के शुरूआती तीन-चार महीनों में सम्पन्न होना है। इस हिसाब से सरकार के पास तीन साल से भी कम का समय बचा है। लोकसभा चुनाव से सबक लेते हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी खराब छवि वाले विधायकों का टिकट काटने में भी परहेज नहीं करेगी। गौरतलब हो, हाल में सम्पन्न लोकसभा चुनाव में बीजेपी को उम्मीद से काफी कम सीटें मिली थीं। चुनाव आयोग ने जो आकड़े जारी किये हैं उसके अनुसार यूपी में 80 लोकसभा सीटें जिसके अंतर्गत

403 विधान सभाएं आती हैं, वहां अबकी से बीजेपी 162 विधान सभा क्षेत्रों में समाजवादी और कांग्रेस गठबंधन के प्रत्याशी से पिछड़ गई थी। इन 162 विधान सभा क्षेत्र के विधायकों पर भी गाज गिर सकती है।

वहीं 2027 में विपक्ष एक बार फिर से बेरोजगारी को मुद्दा नहीं बना पाये इसके लिये योगी ने सभी खाली पड़े रिक्त पदों को भरने के लिये बम्पर नौकरियां निकाली हैं। अभी एक लाख नौकरियां निकाले जाने की बात कही जा रही है जिसका आकड़ा 2027 के विधान सभा चुनाव की तारीख नजदीक आने तक पांच लाख तक पहुंच सकता हे। इसी के साथ पेपर लीक की घटनाओं पर अंकुश लगाने और इसमें लिप्त अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिये भी एसटीएफ तेजी से काम कर रही है। बेरोगारी और पेपर लीक की घटनाओं के चलते युवा वर्ग केन्द्र और राज्य सरकारों के खिलाफ काफी आक्रोशित है। उधर, इन युवाओं को गुस्से को विपक्ष हवा-पानी देने का काम कर रहा है। ऐसी ही एक मोदी सरकार की एक और योजना अग्निवीर भी सरकार के लिये बढ़ा मुद्दा बना हुआ है। विपक्ष लगातार इसे खत्म करने की मांग कर रहा है। इस योजना का दुष्प्रभाव मोदी सरकार लोकसभा चुनाव में देख भी चुकी है। कुल मिलाकर योगी सरकार बम्बर नौकरियां निकाल कर विपक्ष को उसकी बेरोजगारी वाली सियासत से बेरोजगार करना चाहती है।

बात सरकार से हटकर संगठन स्तर की कि जाये तो लोकसभा चुनाव में यूपी से मिली चोट भाजपा को बेचैन किए हुए हैं।योगी की छवि पर भी प्रश्न चिन्ह लगा है। केंद्र में तीसरी बार मोदी सरकार के गठन के बाद भाजपा के जिम्मेदार अब यूपी में पार्टी के ग्राफ गिरने के कारणों की पड़ताल पर लगा है। पार्टी स्तर पर प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चैधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल ने वोट में आई गिरावट को लेकर चर्चा की है। तय किया गया है कि भाजपा के पक्ष में कम मतदान की जांच होगी। दरअसल, यूपी के चुनाव परिणाम से भाजपा के स्थानीय से लेकर शीर्ष नेतृत्व में हड़कंप मचा हुआ है। पिछले चुनाव की तुलना में इस बार करीब नौ फीसदी कम वोट मिले हैं। अब इन्हीं वोट का पता लगाने को लेकर माथापच्ची शुरू हो गई है कि आखिर यह वोट भाजपा से छिटक कर कहां गया। इसका पता करने के लिए टास्क फोर्स का गठन किया गया है। इसमें संगठन के पदाधिकारियों के अलावा स्थानीय जनप्रतिनिधियों को शामिल किया जाएगा। फोर्स के सदस्य गांव-गांव जाकर यह पता लगाएंगे कि भाजपा के कोर वोटर माने जाने वाले ओबीसी और दलितों में सेंध किस दल ने लगाया है।

पीएम मोदी 18 जून को वाराणसी में किसानों के लिए पीएम-किसान योजना के तहत जारी करेंगे 20,000 करोड़ रुपये

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सत्ता संभालने के बाद पहली बार 18 जून को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा करेंगे। इस दौरान वह देश भर के 9.26 करोड़ लाभार्थी किसानों के लिए 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की पीएम-किसान योजना की 17वीं किस्त जारी करेंगे। मोदी स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के 30,000 से अधिक सदस्यों को प्रमाण पत्र भी प्रदान करेंगे, जिन्हें कृषि सखियों के रूप में प्रशिक्षित किया गया है, ताकि वे पैरा-विस्तार कार्यकर्ता के रूप में काम कर सकें और साथी किसानों को खेती में मदद कर सकें।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संवाददाताओं से बात करते हुए कृषि क्षेत्र के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। चौहान ने कहा, पिछले दो कार्यकालों में कृषि हमेशा से ही प्रधानमंत्री मोदी की प्राथमिकता रही है। उन्होंने किसानों के हित में कई अहम फैसले लिए। प्रधानमंत्री पद की

शपथ लेने के बाद मोदी जी ने सबसे पहले पीएम-किसान योजना की 17वीं किस्त जारी करने से जुड़ी फाइल पर हस्ताक्षर किए। साल 2019 में शुरू की गई पीएम-किसान एक प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) पहल है। इसके तहत लाभार्थी किसानों को उनकी वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए तीन समान किस्तों में 6,000 रुपये की वार्षिक राशि प्राप्त होती है।

चौहान ने कहा कि योजना की शुरूआत के बाद से केंद्र ने देश भर में 11 करोड़ से अधिक किसानों को 3.04 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि वितरित की है। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्य के विभिन्न मंत्री वाराणसी में होने वाले कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। कृषि मंत्री ने कृषि सखी योजना पर भी प्रकाश डाला, जो ग्रामीण विकास मंत्रालय के साथ एक सहयोगात्मक प्रयास है। इस योजना का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों की 90,000 महिलाओं को अर्ध-विस्तार कृषि श्रमिकों के रूप में प्रशिक्षित करना है, ताकि कृषक समुदाय की सहायता की जा सके तथा अतिरिक्त आय अर्जित की जा सके। अब तक, लक्षित 70,000 में से 34,000 से अधिक कृषि सखियों को 12 राज्यों- गुजरात, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान, ओडिशा, झारखंड, आंध्र प्रदेश और मेघालय में पैरा-विस्तार कार्यकर्ता के रूप में प्रमाणित किया जा चुका है। सरकार कृषि क्षेत्र के लिए 100 दिवसीय योजना तैयार कर रही है, जिसमें किसानों के कल्याण और देश में कृषि परिदृश्य के समग्र विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया है।

मौसम

अधिकतम तापमान 43.c

न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना 7,077/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 75,410.39

निफ्टी 22,957.10

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ के बस्तर में 8 नक्सलियों को मार गिराया गया

अबूझमाड़ एक पहाड़ी वन क्षेत्र है जो नारायणपुर, बीजापुर जिले और दंतेवाड़ा जिलों में आता है। यह 4000 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। भौगोलिक रूप से पृथक और काफी हद तक दुर्गम, यह क्षेत्र माओवादियों की गतिविधियों का केंद्र माना जाता है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों के सबसे बड़े अभियानों में से एक मेकांकेर इलाके में अप्रैल के महीने में 29 नक्सली मारे गए और उनके शव बरामद किए गए थे। छत्तीसगढ़ पुलिस ने कहा कि यह आंकड़ा बढ़ सकता है क्योंकि तलाशी अभियान अभी भी जारी है।

बंगाल में होने वाली राजनीतिक हिंसा की होगी जांच, भाजपा ने बनाई कमेटी

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल में कथित राजनीतिक हिंसा की जांच के लिए शनिवार को चार सदस्यीय समिति का गठन किया। पार्टी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर मूकदर्शक बने रहने का आरोप लगाया है। चार सदस्यीय समिति में बिप्लब कुमार देब, रविशंकर प्रसाद, बृज लाल और कविता पाटीदार, सभी भाजपा सांसद शामिल हैं, और देब इसके संयोजक हैं। भगवा पार्टी ने एक बयान में कहा कि ममता बनर्जी मूकदर्शक बनी रहती हैं, जबकि उनकी पार्टी के अपराधी विपक्षी कार्यकर्ताओं और मतदाताओं पर हमला करते हैं और उन्हें डराते-धमकाते हैं।

बयान में कहा गया है कि यहां तक कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने भी इन ज्यादतियों पर ध्यान दिया है और सीएपीएफ की तैनाती 21 जून तक बढ़ा दी है और मामले को 18 जून को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। भाजपा ने कहा कि पूरे देश में लोकसभा चुनाव हुए और पश्चिम बंगाल को छोड़कर कहीं से भी राजनीतिक हिंसा की कोई घटना सामने नहीं आई। भाजपा ने आरोप लगाया, "यह चुनाव के बाद की हिंसा की चपेट में है, जैसा कि हमने 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद देखा।"

चुनावी डेब्यू करने की तैयारी में प्रियंका गांधी!

भाई राहुल की जगह वायनाड से लड़ सकती हैं उपचुनाव

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, लोकसभा चुनाव से पहले प्रियंका गांधी वाड्रा के चुनावी राजनीति में संभावित प्रवेश को लेकर अटकलें तेज हो गईं, लेकिन उन्होंने तब चुनाव नहीं लड़ने का विकल्प चुना। चर्चा अब वापस आ गई है। सूत्रों का हवाला देते हुए कहा गया है कि अगर राहुल गांधी रायबरेली को बरकरार रखते हैं और पूर्व सीट छोड़ देते हैं तो वह वायनाड लोकसभा सीट के लिए उपचुनाव लड़ सकती हैं। राहुल गांधी, जिन्होंने लोकसभा चुनावों में रायबरेली और वायनाड

दोनों निर्वाचन क्षेत्रों से महत्वपूर्ण जीत हासिल की, ने अपनी बहन की संभावित शुरूआत के बारे में और अटकलें तेज कर दीं।

इससे पहले, उन्होंने कहा था कि अगर उनकी बहन वाराणसी में उनके खिलाफ चुनाव लड़ती तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ₹दो-तीन लाख वोटों से₹ बड़ी हार का सामना करना पड़ता। सूत्रों ने हवाला देते हुए कहा कि लोकसभा चुनावों से पहले, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गांधी भाई-बहनों से अपनी चुनावी भागीदारी पर निर्णय लेने का आग्रह किया था, उन्होंने अपनी प्राथमिकता व्यक्त करते हुए कहा था कि दोनों को चुनाव लड़ना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन गढ़ों से उनकी अनुपस्थिति पार्टी कार्यकर्ताओं, कांग्रेस सहयोगियों और भारतीय गुट को नकारात्मक संदेश देगी। गांधी ने अंततः चुनाव न लड़ने का फैसला किया। उनके करीबी सूत्रों के मुताबिक, यह निर्णय इस चिंता से प्रभावित था कि लोकसभा चुनाव में उनकी जीत के परिणामस्वरूप तीन गांधी एक साथ संसद में सेवा करेंगे- उनकी मां, भाई और वह खुद। ऐसा महसूस किया गया कि इससे कांग्रेस पार्टी के भीतर वंशवाद की राजनीति के भाजपा के आरोप को पुष्टि मिलेगी। प्रियंका गांधी वाड्रा के वायनाड से उपचुनाव लड़ने की संभावना राहुल गांधी के निर्वाचन क्षेत्र को खाली करने के संभावित निर्णय पर निर्भर करती है, जिससे उन्हें जीत मिली, हालांकि वह 2019 में रायबरेली के पक्ष में अमेठी में हार गए थे।

अदालत ने सुनीता केजरीवाल को आबकारी नीति मामले में अदालती कार्यवाही का वीडियो हटाने का निर्देश दिया

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, दिल्ली उच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल को आबकारी नीति मामले से संबंधित अदालती कार्यवाही की वीडियो रिकॉर्डिंग सोशल मीडिया मंच से हटाने के लिए शनिवार को निर्देश जारी किया। वीडियो में आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल एक अधीनस्थ अदालत में अपनी बात रखते नजर आते हैं। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा

और न्यायमूर्ति अमित शर्मा की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाने वाली याचिका पर सुनीता केजरीवाल समेत छह लोगों और सोशल मीडिया मंच एक्स, मेटा और यूट्यूब को नोटिस जारी किए हैं। उच्च न्यायालय ने सोशल मीडिया मंचों को यह भी निर्देश दिया कि यदि उनके संज्ञान में आता है कि ऐसी ही सामग्री दोबारा पोस्ट की गई है तो वे उसे भी हटा दें। अदालत ने मामले में अगली सुनवाई के लिए नौ जुलाई की तारीख निर्धारित की। उच्च न्यायालय अधिवक्ता वैभव सिंह द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था। सिंह ने अपनी याचिका में दावा किया कि दिल्ली आबकारी नीति मामले में गिरफ्तारी के बाद जब अरविंद केजरीवाल को 28 मार्च को एक अधीनस्थ अदालत में पेश किया गया तो उन्होंने अदालत के समक्ष व्यक्तिगत रूप से अपनी बात रखने का विकल्प चुना और कार्यवाही की वीडियो रिकॉर्डिंग सोशल मीडिया मंच पर पोस्ट की गई, जो कि अदालतों से संबंधित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय नियम, 2021 के तहत प्रतिबंधित है। कथित तौर पर यह वीडियो सुनीता केजरीवाल और अन्य लोगों द्वारा दोबारा पोस्ट किया गया था।

प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने वाले कानून वापस ले सरकार : मीडिया संगठन

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नयी दिल्ली। पत्रकारों के कई संगठनों ने सरकार से प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने वाले कानूनों को वापस लेने का आग्रह किया है। इसके अलावा मीडिया संगठनों ने सरकार से भारतीय प्रेस परिषद के स्थान पर एक ऐसा निकाय बनाने की मांग की है, जिसमें प्रसारण और डिजिटल मीडिया भी शामिल हों। पत्रकारों के 15 संगठनों के प्रतिनिधियों ने 28 मई को आयोजित एक बैठक में हिस्सा लिया, जिसमें यह मांग रखी गयी। मीडिया संगठनों ने यह भी मांग की कि सरकार श्रमजीवी पत्रकार और अन्य समाचार पत्र कर्मचारी (सेवा शर्तें) और विविध प्रावधान अधिनियम, 1955 और श्रमजीवी पत्रकार (पारिश्रमिक दर निर्धारण) अधिनियम, 1958 को बहाल करे, साथ ही प्रसारण और डिजिटल मीडिया क्षेत्र में काम करने वाले पत्रकारों को भी कानूनों के दायरे में शामिल करे। पत्रकारों के संगठनों ने एक संयुक्त बयान में कहा, प्रस्तावित प्रसारण सेवा (विनियमन) विधेयक-2023, डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम-2023, प्रेस और पत्रिकाओं का पंजीकरण अधिनियम-2023, और इससे भी महत्वपूर्ण, सूचना प्रौद्योगिकी संशोधन नियम-2023 जैसे कानूनों के व्यापक प्रावधानों का उद्देश्य प्रेस को चुप कराना है।

ट्रेन के डिब्बों की संख्या बढ़ाना, वंदे मेट्रो इस साल वैष्णव के लक्ष्य में शामिल

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव अफना पद संभाल चुके है। पद संभालने के बाद उन्होंने विभाग को आगामी वर्ष के लिए सभी लक्ष्य सौंप दिए है। इन लक्ष्यों को रेल मंत्रालय को समय पर पूरा करना है। अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को ही मंत्रालय में अपना कार्यभार संभाला है। कार्यभार संभालने के बाद अश्विनी वैष्णव ने पहली बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान बैठक में मौजूद अधिकारियों ने बताया किरेल मंत्री ने बेहतर आवास के लिए कोचों की संख्या बढ़ाने और भीड़भाड़ कम करने पर ध्यान केंद्रित किया है। एक अधिकारी ने बताया, ₹यह बैठक सभी जोनों के महाप्रबंधकों (जीएम) और मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) के साथ हुई।₹ मंत्री ने स्लीपर श्रेणी के डिब्बों का उत्पादन बढ़ाने तथा वर्ष के अंत तक 2,500 ऐसे डिब्बों का निर्माण पूरा करने का लक्ष्य रखा है। यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब इस वर्ष अप्रैल के पहले 21 दिनों में ही 400 मिलियन से अधिक लोगों ने भारतीय रेलवे में यात्रा की, जिसके बारे में दावा किया गया था कि यह अब तक की सबसे अधिक संख्या है। अधिकारियों के अनुसार, इस वर्ष 1 से 21 अप्रैल के दौरान 411.6 मिलियन यात्रियों ने यात्रा की, जिनमें से 33.8 मिलियन यात्रियों ने 20 और 21 अप्रैल को यात्रा की। वर्ष 2023 में इसी अवधि में लगभग 370 मिलियन यात्रियों ने यात्रा की, तथा देश में महामारी आने से एक वर्ष पहले वर्ष 2019 में 35 मिलियन यात्रियों ने यात्रा की। रेल मंत्री ने अधिकारियों से सामान्य श्रेणी के डिब्बों का उत्पादन बढ़ाने और अधिक मांग वाले मार्गों पर क्लोन एक्सप्रेस ट्रेनें चलाने को भी कहा है। जब किसी विशिष्ट मार्ग पर टिकटों की मांग काफी अधिक हो जाती है, तो बढ़ी हुई यात्री संख्या को समायोजित करने के लिए एक अतिरिक्त रेलगाड़ी, जिसे क्लोन रेलगाड़ी के रूप में जाना जाता है, मूल रेलगाड़ी के समान मार्ग पर चलायी जाती है। भारतीय रेलवे ने गर्मियों में यात्रियों की अधिक भीड़ को देखते हुए इस वर्ष अप्रैल में इनमें से कुछ ट्रेनें शुरू की थीं। इस घटनाक्रम से जुड़े एक दूसरे अधिकारी ने बताया कि सरकार भी वंदे मेट्रो को जल्द से जल्द चालू करने की इच्छुक है। उन्होंने कहा, दो वंदे मेट्रो कोचों का उत्पादन पूरा हो चुका है और किसी भी दिन इनका परीक्षण शुरू होने की उम्मीद है। वंदे मेट्रो का लक्ष्य 250 किलोमीटर तक की दूरी तय करने वाले अंतर-शहरी यात्रियों को सेवाएं प्रदान करना है। वंदे मेट्रो का लक्ष्य 250 किलोमीटर तक की दूरी तय करने वाले अंतर-शहरी यात्रियों को सेवाएं प्रदान करना है।

उत्तराखंड में बड़ा हादसा, अलकनंदा नदी में समाया यात्रियों को ले जा रहा टैम्पो

सीएम धामी ने घटना की जाँच के दिए आदेश

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, रुद्रप्रयाग में बद्रीनाथ हाईवे के पास एक टेम्पो ट्रैवलर, जिसमें लगभग 17 यात्री सवार थे, गहरी खाई में गिर गई। एसडीआरएफ और पुलिस टीम द्वारा बचाव कार्य किया जा रहा है. टीम द्वारा अब तक दो घायलों को एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल भेजा गया है। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने ट्वीट किया कि घायलों को चिकित्सा के लिए निकटतम स्वास्थ्य केंद्रों में स्थानांतरित कर दिया गया है। जिला मजिस्ट्रेट को मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि जनपद रुद्रप्रयाग में टेम्पो ट्रैवलर के दुर्घटनाग्रस्त होने का अत्यंत पीड़ादायक समाचार प्राप्त हुआ। स्थानीय प्रशासन व SDRF की टीमें राहत एवं बचाव कार्यों में जुटी हुई है। घायलों को नजदीकी चिकित्सा केंद्र पर उपचार हेतु भेज दिया गया है। ज़िलाधिकारी को घटना

की जाँच के आदेश दे दिए हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगतों की आत्मा को श्रीचरणों में स्थान एवं शोक संतप्त परिजनों को यह असीम कष्ट सहन करने की शक्ति प्रदान करें। बाबा केदार से घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।

भाजपा सरकार में सूदखोरों से परेशान लोग आत्महत्या करने पर विवश : अखिलेश यादव

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इटावा में एक युवा किसान के आत्महत्या करने की घटना को लेकर शनिवार को आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में किसान, नौजवान और अन्य लोग सूदखोरों से परेशान हैं और त्रस्त होकर आत्महत्या करने पर विवश हैं। सपा मुख्यालय की ओर से शनिवार को जारी एक बयान के मुताबिक अखिलेश यादव ने कहा, राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की गलत नीतियों से किसान और नौजवान बेहाल हैं।

किसानों को उनकी फसल का सही मूल्य नहीं मिल रहा है। खेती का लागत मूल्य लगातार बढ़ता जा रहा है, जिसके कारण किसान कर्ज में डूबता जा रहा है। यादव ने आरोप लगाया कि

भाजपा सरकार में किसान, नौजवान और अन्य लोग सूदखोरों से परेशान हैं। सूदखोरों से त्रस्त होकर लोग आत्महत्या करने पर विवश हैं। सपा प्रमुख ने दावा किया कि इटावा में साहूकारों के हर दिन के तगादा और प्रताड़ना से परेशान एक युवा किसान ने आत्महत्या कर ली। उ-?होंने कहा, भाजपा सरकार के दस साल के कार्यकाल में महंगाई और कर्ज से परेशान होकर एक लाख से ज्यादा किसान आत्महत्या कर चुके हैं।

भाजपा सरकार की नीतियां गरीब और किसान विरोधी हैं तथा पूंजीपतियों के लिए बनायी गयी है। यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में पूरे प्रदेश में सूदखोरों का आतंक है। बलिया, प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, इटावा, शाहजहांपुर, हर जगह सूदखोरों ने लोगों का जीना मुश्किलकिया हुआ है। इटावा जिले के चौविया थाना क्षेत्र में कथित तौर पर कर्ज अदा न कर पाने से परेशान एक किसान ने अपने खेत में एक पेड़ से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। चौविया थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) मंसूर अहमद ने बताया कि थानाक्षेत्र के गांव चौविया में बृहस्?पतिवार रात्रि विकास जाटव (30) ने अपने खेत में पेड़ से फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली।

टैक्सी में बैठी महिला के गले में पहनी सोने की चेन टप्पेबाज ने उड़ाई

लखनऊ।नगराम क्षेत्र के डिघारी गांव निवासी महिला रीता सिंह ने मोहनलालगंज पुलिस से शिकायत करते हुये बताया बीते शनिवार की सुबह विक्रम टैक्सी में बैठकर पीजीआई अस्पताल दवा लेने जा रही थी,मोहनलालगंज से पीजीआई के लिये विक्रम टैक्सी में बैठी थी,गोपालखेड़ा पेट्रोल पम्प के पास टैक्सी से उतरी टप्पेबाज महिलाओ ने गले में पहनी सोने की चेन गायब कर दी।पम्प से कुछ दूर आगे बढने पर जब गले पर हाथ फेरा तो पहनी सोने की चेन गायब देख उसके होश उड़ गये।जिसके बाद आनन-फानन टैक्सी से उतरकर पीड़िता ने मोहनलालगंज कोतवाली पहुंचकर पुलिस से लिखित शिकायत कर अज्ञात टप्पेबाजो पर कार्यवाही की मांग की।इंस्पेक्टर आलोक राव ने बताया पीड़िता के द्वारा दी गयी तहरीर पर जांच के बाद कार्यवाही की जायेगी।

बाइक फिसलने से युवक की मौत

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर में शुक्रवार रात बाइक फिसलने से गिरकर घायल हुए युवक की मौत हो गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गोसाईगंज के बरकत भट्टी निवासी अविवाहित आशीष (23) शादी आदि समारोह में बैंड बजाने का काम करता था। बताते हैं कि आशीष शुक्रवार को बाइक से सरोजनीनगर के दरोगा खेड़ा स्थित अपनी मौसी के घर आया था। जहां से वह रात करीब 12 बजे वापस लौट रहा था। तभी दरोगा खेड़ा के पास कानपुर रोड पर अचानक वह मोटरसाइकिल फिसलने से बाइक सहित गिरकर घायल हो गया। राहगीरों से सूचना पाकर पहुंची सरोजनीनगर पुलिस ने उसे आनन-फानन सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाकर भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने देखते ही उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि आशीष शराब के नशे में बाइक चला रहा था। तभी बाइक सहित गिरने से उसकी मौत हो गई है।

चोरों ने बंद मकान को अपना निशाना बनाकर गहने और नकदी की पार

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ।सरोजनीनगर में करीब एक सप्ताह पहले चोरों ने एक बंद मकान को अपना निशाना बनाकर कीमती गहने और हजारों रुपए के नकदी पार कर दी।पीड़ित ने इस मामले की रिपोर्ट सरोजनीनगर थाने में दर्ज कराई है। सरोजनीनगर के बेहसा में रहने वाली उषा रावत का कहना है कि बीती 8 जून को वह अपने मकान के बगल में रहने वाली भाभी के घर गई थी। उनका ऑपरेशन हुआ था, इसलिए पीड़िता उन्हीं के घर में सो गई और उसके घर में कोई नहीं था। उषा का कहना है कि तभी रात को चोरों ने घर का ताला तोड़कर घर में रखे सोने चांदी के कीमती गहने और 20 हजार रुपये चोरी कर ले गए। अगले दिन सुबह जब पीड़िता घर पहुंची तो ताला टूटा देख उसके होश उड़ गए। बाद में उसने इसकी सूचना पुलिस को दी। फिलहाल सरोजनीनगर पुलिस मामले की रिपोर्ट दर्ज कर चोरों का सुराग लगा रही है।

उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस संपन्न

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज लखनऊ, संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंचे फरियादियों ने भू माफियाओ के खिलाफ कार्यवाही की मांग की कहीं बिजली चोरी करने की शिकायते हैं तो कहीं पैमाइश न किए जाने की शिकायत दर्ज की गई 154 में 33 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया अधिवक्ता ने लगाए पुलिस प्रशासन के विरुद्ध नारेबाजी की जिसकी अध्यक्षता उप जिलाधिकारी बृजेश कुमार वर्मा ने की मोहनलालगंज तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों ने शिकायत दर्ज कराई की तहसील क्षेत्र कुढ़ा में भू माफियाओ द्वारा अवैध रूप से खनन किया जा रहा है उक्त शिकायत दर्ज कराते हुए प्रभात यादव ने बताया की लेखपाल से भी खनन की बात पूछी तो वह भी टाल मटोल कर रहे हैं जबकि पोकलैंड से खुदाई कर भू माफिया दर्जन भर से ज्यादा डंपर रात मे मिट्टी भरकर फरार्टे भरते रहते हैं।कुसुम कश्यप पत्नी राजेश कश्यप फुलवरिया मजरा अतरौली ने शिकायत दर्ज कराई की भूमि गाटा संख्या 181 भू अभिलेख में मेरे नाम दर्ज है जिससे जुड़ा 183 गाटा संख्या विद्यावती के नाम है जो धारा 24 में पैमाइश करा रही हैं इसी भूमि पर इनका मकान भी बना हुआ है जबकि प्रॉपर्टी डीलर जवर यादव पुत्र श्री कृष्णा यादव, सुजीत यादव पुत्र अतर यादव पद्मिनी खेड़ा मजरा हुलास खेड़ा एवं श्रीपाल विश्वकर्मा उक्त भूमि के सह खातेदार भी नहीं है लेकिन उक्त भूमि पर अडंगा लगा रहे हैं।अरुण श्रीवास्तव ने शिकायत दर्ज कराई की भट्ठी बरकत नगर गोसाईगंज में शिव शरण द्वारा पिछले कई वर्षों से अवैध रूप से कटिया लगाकर बिजली चोरी की जा रही है जिस पर विद्युत विभाग कोई कार्यवाही नहीं कर रहा है। अधिवक्ताओं ने पुलिस प्रशासन के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की ,कनक शील पुत्र भरत लाल मकान संख्या 587 ए / 15 महामाया बुद्ध विहार मार्ग गांधीनगर तेलीबाग लखनऊ भूमि गाटा संख्या 852 / 0190 हे० रामपुर गढ़ी जमुनी परगना निगोहा मोहनलालगंज राजस्व अभिलेखों में दर्ज है जिसकी मेडबंदी के लिए 25 अक्टूबर 2023 में उप जिलाधिकारी ने मेडबंदी का आदेश दिया था परंतु अब तक राजस्वकर्मियों द्वारा मेडबंदी नहीं कराई जा सकी है। हारून कुरेशी पुत्र मोहम्मद शमी चौहट्टा नगर पंचायत अमेठी बीते 11 वर्षों से आउटसोर्सिंग में हेल्पर था ईमानदारी पूर्व के बिना शिकायत जल कल की वसूली की अवधि पूर्ण की, 26 अप्रैल 23 को आवश्यकता पड़ने पर 15 दिनो का अवकाश लिया था अवकाश के बाद पहुंचने पर पूर्व अध्यक्ष मोहम्मद वहीद जो की अध्यक्ष शहनाज बानो के प्रतिनिधि हैं ने कहा मेरे चुनाव में मेरे लिए वोट नहीं मांगा इसलिए निकाल दिया, बेरोजगार होने के कारण मेरा परिवार भुखमरी की कगार पर है।सुंदरी देवी पत्नी हरिश्चंद्र नगर पंचायत नगराम ने शिकायत दर्ज कराई की मेरी पेंशन नहीं आ रही है उसे भेजा जाए।ममता पत्नी बृजेश मोती का पुरवा कनेरी ने कहा कि पिछले वर्ष मत्स्य पालन के लिए मुझे 10 वर्षों का पट्टा दिया गया था परंतु पैमाइश ना हो पाने के कारण बांध लगाने में परेशानियां हो रही है जिसकी गाटा संख्या 2 स रकबा 809 हेक्टेयर है यदि राजस्व टीम इसकी पैमाइश कर दे तो बरसात से पहले बांध बनाकर मछली पालन के लिए तैयारी पूरी कर सकूं। तहसील दिवस की अध्यक्षता उप जिलाधिकारी बृजेश कुमार वर्मा ने करते हुए समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया की शिकायतों का निस्तारण गुणवत्ता के आधार पर सुनिश्चित करें इस मौके पर तहसीलदार शशांक उपाध्याय ,खंड विकास अधिकारी मोहनलालगंज आशुतोष श्रीवास्तव सहित काफी संख्या में कर्मचारी उपस्थित थे जिसमें 154 में 33 शिकायतों का मौके पर निपटारा कर दिया गया।

महिला ने फांसी लगाकर दी जान

अमन लेखनी समाचार

निगोहां। कांटा करौदी गांव में शनिवार को परिवारिक कलह से परेशान महिला ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी।खेत से घर लौटे पति ने पत्नी का शव फांसी के फंदे से लटका देखा तो दंग रह गया।सूचना के बाद मौके पर पहुंचे मायके पक्ष के लोगो ने पति की प्रताड़ना के चलते फांसी लगाकर बेटी के जान देने का आरोप लगाकर जमकर हगांमा काटा।मृतका के पिता की तहरीर पर पुलिस ने पति के विरूद्ध आत्महत्या के लिये उकसाने की धारा में मुकदमा दर्ज किया। मृतका के शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा। निगोहां के कांटा करौदी गांव में बृजेश कुमार उर्फ रिंकू अपनी पत्नी ज्योति(26वर्ष)अपने दो बच्चो चुनमुन व शौर्य व मां के साथ रहता है,शनिवार की सुबह बीमार सास अपनी दवा लेने समेसी व पति खेत पर काम करने चला गया,जिसके बाद घर में अकेली ज्योति ने कमरे की छत में लगे लोहे के हुक में साड़ी के फंदे के सहारे फांसी लगाकर अपनी जान दे दी।खेत से वापस लौटे पति ने घर के अंदर जाने पर पत्नी का शव साड़ी के फंदे के सहारे लटकता देखा तो चीख पड़ा।जिसके बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गयी।सूचना के बाद मौके पर पहुंचे मायके पक्ष के लोग आक्रोशित हो गये ओर पति के द्वारा आये दिन की जाने वाली मारपीट व प्रताड़ना से अजीज होकर बेटी द्वारा आत्महत्या किये जाने का आरोप लगाते हुये कार्यवाही की मांग की।सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आक्रोशित मायके पक्ष के लोगो को शांत कराकर मृतका के पिता रामचन्द्र द्वारा दी गयी तहरीर पर पति के विरूद्ध आत्महत्या के लिये उकसाने की धारा में मुकदमा दर्ज करने के बाद मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा।

गाड़ी हटाने को लेकर पेट्रोल पंप के कर्मचारियों ने सिपाही को पीटा, मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। आशियाना के सेक्टर - एच, एलडीए कॉलोनी निवासी व मानक नगर थाने में पीआरवी पर तैनात सिपाही राहुल कुमार ने नरेंद्र कुमार, पिंटू यादव, भोलू तिवारी और उनके अन्य तीन चार अज्ञात साथियों के खिलाफ गाली गलौज, मारपीट व जान से मारने की धमकी देने की सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। सिपाही राहुल कुमार का कहना है कि शुक्रवार को वह अपनी ड्यूटी समाप्त करने के बाद कपड़े चेंज कर कानपुर रोड चुंगी स्थित बालाजी ढाबा में खाना पैक करा कर अपने घर की ओर जा रहा था। तभी इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास रोड के किनारे अपनी चार पहिया गाड़ी रोककर ड्राइवर से बात करने लगा। आरोप है इसी बीच पेट्रोल पंप में काम करने वाले कर्मचारी वहां पर पहुंचे और गाली देते हुए वहां से गाड़ी हटाने को कहा। सिपाही राहुल का कहना है कि उसने अपना परिचय देते हुए गाड़ी हटाने की बात कही, लेकिन तब तक आरोपी उग्र हो गए और जमीन पर गिरा कर उसे मारने लगे। सिपाही का कहना है कि इस दौरान उसने खुद को मानक नगर थाने की पीआरवी में तैनात होने की बात बताई, तब आरोपी और भड़क गए और मारते-पीटते हुए कहने लगे कि पुलिस वाला है तो क्या हुआ। यह कहते हुए और पिटाई कर दी। इसी बीच आरोपियों के अन्य साथी पहुंचे और वह भी मारने लगे, साथ ही गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। तभी सूचना के बाद सरोजनीनगर पुलिस मौके पर पहुंची और पेट्रोल पंप पर काम करने वाले नरेंद्र कुमार, पिंटू यादव व गोलू तिवारी को सरोजनीनगर थाने ले आई।जबकि उनके तीन-चार साथी भागने में सफल रहे। पीड़ित का कहना है कि इस मारपीट में उसे काफी चोटें आई हैं। फिलहाल सिपाही राहुल की तहरीर पर सरोजनीनगर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

थाना कार्यालय में छेड़छाड़ के आरोपी ने रेता गला

- गला रेतने से पुलिस कर्मियों हाथ पाँव फुले, घायल को पहुँचाया अस्पताल
- सदमे आई पीड़िता की हालत भी बिगड़ी हुई अचेत, अचेत अवस्था में परिजनों ने पहुँचाया अस्पताल

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ , आशियाना क्षेत्र में रहने वाली एक युवती ने अपने पड़ोस में ही रहने वाले युवक के खिलाफ शनिवार दोपहर थाना क्षेत्र में सड़क पर अभद्रतापूर्वक खींचकर कर भूमि पर पटक मारपीट करने और मोबाईल फोन छीन लेने का आरोप लगा अपने पिता संग स्थानीय थाने पहुँच आरोपित के खिलाफ नामजद शिकायत की थी जिसके बाद आरोपित नशे की हालत में युवती के पिता के दुकान पहुँच हंगामा करते हुए दुकान के शीशे तोड़ दिए और स्वयं थाने पहुँच थाने के बाहर अपनी कलाई काट लिया जिसके बाद हरकत में आई आशियाना पुलिस ने युवक पकड़ थाने के कार्यलय में ले गई तो वहाँ पुलिस की मौजूदगी में आरोपित अपना गला रेतने का प्रयास करने लगा और खून से लथपथ हो गया यह आलम देख आशियाना पुलिस के हाथ पाँव फूल गए और आनन फानन में घायल आरोपित युवक को लोकबंधु अस्पताल पहुँचायो आशियाना क्षेत्र के सालेह नगर मौर्या टोला में रहने वाला आरोपित शिवा रावत के खिलाफ शनिवार दोपहर पड़ोस में ही रहने वाली एक युवती ने आरोप लगाया था कि वह शारदा नगर के रश्मि खंड में घरो में साफ सफाई का काम करती है दोपहर समय वह तीन घरो का काम समेत चौथे घर में काम करने जा रही थी इसी बीच नशे में धुत्त बाइकसवार आरोपित उसका कुर्ता पीछे से पकड़ सड़क पर पटक दिया और उसपर थप्पड़ो की बौछार कर दिया था और उसका मोबाईल फोन छीन बाइक से फरार हो गया था इस घटना की जानकारी युवती ने अपने पिता को दे पिता संग आशियाना थाना पहुँच आरोपित के खिलाफ नामजद लिखित शिकायत की थी उधर आरोपी प्रियम प्लाजा के सामने स्थित युवती के पिता के बैंड बाजा की दुकान पहुँच दुकान पर लगे शीशे तोड़ने लगा था युवती अपने पिता संग थाने पर मौजूद रही और बार बार पुलिस से मदद की गुहार लगाती रही स्वयं ही थाने पहुंचे युवक ने थाना परिसर के बाहर हंगामा करने लगा और किसी धारदार सामान से अपनी कलाई काट ली स्थानीय थाने की पुलिस तमाशबीन बनी रही थाने के सामने बढ़ते विवाद को देख हरकत में आई आशियाना पुलिस युवक को कस्टडी में ले थाने के कार्यालय में बैठा दियो कार्यालय में पुलिसकर्मियों के मौजूदगी में आरोपित ने अपना गला रेतने का प्रयास किया और गले से खून निकलने लगा यह आलम देख पुलिस के हाथपांव फूल गए और आनन फानन में घायल आरोपित युवक को पुलिस की गाड़ी से लोकबंधु अस्पताल पहुँचाया जहाँ युवक का प्राथमिक उपचार किया गया उधर आरोपित तरह तरह से नाटकीय हंगामा करता रहा और अपने को आरोपों से बचाने के लिए खुद को घायल करता रहा पीड़िता यह सब माहौल देख सहम गई और उसे जोर आधात लगा जिससे उसकी हालत बिगड़ गई और थाना परिसर के बाहर अचेत हो गई` पुलिस लोकबंधु अस्पताल में आरोपित युवक का उपचार करा रही थी इधर बेहोशी हालत में पीड़िता भी अस्पताल पहुँच गई जहाँ डॉक्टरों ने युवती को भर्ती कर उपचार शुरू किया

पुलिस की घोर लापरवाही उजागर

आशियाना थाने कार्यालय में पुलिस की मौजूदगी में आरोपित युवक द्वारा स्वयं का गला रेतने का प्रयास करना पुलिस की घोर लापरवाही उजागर करती हैं पुलिस किसी भी आरोपित को थाने पर हिरासत में लेने के पूर्व उसका जामा तलाशी के दौरान मौजूद सारे सामान को जमा कर लेती है ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर पुलिस के मौजूदगी में आरोपित को कहाँ से धारदार हथियार मिला जिससे वह अपना गला रेतने का प्रयास किया

घंटो हंगामे में दहशत में आई पीड़िता थाने पर हुई अचेत परिजनों ने पहुँचाया अस्पताल

नशेबाज युवक की हरकत से आजिज होकर युवती ने पिता संग आशियाना थाने पहुँच पुलिस से मदद की गुहार लगाती रही लेकिन आशियाना पुलिस संवेदनहीन बनी रही

पंद्रह वर्षीय किशोरी ने फांसी पर झूलकर लगाया मौत को गले

- रहीमाबाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

अमन लेखनी समाचार

मृतका मुस्कान फाइल – फोटो

लखनऊ। अज्ञात कारणों के चलते किशोरी ने अपने बाबा घर में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

रहीमाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम मनकौटी निवासी सजीवन लाल की नाबालिग बेटी मुस्कान (15) ने शनिवार अपराह्न करीब साढ़े चार बजे अज्ञात कारणों के चलते अपने घर से करीब पचास मीटर दूरी पर रहे राहे बाबा बाबू लाल के घर में कमरे के अंदर टांड़ पे रखी सीढ़ी से दुपट्टे को बांधकर उसके सहारे लटक कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जिस समय मुस्कान ने यह कदम उठाया उस समय दादी - बाबा सरकारी गल्ले की दुकान से राशन लेने गए थे। और बेटी के माता-पिता अपने पड़ोस के घर में थे। बेटी की मौत की सूचना मिलते ही नंगे पैर दौड़े पिता ने देखा की बेटी दुपट्टे के सहारे झूल रही थी। यह देखकर वहां कोहराम मच गया। जिसे देखने के लिए वहां पर भारी संख्या में भीड़ एकत्रित हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मृतक किशोरी की शादी मोहल्ला मुत्तकीपुर लखनऊ से तय थी। जिसकी तिथि अभी निश्चित नहीं थी। किशोरी की मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। मृतक के परिवार में माता निर्मला, व भाई शिवा (20), आकाश(13), बहन रिया (9),मोहिनी (7) जिनका रो रो कर बुरा हाल है। इस संबंध में रहीमाबाद एसओ अनुभव सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मौत के कारणों की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

लीगल एसोसिएट का किया गया उद्घाटन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ , कानपुर रोड एलडीए कॉलोनी में स्थित सत्कार पैलेस पर गिहार परिवार की ओर से जेठ माह के शनिवार को बजरंगबली की विधिवत पूजन हवन के साथ विशाल भव्य भंडारे का आयोजन किया गयो इस दौरान मुख्यातिथि के रूप उपस्थित पूर्व ओएसडी गंगाराम आंबेडकर ने एसएम लीगल एसोसिएट का उद्घाटन भी कियो भंडारे में सैकड़ो की संख्या में.उपस्थितजनो ने प्रसाद ग्रहण किया ` इस दौरान आयोजक विशाल गिहार ने बताया कि वह अपने पिता स्वर्गीय सुभाष चंद्र गिहार एवं माता स्वर्गीय मंजू लता गिहार की पुण्य स्मृति में यह भंडारे का आयोजन किया हैं इस अवसर पर एसएम लीगल एसोसिएट की मुख्य अधिवक्ता पिंकी आनंद गिहार समेत डा गिहार, पार्षद हिमांशु अंबेडकर, विशाल गिहार, नेहा महाजन, राज शिल्पकार उपस्थित रहे।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने भंडारे में पहुंचकर बांटा प्रसाद

- सुशान्त गोल्फ सिटी क्षेत्र के भागीरथी एंक्लेव में भाजपा नेता ने सुंदरपाठ पाठ व विशाल भंडारे का किया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज।ज्येष्ठ माह के शनिवार को सुशान्त गोल्फ सिटी क्षेत्र के भागीरथी एन्क्लेव में भाजपा अनुसूचित मोर्चा के जिलामंत्री हंसराज ने सुंदरकांड पाठ व विशाल भंडारे का आयोजन कर राहगीरो को पूड़ी-सब्जी,छोला-चावल,कड़ी- चावल व बूंदी के प्रसाद का वितरण किया।भंडारे का शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक व राज्यसभा सासंद व प्रदेश महामंत्री अमर पाल मौर्य ने राहगीरो को प्रसाद वितरण कर किया। भाजपा नेता हंसराज ने अतिथियो को प्रभु श्री राम का पटका पहनाकर व गदा भेटकर स्वागत किया।सुबह से देर शाम तक चले भंडारे में हजारो लोगो ने प्रसाद ग्रहण किया।भंडारे में प्रमुख रूप से भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष त्रयम्बक त्रिपाठी,पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर, भाजपा जिलाध्यक्ष विनय प्रताप सिंह,भाजपा मीडिया प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अशोक तिवारी,वरिष्ठ समाजसेवी सुरेन्द्र दीक्षित,भाजपा नेता नागेश्वर द्विवेदी, भाजपा नेता शम्भूनाथ पांडे,इंस्पेक्टर अजंनी कुमार मिश्रा,प्रधान अभय कान्त दीक्षित मनीष सिंह, अखिलेश सिंह रघुवंशी, अभय सिंह, अमित वर्मा, विपिन वर्मा, कौशल मिश्रा समेत काफी संख्या में क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

एसीपी की कार्यशैली से नाराज अधिवक्ताओ ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में जमकर कांटा हगांमा

- एसीपी मोहनलालगंज पर बिना जांच अधिवक्ता पर मुकदमा दर्ज करने समेत एक पक्षीय कार्यवाही का आरोप लगाकर अधिवक्ताओ ने आधे घंटे तक सम्पूर्ण समाधान दिवस सभागार में जमकर काटा हगांमा,एसडीएम के आश्वासन के बाद हुये शांत

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। तहसील सभागार में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कौशलेन्द्र शुक्ला व महामंत्री रामलखन ने नेतृत्व में पहुंचे सैकड़ो अधिवक्ताओ ने मोहनलालगंज एसीपी की खराब कार्यशैली को लेकर कड़ी नाराजगी जताते हुये जमकर हगांमा काटा इस दौरान करीब आधे घंटे तक सम्पूर्ण समाधान दिवस में जनसुनवाई बाधित रही। महांमत्री रामलखन का आरोप था मोहनलालगंज बार एसोसिएशन के सम्मानित अधिवक्ता धीरज सिंह के विरूद्ध बिना किसी जांच के भाकियू के दबाब में एसीपी मोहनलालगंज ने मुकदमा दर्ज करा दिया ओर पीड़ित अधिवक्ता द्वारा प्रार्थना पत्र देने के बाद भी जबरन जमीन कब्जा करने वाले सफेदपोश के विरुद्ध कोई कार्यवाही नही की गयी।सम्पूर्ण समाधान दिवस में पहुंचे अधिवक्ताओ ने पटल के नीचे जमीन पर बैठकर हगांमा करते हुये एसीपी व पुलिस प्रशासन के विरूद्ध जमकर नारेबाजी शुरू कर दी ओर पीड़ित अधिवक्ता के द्वारा दी गयी तहरीर पर विपक्षी पर मुकदमा दर्ज होने के बाद ही हटने की बात कही? ।पटल पर मौजूद एसडीएम बृजेश कुमार वर्मा व इंस्पेक्टर आलोक राव बार एसोसिएशन के पदाधिकारियो व अधिवक्ताओ की मान मनौव्वल में जुटे रहे लेकिन अधिवक्ता मुकदमा दर्ज होने के बाद ही हटने पर अड़े रहे।एसडीएम बृजेश कुमार वर्मा ने मौके पर मौजूद इंस्पेक्टर आलोक राव को पीड़ित अधिवक्ता धीरज सिंह के द्वारा दी गयी तहरीर पर तत्काल मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिये,तब जाकर आक्रोशित अधिवक्ता शांत हुये ओर वापस लौट गये।हगांमे के चलते करीब आधे घंटे सम्पूर्ण समाधान दिवस में जनसुनवाई पूरी तरह ठप्प रही।देर शाम मोहनलालगंज पुलिस ने पीड़ित अधिवक्ता धीरज सिंह की तहरीर पर विपक्षी सर्वेश कुमार निवासी बाबूखेड़ा थाना पीजीआई समेत अन्य के विरूद्ध मारपीट,जान से मारने की धमकी देने समेत अन्य धाराओ में मुकदमा दर्ज किया।

लखनऊ में पहली बार भंडारा के साथ आयोजित हुआ निःशुल्क संपूर्ण स्वास्थ्य शिविर

- सरिता प्रवाह द्वारा आयोजित 13वें विशाल भंडारे में सुदंरकांड के पाठ एवं प्रसाद वितरण का आयोजन
- खुशी फाउंडेशन के तत्वावधान में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ । यूं तो जेठ के महीने में बड़े मंगल एवं शनिवार को तमाम भंडारे का आयोजन किया जाता है, लेकिन हर बार अनोखे प्रयोग के लिए विख्यात सरिता प्रवाह ने इस बार लखनऊ के सुप्रसिद्ध चिकित्सकों की अगुवाई में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। शिविर में सौ से अधिक लोगों ने अपनी शुगर, बीपी, एवं अन्य जांच करायी तो कम्प्यूटराइज्ड मशीन द्वारा आंखों की भी निःशुल्क जांच करायी गयी। इस अवसर पर आये लोगों ने शिविर की जमकर तारीफ की। स्वास्थ्य शिविर खुशी फाउंडेशन के बैनर तले आयोजित हुआ, जिसमें डा. अवधेश द्विवेदी, डा, नारायन प्रसाद, डा. अमरीश, डा. दीपांशु, राहुल तिवारी के अलावा वाघा अस्पताल के नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. राजीव भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सरिता प्रवाह द्वारा 13वां विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में जहां सुंदरकांड का पाठ अमर दीक्षित की भजन मंडली द्वारा किया गया वहीं प्रसाद वितरण का आयोजन भी हुआ जो सुबह से शुरू होकर देर रात तक चला। भंडारे में कई मंत्रियों के सूचना अधिकारी एवं वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

ग्रीन वुड सोसाइटी राष्ट्र हित में कर रही जन उपयोगी कार्य

लखनऊ।राष्ट्र हित में ग्रीनवुड सोसाइटी अइडकी सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष , उपाध्यक्ष ,पदाधिकारियों एवं सदस्यो द्वारा बृहद फलदार एवम् जीवन वर्धक एवम् जीवन रक्षक वृक्षारोपण कार्यक्रम परिसर में ही अति उत्साह से किया गया जिसके फलस्वरूप राष्ट्र हित में 50 पौधों का फल एवं उसका वातावरण में ऑक्सीजन प्राप्त होगा यह सांस्कृतिक समिति द्वारा किया गया उत्कृष्ट कार्य बहुत ही सुंदर व सराहनीय है ! इन पौधों का हमारे देश के वातावरण को स्वक्छ बनाने में बहूत बड़ा योगदान होगा ! इस परिपेक्ष में सुमन निगम ने आम का पौधा , वंदना सिंह ने -चीकू का पौधा , शिखा कटियार ने आवला का पौधा, ऋचा सिंह ने अनार का, सुनीति शर्मा ने अमरूद का , अर्चना सिंह ने लीची का ,रंजना ने नीम और कटहल का पौधा , इसी प्रकार कई अन्य ने पान का पौधा , अंगूर का पौधा, शरीफा का पौधा ,शहतूत का पौधा अन्य कई फलदार पौधों का , पाम का पौधा आदि का पौधारोपण किया ! यह बड़े हर्ष की बात है कि हमारी सांस्कृतिक समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यगण ने काफी जागरूकता दिखाते हुए बिना किसी पर्यावरण दिवस के ही बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम करके सराहनीय कार्य किया है हम इनके द्वारा वातावरण को स्वक्छ व सुंदर बनाने के प्रयास की सराहना व अभिनंदन करते हैं ! हम अंतःवासिय अपनी सांस्कृतिक समिति एवं इसके सदस्यो व पदाधिकारीयो का दिल से आभार व्यक्त करते हैं व नंदन करते है !

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा सूचना

राष्ट्रपति भारत सरकार की ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/रिपेयर, वास्ते मुख्य कारखाना प्रबन्धक यांत्रिक कारखाना गोरखपुर द्वारा नीचे लिखे कार्य के लिए ऑनलाईन (ई–टेण्डरिंग) के माध्यम से खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। **क्रम सं० (1) ई–निविदा सूचना सं० एवं निविदा कार्य का विवरण :** टेण्डर नं०–''15–जी के पी–एम डब्ल्यू एस–2024–25'' ''काम्प्रीहेन्सिव एएमसी ऑफ एट्लस कापको मेक इलेक्ट्रिक ड्रिवेन रोटरी स्क्रू टाईप एयर कम्प्रेसर विद वोल्टेज स्टेबलाइजर एंड एयर ड्रॉयर क्वान्टिटी–03 फॉर 02 इयर्स एट जीकेपीएस''। **अनुमानित लागत (रू० में) :** 7423664.70, **धरोहर राशि (रू० में) :** 148500.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** रू० शून्य, **निविदा समापन की तिथि एवं अवधि :** 11.00 बजे, 05.07.2024, **संविदा की अवधि :** 24 माह, उपरोक्त ई–निविदाओं का पूर्ण विवरण एवं निविदा में भाग लेने हेतु भारतीय रेल की वेबसाईट संख्या **http://www.ireps.gov.in** पर देखें।

उप मुख्य यांत्रिक इंजी./रिपेयर/यांत्रिक कारखाना/ मुजाधि/यॉंत्रिक – 32 **गोरखपुर**

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

संक्षेप

पीएचडी उपाधि हेतु ओपन मौखिक परीक्षा संपन्न

उन्नाव। डी०एस० एन० महाविद्यालय उन्नाव प्रोफेसर इतिहास विभाग एवं निदेशक स्वावित्तपोषित विभाग डॉ अरविंद कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में नई शिक्षा नीति के अंतर्गत पीएच डी शोध प्रबंध इतिहास शोध शीर्षक ₹ सामाजिक आर्थिक दृष्टि में प्रमुख बौद्ध स्थलों की वर्तमानकालिक प्रासंगिकता छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के अंतर्गत पीएचडी उपाधि हेतु ओपन मौखिकी परीक्षा आज दिनांक १५/०६/२४ दिन शनिवार को कानपुर विश्वविद्यालय के रिसर्च एवं डेवलपमेंट सेल में संपन्न हुई । शोधार्थी विकास चंद्र श्रीवास्तव ने उपर्युक्त शीर्षक के अंतर्गत शोध कार्य कुशलता पूर्वक एवं अथक परिश्रम एवं निरंतर लगन से कार्य किया जो कि बधाई के पात्र हैं ।प्रो० त्रिपाठी ने इस शोध कार्य का नई शिक्षा नीति के अनुसार निर्देशन किया और शोध उपाधि की उपाधि हेतु मौखिकी परीक्षा (वाक्परीक्षा) ऑनलाइन-संपन्न कराई । यह गौरव डी०एस० एन० कॉलेज उन्नाव को प्राप्त हुआ ।

84 शिकायत पत्रों में 5 का मौके पर किया गया निस्तारण

बीघापुर, उन्नाव। तहसील मुख्यालय पाटन में संपूर्ण समाधान दिवस पर 84 प्रार्थना पत्र दर्ज हुए जिसमें पांच का मौके पर अध्यक्षता कर रहे एसडीएम क्षितिज द्विवेदी द्वारा निस्तारण किया गया। लोकसभा चुनाव के बाद पहले समाधान दिवस पर राजस्व विभाग के 37 व पुलिस विभाग के 35 सर्वाधिक शिकायतें रही। कुंदनपुर के हरिश्चंद्र ने बताया कि लेखपाल द्वारा ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जा कराए जाने की शिकायत उन्होंने समाधान दिवस पर 2 मार्च को की थी किंतु कोई कार्रवाई नहीं हुई। प्रार्थना पत्र देकर उन्होंने लेखपाल के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग की। मुड़ियन खेड़ा के शीतल ने अपनी निजी भूमि पर अवैध कब्जा हटवाने की मांग की। बीघापुर नगर पंचायत के पटेल नगर के रहने वाले ओमप्रकाश ने न्यायालय में वाद होने के बाद भी दाखिल खारिज किए जाने की शिकायत की। इसमें सीओ माया राय, तहसीलदार अरसला नाज, नायब तहसीलदार स्नेहा यादव, बीडीओ बीघापुर विनोद मणि त्रिपाठी सहित कई विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

ग्राम समाज की भूमि पर खड़े पेड़ो को काटा, दर्ज हुआ मुकदमा

बीघापुर, उन्नाव। क्षेत्र की ग्राम पंचायत ससान के मौजूदा प्रधान ओम प्रकाश ने पूर्व प्रधान व पुत्र सहित चार लोगों का सरकारी संपत्ति के नुकसान व वृक्ष संरक्षण अधिनियम के तहत थाने में केस दर्ज कराया है ।ग्राम प्रधान ने हल्का लेखपाल की आख्या के साथ थाने में प्रार्थना पत्र दिया कि पूर्व प्रधान वेद प्रकाश व उनके पुत्र पुष्पेंद्र तथा अन्य दो के साथ ग्राम समाज की भूमि पर खड़े नीम व सागौन के कीमती पेड़ो को दबंगई से काट लिया है जिस पर हल्का लेखपाल ने एसडीएम को आख्या दी है वही खरौली के ग्राम समाज के खड़े नीम के पेड़ को कोइली खेड़ा के शिव बहादुर व रामसुमेर ने जबरदस्ती काटने का प्रार्थना पत्र हल्का लेखपाल राज किशोर द्वारा पुलिस को दिया गया ।एसओ राजपाल ने बताया दोनों मामलों में सार्वजनिक संपत्ति नुकसान करने तथा उत्तर प्रदेश वृक्ष संरक्षण अधिनियम के तहत के केस कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

डीएम की अध्यक्षता में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस, 181 शिकायत पत्रों में 15 का मौके पर निस्तारण

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप जन समस्याओं एवं शिकायतों के प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु जिलाधिकारी गौरांग राठी द्वारा पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ शंकर मीणा की उपस्थिति में तहसील सफीपुर, उन्नाव में आयोजित जिला स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जनसामान्य की समस्याएं/शिकायतें सुनीं गयीं।

संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील सफीपुर, उन्नाव में डीएम द्वारा राजस्व विभाग की 38, गृह विभाग की 33, विकास विभाग की 24, समाज कल्याण की 18, विद्युत विभाग की 17, पूर्ति विभाग की 19 सहित अन्य विभागों की 32 शिकायतों/समस्याओं का अनुश्रवण किया गया। इस अवसर पर कुल 181 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 15 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया गया। इस अवसर पर डीएम द्वारा शिकायतों से संबंधित विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए कि प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, संतुष्टिपरक एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित कराएं, ताकि शिकायतों की पुनरावृत्ति न हो। आगामी संपूर्ण समाधान दिवस तक सभी मामले निस्तारित कर दिए जाएं।निस्तारण में दोनों पक्षों की सहमति ली जाए। अधिकारी गण जनसामान्य की शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें, अन्यथा संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी।डीएम ने कहा कि आईजीआरएस की शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार का विलंब न करें।

संपूर्ण समाधान दिवस में विधायक बंबा लाल दिवाकर सफीपुर ने भी प्रतिभाग किया गया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापरक किया जाए।इस दौरान बाल विकास सेवा एवं पुष्टहार विभाग सफीपुर द्वारा क्षेत्रीय महिला शन्नो देवी की गोद भराई कार्यक्रम की रस्म जिलाधिकारी द्वारा की गयी।

इस मौके पर सीएमओ डा0 सत्य प्रकाश, पीडी कमलेश कुमार, उप निदेशक कृषि मुकुल तिवारी, सीवीओ डा0 एसएम प्रसाद, समाज कल्याण अधिकारी डा0 नीलम सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संगीता सिंह, जिला मत्स्य अधिकारी बी0के0 दुबे, जिला पूर्ति अधिकारी राज बहादुर सिंह, जिला कृषि अधिकारी कुलदीप कुमार मिश्र, उप संभागीय वन अधिकारी संतोष कुमार वर्मा, जिला प्रोबशन अधिकारी क्षमानाथ राय, एलडीएम सुनील वर्मा सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी व स्थानीय कर्मचारी गण आदि उपस्थित रहे।

एक सप्ताह मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय दिवस

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव।21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस और 15 से 20 जून तक योग सप्ताह मनाया जाएगा।इसमें 40 योग गुरु योगाभ्यास कराएंगे। इसके तहत लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर सीडीओ प्रेम प्रकाश ने अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों का जायजा लिया है। उन्होंने ने बताया कि 15 से 20 जून तक योग सप्ताह का आयोजन व्यापक स्तर पर होगा। योग सप्ताह में स्कूल, कॉलेज के विद्यार्थियों, एनसीसी, एनाएसए, स्वयंसेवी संस्थाएं, योग संस्थाएं हिस्सा लेंगी। उन्हें आमंत्रित किया जा रहा है। रोज सुबह योगाभ्यास कराया जाए।

योग दिवस 21 जून को सुबह 6 बजे से 8 बजे के बीच कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार 45 मिनट तक योगाभ्यास का आयोजन होगा। जनपद के पंचायत स्तर, ब्लॉक मुख्यालय, तहसील मुख्यालय एवं जिला मुख्यालय पर विभिन्नि पार्कों एवं सार्वजनिक स्थानों पर योगाभ्यास कराया जाएगा। अपनी शारीरिक और मानसिक क्षमता के अनुसार ही योग का अभ्यास करना चाहिए। किसी भी अनावश्यक बल का प्रयोग न करें। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी ने बताया कि तैयारियां तेज है ।बीते वर्ष 2023 में 21 जून के दिन शहर के नार्मल मैदान में कार्यक्रम आयोजित हुआ था। हालांकि इस साल यह कार्यक्रम प. दीन दयाल स्टेडियम में होगा। इसके लिए पालिका साफ सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करेगी। जलकल पानी की व्यवस्थाएं सही कराएगी। जबकि मैदान समेत अन्य व्यवस्थाएं स्टेडियम प्रबंधन को पूरी करनी होगी ।शहर में कई सामाजिक संस्थाएं भी योग में रुचि दिखाती है। वह पूरे साल सुबह के वक्त पार्कों में योग कर अपना शरीर स्वस्थ रखती है। जागरूकता ऐसी की लोग भी उनके साथ जुड़ते हैं। ऋषिकुल व बाबा योग प्रशिक्षित संस्था भी सुबह शाम प्रशिक्षिण देकर 21 जून को भव्य कार्यक्रम करने की तैयारी में जुटी है यूनानी अधिकारी कप्तान सिंह ने बताया कि 21 जून को प. दीन दयाल स्टेडियम में भव्य आयोजन किया जाएगा। योग दिवस को यादगार बनाने के लिए तैयारियां पूरी की जा रही। इसके अलावा सेक्टरवार तहसील ब्लॉक को बांटकर आयुर्वेद के 22 व 20 होम्योपैचिक योग गुरु को प्रशिक्षिण की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मारपीट में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के नयाखेड़ा मजरा जंसार गांव के रहने वाले दीपू 50 पुत्र स्व. रामलाल गांव के ही पप्पू तिवारी का ट्रैक्टर चलाता था। शुक्रवार सुबह ईंट भट्ठे पर भाड़ा मिलने पर ट्रैक्टर ट्राली लेकर चला गया था। शाम करीब चार बजे घर लौटा था। बीते दिनों ट्रैक्टर पर चल रहे उसके साथ लेबर कोकी व विकास पुत्रगण कन्हई से नशे में विवाद हुआ था। कल देर शाम कोकी परिजनों समेत 15 -20 लोगों के साथ घर पहुंचा और दीपू के अलावा परिजनों को लाठी व कुल्हाड़ी से हमला बोल दिया। जिसमें भाई भोला, पत्नी मीरा, भतीजी शिवानी पुत्री भोला, भाभी संगीता पत्नी भोला जख्मी हो गए, उसके बाद हमलावर दीपू को उठा ले गए और करंट लगाकर मारा पीटा। शनिवार सुबह घर के पास जख्मी हालत में दीपू को पड़ा देख परिजनों ने उसे नवाबगंज सीएचसी ले गए। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक इलाज के बाद हालत नाजुक देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया। यहां डॉक्टर की सलाह पर परिजन उसे एक्स-रे के लिए ले जा रहे थे ।तभी उसने दम तोड़ दिया। मृतक दीपू चार भाइयों में दूसरे नंबर का था। भाइयों में गौरी शंकर भोला व संतोष है। मृतक दीपू के चार बेटी सीमा, रीमा, रीता व दीपिका व बेटा दीपक हैं। पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे परिजनों का कहना है कि मृतक दीपू की विकास से पटरी खाती थी। जब कि कोकी विकास से मना करता था कि ट्रैक्टर उसके साथ ट्रैक्टर पर मत जाया करो।

सीडीओ की अध्यक्षता में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप जन समस्याओं एवं शिकायतों के प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु मुख्य विकास अधिकारी प्रेम प्रकाश मीणा की अध्यक्षता में तहसील बांगरमऊ में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस (तहसील दिवस) के अवसर पर जन सामान्य की समस्याएं/ शिकायतें सुनी गयीं। संपूर्ण समाधान दिवस (तहसील दिवस) के अवसर पर कुल 122 शिकायतें प्राप्त हुई। जिसमें राजस्व विभाग की 95, गृह विभाग की 9, विकास विभाग की 4, खाद्य एवं रसद विभाग की 3, चकबंदी विभाग की 6, विद्युत विभाग की 2, अन्य 3 सहित कुल 122 शिकायतें प्राप्त हुई। जिसमें 3 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा शिकायतों से संबंधित विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए कि प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, संतुष्टिपरक एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित कराएं ताकि शिकायतों की पुनरावृति न हो। आगामी संपूर्ण समाधान दिवस तक सभी मामले निस्तारित कर दिए जाएं। निस्तारण में दोनों पक्षों की सहमति ली जाए। अधिकारी गण जन सामान्य की शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें, अन्यथा संबंधित के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। इस मौके पर उप जिलाधिकारी नम्रता सिंह, उप जिलाधिकारी (न्यायिक) रामदेव निषाद, तहसीलदार साक्षी राय, नायब तहसीलदार दीपक कुमार, तहसील कार्यालय के मुख्य कंप्यूटर ऑपरेटर रामजी सैनी सहित सभी विभागों के संबंधित अधिकारी/ कर्मचारी के अलावा सभी राजस्व निरीक्षक व लेखपाल उपस्थित रहे।

अज्ञात कारणों से दुकानों में लगी आग, लाखों का सामान राख

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र के अंतर्गत रात 11 बजे सड़क के किनारे लकड़ी की गुमटी मे रखी दुकान में अज्ञात कारणों से आग लग गई जिससे दुकान में रखा गैस सिलेंडर फटने से आस पास की गुमटियो में भी आग लग गई जिनमें रखा लाखो का समान हुआ राख। थाना क्षेत्र के चकलवंशी सण्डीला मार्ग पर स्थित कस्बा रसूलाबाद के मन्दिर चौराहे पर रात 11 बजे दीपक राठौर निवासी रसूलाबाद लकड़ी की गुमटी मे दुकान रखे था जिसमें अज्ञात कारणों से आग लग गई दुकान में रखा सिलेंडर फट जाने से आग ने विकराल रूप ले लिया देखते ही देखते चौराहे पर गुमटियो मे रखी सभी दुकानें जल कर राख हो गई ।जिसमें सभी दुकानदारों को भारी नुकसान हुआ। शोरगुल सुनकर दौड़े लोगों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दुकानदार दीपक राठौर पुत्र प्रमोद राठौर का 50-60 हजार रुपये नुकसान ,विजयशंकर यादव पुत्र भैयालाल यादव 90-95 हजार रुपये का नुकसान, संदीप सविता पुत्र सुन्दर सविता 75-80 हजार का नुकसान व रामेश्वर यादव पुत्र हाजरी यादव निवासी कमलापुर का भी नुकसान हुआ है।

साले ने चाकू से जीजा पर किया जानलेवा हमला

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली श्री नगर मोहल्ला निवासी एक युवक की शादी तीन साल पहले सदर कोतवाली के उन्नाव शहर में हुई थी। शादी के बाद लड़की के मायके वालों ने उसकी दूसरी शादी करा दी, जिसका युवक ने मुकदमा दर्ज कराया था। उसी को लेकर ससुराल वालों से उसका विवाद चल रहा है ।बीती रात साले ने जीजा पर चाकू से हमला बोल दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। शुक्लागंज के श्री नगर मोहल्ला निवासी सुनील तिवारी के बेटे रोहित तिवारी कि 12 दिसंबर 2021 को सदर कोतवाली के अवस्थी खेड़ा निवासी संजय मिश्रा की बेटी पूजा मिश्रा के साथ उसकी शादी हुई थी ।शादी बिना दहेज के हुई। इसके बाद ससुराली जनों ने उसकी पत्नी की दोबारा शादी कर दी और उसे तलाक भी नहीं कराया। इस पर रोहित की तहरीर पर पूजा मिश्रा, संजय मिश्रा, शिवम मिश्रा, मामी नीतू शुक्ला, मामा धीरेन्द्र शुक्ला, मामा बब्लू तिवारी, अनिल तिवारी, चाचा मनोज उर्फ भोली मिश्रा, अवनीश तिवारी, रामरानी तिवारी, रामजी तिवारी समेत 12 लोगों के खिलाफ मार्च माह में गंगाघाट पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है ।उसी को लेकर रात रोहित गंगाघाट कोतवाली गया था। वापस आने के दौरान डाकतार कॉलोनी के पास उसके साले शिवम मिश्रा ने उसे पर चाकू से हमला बोल दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया ।रोहित का आरोप था कि शिवम भगवंतनगर विधायक के यहां काम करता है, जिस कारण उसे 3 सालों से न्याय नहीं मिल पा रहा है। मायके पक्ष के लोग उसे बराबर धमका रहे हैं। उसने एसपी से लेकर डीएम से न्याय की गुहार लगाई है इसके बावजूद उसे अभी तक न्याय नहीं मिला है। उसने पहले भी हमला होने की शिकायत की थी इसके बावजूद पुलिस ने भी कोई कार्रवाई नहीं की।

एडीएम की अध्यक्षता में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। संपूर्ण तहसील दिवस की अध्यक्षता एडीएम ने की ,आए फरियादियों की शिकायत पत्र सुनकर सम्बंधित अधिकारियों को निस्तारण करने के निर्देश दिए ।जिसमे कुल 156 मामले आए। राजस्व 67,पुलिस 27,विकास 31अन्य 31 मामले आये ।जिसमे मौके पर राजस्व के 13 मामलों का निस्तारण किया गया। महेंद्र पुत्र बूटे लाल निवासी बीबी चिरयारी ने प्रार्थना पत्र देखकर बताया कि घरेलू बिजली कनेक्शन कराया था जिसका बिल 69362 रूपए आया, ओटीएस योजना के तहत 33 जमा किया लेकिन कार्यालय में तैनात बाबू ने फर्जी रसीद थमा दी,पीड़ित के घर दोबारा नोटिस पहुंचने पर पीड़ित ने हसनगंज सब स्टेशन बिजली विभाग में तैनात बाबू के पद पर गौरव शर्मा पर फर्जी रसीद थमा देने की प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। सीसी गांव निवासी सुनीता पत्नी पुत्ती लाल ने प्रार्थना पत्र देकर बताया कि गांव के ही कल्लू , गोकुल, केसन, नेकराम, सोहन आदि लोगो मे खेत में बनी सास ससुर की समाधि को खोदकर जबरन जमीन पर कब्जा कर रहे है जिसे छुड़वाने की गुहार लगाई, इस मौके पर एडीएम नरेंद्र सिंह , एएसपी प्रेम चंद्र, सीओ संतोष सिंह, बीडियो अपर्णा, तहसील दार विराग करवरिया, अन्य अधिकारी मौजूद रहे

वारंटी युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार अन्तर्गत बिजली चोरी करते हुए पाए जाने पर दर्ज मुकदमे में वांछित चल रहे अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर मा०न्याया० के समक्ष भेज दिया है। थाना क्षेत्र के ग्राम पोरई निवासी छंगालाल पुत्र शंभू उम्र 56 वर्ष को बिजली विभाग की विजिलेंस टीम ने बिजली चोरी करते हुए पकड़ा था जिस पर मुकदमा भी दर्ज कराया गया था। लंबे समय से पेशी में न पहुचने पर कोर्ट द्वारा वारंट आर्डर जारी हुआ । कोर्ट के वारंट आर्डर पर थाना बिहार पुलिस के हल्का निरीक्षक रंजनीकान्त पाण्डेय , का0 रवि कुमार व का0 शैलेष कुमार ने अभियुक्त छंगालाल को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार वारंटी अभियुक्त को मा०न्याया० के समक्ष भेज दिया गया है।

केक का बहिष्कार कर बच्चो के साथ मनाई वैवाहिक वर्षगांठ

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। राष्ट्रीय सैनिक छात्र सेवा परिषद के संस्थापक/अध्यक्ष अंकित शुक्ला ने अपनी वैवाहिक वर्षगांठ समाज में एक नए अंदाज से मनाया जिसमें लोगों में संदेश देने के लिए केक का बहिष्कार करके नई पीढी जो निर्धन होने के कारण अपने बच्चो को नही पढा सकते है उन्हे लोगों मे अपने जन्मदिन व वैवाहिक वर्षगांठ व अन्य केक न काटकर कापीं पेन पेन्सिल बैग बांटकर इन बच्चो को शिक्षित बनाने में योगदान दे लोगों से अपील की इस दौरान कई गाँवो के बच्चे भी शामिल हुए गाँव के बच्चो को काँपी-कलम का भी वितरण किया साथ ही बच्चो के साथ केक बहिष्कार कर वैवाहिक वर्षगांठ मनाया मौके राष्ट्रीय अध्यक्ष की वैवाहिक वर्षगाँठ बहुत ही धूमधाम से मनाया गया समर्थक, प्रशंसकों एवं कार्यकताओं ने अपने-अपने तरीके से अध्यक्ष अंकित शुक्ला की वैवाहिक वर्षगाँठ अंकित शुक्ला के उत्तम स्वास्थ्य व दीघार्यु जीवन हेतु सर्वप्रथम बुढ़वा महादेव में पूजा अर्चना की बाबा का जलाभिषेक करके अंकित शुक्ला के अच्छे स्वास्थ्य हेतु प्रार्थना किया गय अध्यक्ष के द्वारा वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर विशेष तैयारी की गई मध्य विद्यालय पहुंचकर अध्यक्ष अंकित शुक्ला ने छोटे-छोटे बच्चों के बीच कॉपी, पेन,पेंसिल, रबर, कटर, ज्योमेट्री बाक्स इत्यादि का वितरण किया संस्था अध्यक्ष अंकित शुक्ला ने एक अनूठा प्रयास करके बडे-बडे दिग्गज लोगों से भी अपील की इस प्रकार से ही अपने जन्मदिन वैवाहिक वर्षगांठ मनाने का कष्ट जिसे असहाय गरीब निर्धन परिवार के बच्चे भी खुशी से पढ़ाई कर सकें व आप लोगों की बात हुई बात पर चल सकें आने वाले समय का समय ये बच्चे है हम और बूडे हो जाएगें तो कौन सहारा देगा अध्यक्ष अंकित शुक्ला ने लोगो से की अपील कहां संस्था पूरे प्रदेश में व अन्य राज्य में निःशुल्क शिक्षित बनाने का अभियान चलाएगा सभी गरीब बच्चो को निशुल्क शिक्षित बनाया जाएगा ऐसे कार्यक्रम को देखकर लोगों में उत्साह का माहौल बना लोगो ने संस्था के विचार व अध्यक्ष अंकित को सलाम करते हुए कहा की ऐसे होते सेवक जो निस्वार्थ भाव से लोगों की सेवा व दर्द समझ सकें अंकित शुक्ल ने कहा की जल्द ही अभियान का शुभारंभ किया जाएगा और वृद्ध पेंशन व विधावा पेंशन और राशन कार्ड भी निःशुल्क बनाया जाएगा गांव-गांव मै आप सब सरकार की सभी योजना आप तक पहुंचाने का कार्य करूंगा आप सब का आभार व्यक्त किया।

घर में घुसकर चोरों ने नगदी समेत पार कर दिया लाखो के जेवरात

अमन लेखनी समाचार

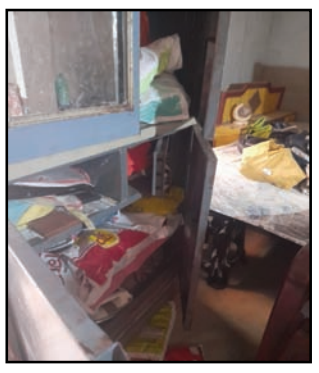

नवाबगंज, उन्नाव। सोहरामऊ थानाक्षेत्र के गांव महनौरा में शुक्रवार रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाया। चोरों ने घर से लाखों के जेवर समेत हजारों की नगदी पार कर दी। भवन स्वामी के सुबह उठने पर घटना की जानकारी हुई। पीड़ित ने घटना की सूचना डायल 112 पर दी। जिसके बाद सोहरामऊ पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल की जांच की और पीड़ित से तहरीर ली है। थानाक्षेत्र के गांव महनौरा निवासी पंकज सिंह के घर को चोरों ने निशाना बनाया। घर के पिछले हिस्से में सेंध लगाकर कमरे में दाखिल हो गए चोरों ने बक्से व अलमारी को तोड़कर लगभग लाखों रुपये की सोने की जूलरी व ढाई हजार रूपए ले गए, घटना के समय भवन स्वामी घर पर मौजूद नहीं था। पत्नी प्रियंका अपने दोनो बच्चो प्रशांत (5) और जग्गा (3) को लेकर बाहर बने कमरे में सो रही थी ।सुबह उठने पर जब प्रियंका पीछे के कमरे में गई तो देखा बक्से को पीछे की तरफ से सरिया डालकर उल्टा खुला पड़ा है अलमारी और लाकर भी टूटा पड़ा है यह देख प्रियंका के होश उड़ गए और चीखते हुए बाहर आई ससुर बजरंग सिंह के पूछने पर पूरी घटना बताई। एसआई मोहम्मद असलम ने बताया कि भवन स्वामी पंकज सिंह की तहरीर परचोरी की रिपोर्ट दर्ज की गई हैं।

लगभग दो करोड़ की लागत से तैयार होगी छमकनाली की पुलिया

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। रेलवे की जर्जर हो चुकी छमकनाली की पुलिया नंबर 109 व 108 के पुराने ढांचे को बदला जाना है। करीब दो करोड़ रुपए की लागत से दोनोंपुलियों के जर्जर हो चुके स्ट्रक्चर बदले जाएंगे। दोनों पुलियों के लिए नया स्ट्रक्चर तैयार करवा रहे रेलवे के रिटायर्ड इंजीनियर राजकरन ने बताया कि रेलवे की छमक नाली की 109 नंबर पुलिया के नए ढांचे को लगभग 150 टन लोहे के वजन से तैयार करा दिया गया है ।अब सिर्फ बोल्टिंग कराने का काम शेष रह गया है, जिसे कराया जा रहा है। जल्द ही इसे पूरा करा दिया जाएगा। इसके अलावा अब बहुत जल्द छमक नाली की रेलवे पुलिया नंबर 108 पर भी इसी तरह नए ढांचे की असेंबलिंग का कार्य प्रारंभ करा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि दोनों पुलिया के नए स्ट्रक्चर को एक साथ मेगा ब्लाक लेकर फिट कराया जाएगा। पहले पुराने ढांचे को हटवाया जाएगा ।इसके साथ ही दोनों पुलियों पर नए ढांचे को फिट कराया जाएगा। अब रेलवे विभाग कब मेगा ब्लाक लेकर स्ट्रक्चर को फिट कराएगा। यह रेलवे विभाग पर निर्भर करेगा। उन्होंने बताया कि फिलहाल उनकी कोशिश रहेगी कि समय रहते पुलिया नंबर 108 के ढांचे को असेंबल करा दिया जाए।अधिकारी के मुताबिक अप और डाउन लाइन पर बने 108 और 109 छमकनाली पुल कमजोर हो गये हैं। इसलिये पूरी तरह से लोहे के स्ट्रक्चर हटाकर नये स्ट्रक्चर को स्थापित किया जायेगा।रेलवे ब्रिज वर्कशाप के अनुसार दोनों पुलियों को बनाने के लिये करीब दो करोड़ की लागत आयेगी। जिसके बाद लंबे अर्से तक ब्रिज चल सकेगा। अधिकारियों के मुताबिक कानपुर लखनऊ रूट पर 160 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से ट्रेनें चलाई जायेंगी।

पुरानी रंजिश को लेकर युवक को जमकर पीटा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर हुई जमकर मारपीट में दलित पिता अपने घायल पुत्र को लेकर थाने पहुँचा जहा पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है ।थाना क्षेत्र के सराय मनिहार गाँव निवासी कमलेश प्रसाद धोबी पुत्र शीतला प्रसाद ने तहरीर देते हुए बताया कि उसका लड़का साहिल धोबी दोपहर करीब 1 बजे मंदिर में बैठा था तभी पुरानी रंजिश मानते हुए जागेश्वर सैनी पुत्र बाबू लाल,विमल सैनी व अमन सैनी पुत्र जागेश्वर, आदर्श सैनी पुत्र गोवर्धन सैनी ने जाति सूचक शब्दो का प्रयोग करते हुए लात घुसो व डंडों से दौड़ा दौड़ा कर पीटा जिससे मेरा लड़का साहिल लहुलूहान हो गया। पिता ने बताया करीब एक वर्ष पूर्व भी उक्त लोगो ने जानलेवा हमला किया था जिसका मामला न्यायालय में विचाराधीन है । उसी मामले को लेकर हम पर सुलह करने का दवाब बनाया जा रहा है। थाना प्रभारी शिव प्रकाश पांडेय ने बताया कि तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मेडिकल उपरांत अन्य धाराओं में बढ़ोतरी की जाएगी।

सम्पादकीय

खालिस्तान समर्थक देशों से दो टूक बात करनी होगी

देश में नब्बे के दशक के बाद से खालिस्तान आंदोलन लगभग खत्म हो चुका था, लेकिन कनाडा और ब्रिटेन से रह रहकर ऐसी आवाजें आती रहीं। देश में भी बीते पांच सालों के दौरान ऐसी ही चिंगारी को हवा देने की कोशिश हो रही है। इसमें घी का काम किया लोकसभा चुनाव में खडूर साहिब से अमृतपाल सिंह की जीत ने। असम की जेल में बंद अमृतपाल सिंह का सांसद बनना बताता है कि खालिस्तान आंदोलन पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। असल में 1947 में आजादी मिलने के बाद भारत और पाकिस्तान दो देश बने। इसी के साथ पंजाब सूबे का बंटवारा हुआ जिसका बड़ा भाग पाकिस्तान के पास चला गया और कुछ हिस्सा हमारे पास बचा। लाहौर, जो कभी सिख साम्राज्य की राजधानी था वो पाकिस्तान में चला गया। इसके बाद पंजाबी भाषी लोगों के लिए एक अलग राज्य की मांग की शुरुआत पंजाबी सूबा आंदोलन से हुई थी। यह पहला मौका था जब पंजाब को भाषा के आधार पर अलग दिखाने की कोशिश हुई थी। अलग पंजाब के लिए जबरदस्त प्रदर्शन शुरू हुए और अंत में 1966 में ये मांग मान ली गई। भाषा के आधार पर पंजाब, हरियाणा और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ की स्थापना हुई। उसी दौर में 'खालिस्तान' के तौर पर स्वायत्त राज्य की मांग उठाई गई जिन्हें तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने खारिज कर दिया। खालिस्तान की मांग ने 1970 के दशक में जोर पकड़ना शुरू कर दिया। 1980-1984 के बीच पंजाब में हिंसा की घटनाओं में भारी उछाल आया। 1983 में भिंडरावाला ने स्वर्ण मंदिर को अपना ठिकाना बना लिया। तब भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' को अंजाम दिया और उसके बाद पंजाब में मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की अगुवाई में पूरे आंदोलन को लगभग खत्म कर दिया गया। 1990 के दशक में भारत में तो यह खत्म हो गया, लेकिन कनाडा में जीवित रहा। इसके चलते रह रहकर भारत और कनाडा सरकार के बीच तनाव भी होता रहा। अब एक बार फिर इस आंदोलन को अंदर ही अंदर सुलगाने की कोशिशें हो रही है। अब नया मामला इटली में सामने आया है। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे से ठीक पहले खालिस्तान समर्थकों ने महात्मा गांधी की मूर्ति को तोड़ दिया और उसके नीचे हरदीप सिंह निज्जर का नाम भी लिख दिया। निज्जर की बीते दिनों हत्या कर दी गई थी। इटली में 13 से 15 जून तक जी7 शिखर सम्मेलन का आयोजन होना है। पीएम मोदी जी7 बैठक में शामिल होने के लिए आज रवाना होंगे। पीएम मोदी, इटली पीएम जियोर्जिया मेलोनी के आमंत्रण पर वहां जा रहे हैं। जी7 शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जापान के पीएम फुमियो किशिदा और कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो के अलावा कई अन्य बड़े नेता मौजूद रहेंगे। ऐसे मौके पर खालिस्तान समर्थकों का मूर्ति को तोड़ देना कायरता के अलावा कुछ भी नहीं। इससे पहले आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, कनाडा और अमेरिका में खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा भारतीय दूतावासों, प्रवासियों और मंदिरों पर घृणा से प्रेरित हमलों और अपराधों का सिलसिला साफ दर्शाता है कि एक सुनियोजित अंतरराष्ट्रीय अभियान चलाया जा रहा है। इस मुहिम का लक्ष्य पंजाब में अलगाववादी ताकतों को पुनर्जीवित करना है। पश्चिमी लोकतांत्रिक देशों को अड्डा बनाकर उग्रवादी प्रचार, वित्तीय अनुदान और हिंसक गतिविधियों को तेज करके पंजाब में दोबारा नफरत की आग लगाने की चेष्टा हो रही है। समस्या केवल यह नहीं है कि खालिस्तानी अतिवादियों को उदार पश्चिमी देशों में शरण मिल रही है, बल्कि यह भी है कि वहां की सरकारें इस खतरे की अनदेखी करने में लगी हैं। इस पूरे फसाद की जड़ वही पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई है, जो दशकों से विदेशी धरती पर खालिस्तान समर्थकों को तैयार करने में सक्रिय रही है। यह मामला गिने-चुने सिरफिरे खालिस्तानी कट्टरपंथियों का नहीं, बल्कि भारत के विरुद्ध एक बड़ा विदेशी षड्यंत्र का है। इसे समय रहते ही कुचलना होगा। अगर ऐसा नहीं किया गया तो न केवल एक बार फिर पंजाब में कानून एवं व्यवस्था का प्रश्न खड़ा होगा बल्कि देश की एकता व अखंडता पर भी आंच आएगी। पश्चिमी देशों में रचे जा रहे इस भारत विरोधी प्रपंच से सख्ती से निपटा जाना समय की मांग भी है। हमें ऐसे देशों से दो टूक बात करने होगी जो हमारे दुश्मनों के सहायक बने हुए हैं। इन्हें बताना होगा कि ऐसे तत्वों को शरण देना बंद नहीं किया तो भारत क्या कर सकता है। आज हम दुनिया की सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था हैं। अगर ऐसे देशद्रोहियों न कुचला तो विकसित भारत का संकल्प अधूरा रह जाएगा।

नई सरकार

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

निर्यात बढ़ाने की चुनौती

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई सरकार के सामने दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं में घटते व्यापार के बीच भारत के वैश्विक व्यापार को बढ़ाना एक बड़ी चुनौती है। ऐसे में नई सरकार के द्वारा पड़ोसी देशों सहित दुनिया के विभिन्न देशों को निर्यात बढ़ाने की नई रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। देश के विदेश व्यापार को नई दिशाएं देनी होंगी। वस्तुतः इस समय वैश्विक सुस्ती के बीच दुनिया में केवल उन देशों के विदेश व्यापार का ग्राफ बढ़ रहा है, जहां मजबूत सरकारों ने विदेश व्यापार की चुनौतियों के बीच अपने देश के अनुकूल विदेश व्यापार बढ़ाने के रणनीतिक कदम उठाए हैं। नई गठबंधन सरकार को ऐसे देशों की तरह लगातार रणनीतिक प्रयास करते रहने होंगे।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई सरकार ने पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंधों और बेहतर व्यापार की नई संभावनाओं का पहला कदम 9 जून को नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में पड़ोसी देशों के शीर्ष सात नेताओं को ससम्मान शामिल करके आगे बढ़ा दिया है। इन देशों में बांग्लादेश, श्रीलंका,नेपाल, मालदीव, सेशेल्स,भूटान तथा मॉरीशस शामिल हैं। निःसंदेह पिछले एक दशक में भारत ने पड़ोसी देशों के साथ कारोबार बढ़ाने के लिए पड़ोसी प्रथम नीति (नेबरहुड फर्स्ट), दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों (आसियान) के साथ एक्ट ईस्ट नीति और प्रमुख देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते करने की रणनीति सहित नई विदेश व्यापार नीति 2023 लागू की है। जिसके बेहतर परिणाम मिले हैं।

निश्चित रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई गठबंधन सरकार को विदेश व्यापार की इन विभिन्न रणनीतियों को बदलते हुए वैश्विक व्यापार के नए दौर के अनुरूप सुधारों के साथ आगे बढ़ाना होगा। इसमें कोई दो मत नहीं है कि भारत के विदेश व्यापार में लगातार वृद्धि के साथ निर्यात की ऊंचाइयां भी बढ़ती गई है। हाल ही में वाणिज्य मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में भारत से माल एवं सेवाओं का कुल निर्यात 776.68 अरब डॉलर रहा, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 776.40 अरब डॉलर रहा था। जहां पिछले वित्त वर्ष में कुल आयात 854.80 अरब डॉलर का रहा, वहीं वर्ष 22-23 में कुल आयात 898 अरब डॉलर मूल्य का रहा था। ऐसे में पिछले वित्त वर्ष में आयात में कमी से कुल व्यापार घाटे में 36 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि देश की प्रभावी सरकार के दम पर ही पश्चिमी देशों के दबाव के बावजूद भी भारत ने रूस से डिस्काउंट पर कच्चे तेल का आयात करना जारी रखा और कच्चे तेल की रणनीतिक खरीदी से भारत ने वित्त वर्ष 2022-23 में करीब 5 अरब डॉलर और 2023-24 में करीब 8 अरब डॉलर की बड़ी बचत की। अब नई गठबंधन सरकार को इस बात पर ध्यान देना होगा कि विदेश व्यापार मोर्चे पर पिछले कई वर्षों से डब्ल्यूटीओ द्वारा प्रभावी भूमिका नहीं निभाए जाने से अपने विदेश व्यापार को बढ़ाने के कई अन्य कदम तेजी से आगे बढ़ाए जाने होंगे। गौरतलब है कि डब्ल्यूटीओ की स्थापना 1 जनवरी, 1995 को की गई थी। इसे दूसरे विश्वयुद्ध की समाप्ति के बाद एक परिवर्तनकारी वैश्विक आर्थिक-

व्यापार सुधार कहा गया था। वस्तुतः डब्ल्यूटीओ क तहत जनरल एग्रीमेंट ऑन टैरिफ्स ऐंड ट्रेड (जीएटीटी) का विस्तार करते हुए सेवाओं और बौद्धिक संपदा को व्यापार में शामिल कर दिया गया था। गरीब और विकासशील देशों को यह विश्वास बना था कि उन्हें डब्ल्यूटीओ की छतरी के नीचे विकास के अच्छे मौके मिलेंगे, लेकिन बहुपक्षीय समझौतों पर प्रगति नहीं होने से डब्ल्यूटीओ के देशों में लगातार हताशा बढ़ी है और वैश्विक व्यापार में धीमापन आने लगा है। ऐसे में भारत के लिए विदेश व्यापार बढ़ाने के प्रयासों को तेजी से बढ़ाना जरूरी है।

यद्यपि पाकिस्तान के रवैये ने दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र (साफ्टा) को दक्षिण एशिया में आंतरिक क्षेत्रीय व्यापार को बढ़ावा देने से रोक दिया है, मगर भारत ने द्विपक्षीय व्यापार संधियों और समझौतों से छोटी अर्थव्यवस्थाओं के साथ विदेश व्यापार और निर्यात रणनीति को सकारात्मक विकल्प दिए हैं। इसके अलावा भारत ने अपनी तरफ से दक्षिण एशिया सहित सबसे कम विकसित देशों को एकतरफा शुल्क मुक्त एवं शुल्क तरजीह योजना की पेशकश की है। भारत-आसियान व्यापार भी बढ़कर वर्ष 2022-23 में 131.58 अरब डॉलर हो गया है। ऐसे में अब नई गठबंधन सरकार को आसियान देशों में निर्यात की नई रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। उल्लेखनीय है कि जहां एक ओर 15 नवंबर, 2020 को अस्तित्व में आये दुनिया के सबसे बड़े ट्रेड समझौतें रीजनल कांप्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप (आरसेप) में भारत ने अपने आर्थिक व कारोबारी हितों के मद्देनजर शामिल होना उचित नहीं समझा वहीं आरसेप से दूरी के बाद भारत एफटीए की डगर पर आगे बढ़ने की नई सोच के साथ आगे बढ़ा है। इस समय भारत विदेश व्यापार नीति को नया मोड़ देते हुए दुनिया के प्रमुख देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते की डगर पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत ने अब तक तीन एफटीए किए हैं। भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच मई 2022 में लागू द्विपक्षीय कारोबार में पिछले दो वर्षों में 15 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है।

अब प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल में दुनिया के कई विकसित और विकासशील देशों के साथ भारत के मुक्त व्यापार समझौतों की नई संभावनाएं उभर कर दिखाई दे रही हैं। दुनिया के जी-20 देशों में भारत की नई अहमियत और दुनिया में मजबूत लोकतंत्र और मजबूत सरकार के रूप में भारत की पहचान भारत के विकास को तेज रफ्तार दे रही है। ये सारी बातें भारत के लिए नए एफटीए की नई संभावनाओं की बड़ी आधार हैं। निश्चित रूप से 2024 में जब वैश्विक व्यापार में आर्थिक निराशाओं का दौर बढ़ रहा है, तब भारत को प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल में अपने रिकॉर्ड विदेश व्यापार और रिकॉर्ड निर्यात का स्तर बनाए रखने के लिए कुछ और रणनीतिक कदम उठाने होंगे। भारत के लिए पड़ोसी देशों, आसियान देशों के साथ विदेश व्यापार बढ़ाने के साथ निर्यात पक्ष को पूरी तरह ध्यान से रखते हुए मुक्त व्यापार समझौतों पर अधिक यकीन करना होगा। भारत के द्वारा ओमान, ब्रिटेन, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, इजरायल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल और यूरोपीय संघ के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप देने की डगर पर आगे बढ़ना होगा। नई गठबंधन सरकार के द्वारा निर्यात की बढ़ती हुई वैश्विक संभावनाओं को मुट्ठी में लेने के लिए तेजी से आगे बढ़ना होगा। नई सरकार चाहिए कि पिछले वर्ष जी-20 में जिस 55 देशों वाले अफ्रीकी संगठन को जी-20 की स्थायी सदस्यता दिलाई जाने में भारत के द्वारा अहम भूमिका निभाई गई है, उन देशों में निर्यात बढ़ाने होंगे।

हम उम्मीद करें कि नई गठबंधन सरकार रणनीतिक प्रयासों से वैश्विक व्यापार और निर्यात चुनौतियों से होने वाले प्रतिकूल प्रभावों से देश को बचाते हुए वर्ष 2030 तक 2 लाख करोड़ डॉलर के निर्यात लक्ष्य को प्राप्त करने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ते हुए दिखाई देगी।

विडंबना

शिशिर शुक्ला

कब रुकेगी परीक्षाओं में धांधली

हाल ही में आयोजित हुई नीट परीक्षा विवादों के घेरे में है। देश के 571 शहरों के 4750 परीक्षा केंद्रों पर नीट यूजी का आयोजन विगत 5 मई को किया गया था। परीक्षा का परिणाम 4 जून को घोषित किया गया। परिणाम आने के बाद परीक्षार्थियों के द्वारा परीक्षा परिणाम में धांधलेबाजी का आरोप लगाते हुए यह तर्क दिया गया कि परिणाम में 67 अभ्यर्थियों को शीर्ष रैंक के साथ 720 में से पूरे पूरे 720 अंक प्राप्त हुए हैं। खास बात तो यह है कि इसमें हरियाणा के एक ही परीक्षा केंद्र के छह अभ्यर्थी शामिल हैं। एनटीए के द्वारा परीक्षा में किसी भी प्रकार की अनियमितता का खंडन करते हुए कहा गया है कि परीक्षा केंद्रों में समय जाया होने के कारण हुई परीक्षा में देरी के कारण 1563 अभ्यर्थियों को ग्रेस मार्क्स दिए जाने के कारण अप्रत्याशित परिणाम आया है। एनटीए का यह भी कहना है कि

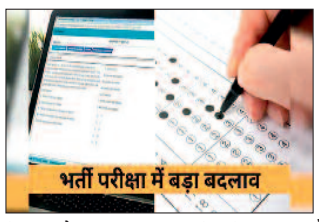

परीक्षार्थियों को कृपांक परीक्षा के नियमों के अनुसार ही दिया गया है। सवाल यह उठता है कि आखिरकार ऐसी स्थिति क्यों बनी कि छह केंद्रों पर परीक्षार्थियों को कम समय मिल पाया। कारण यह बताया जाता है कि पहले प्रश्न पत्र गलत वितरित हुआ और उसके बाद जब तक सही प्रश्न पत्र वितरित किया गया तब तक काफी देर हो चुकी थी। प्रश्नपत्र के गलत वितरित होने पर किसको दोषी ठहराया जाना चाहिए। क्यों परीक्षा केंद्रों पर सारी व्यवस्थाएं पुख्ता नहीं थीं। यह तो सर्वथा अनुचित है कि परीक्षा केंद्र के द्वारा बरती गई अनियमितताओं की भरपाई अभ्यर्थियों को कृपांक देकर कर दी जाए। क्या कहीं न कहीं यह बाकी अभ्यर्थियों के साथ अन्याय नहीं होगा। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के द्वारा गहन स्तर पर जांच करके उन कारणों को जानने का प्रयास क्यों नहीं किया गया जिनकी वजह से परीक्षार्थियों को परीक्षा हेतु कम समय मिलने जैसी स्थितियां उत्पन्न हुईं। सर्वप्रथम तो ऐसे परीक्षा केंद्रों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जानी चाहिए। हाल ही में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन जूनियर डॉक्टर नेटवर्क के द्वारा परीक्षा में अनियमिताओं की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो के द्वारा कराए जाने की मांग की गई है। नीट जैसी परीक्षा में इस तरह की गड़बड़ियों का पाया जाना निश्चित रूप से पूरे देश के परीक्षा तंत्र को प्रश्न चिन्हों के घेरे में खड़ा कर देता है। महज प्रश्न पत्र गलत वितरित हो जाने की वजह से हुई परीक्षा में देरी के आधार पर परीक्षार्थियों को कृपांक दे दिया जाना अनुचित है क्योंकि इसका सीधा-सीधा नकारात्मक प्रभाव उन अभ्यर्थियों पर पड़ रहा है जो कि इस दायरे से बाहर थे। इस बात की क्या गारंटी है कि समय कम मिलने की वजह से उन 1563 अभ्यर्थियों के जो प्रश्न छूट गए थे, पूरा समय मिल जाने पर वे उन प्रश्नों को बिल्कुल ठीक-ठीक हल कर लेते। क्या इन स्थितियों के लिए पूर्णतया परीक्षा केंद्र उत्तरदायी नहीं हैं। आखिरकार ऐसे केंद्रों के हवाले परीक्षा कर देने से पहले किस स्तर पर आकलन एवं परीक्षण किया गया था।

अनासक्त हुए बिना करे दूसरों की भलाई

संकलित

दर्शन

यह सोचना भूल है कि हमने संसार का भला किया। इस विचार से दुख उत्पन्न होता है। हम किसी की सहायता करने के बाद सोचते हैं कि वह हमें इसके बदले में धन्यवाद दे, पर वह धन्यवाद नहीं देता, तो हमें दुख होता है। हम जो कुछ भी करें, उसके बदले में किसी चीज की आशा क्यों रखें? बल्कि उल्टे हमें उसी के प्रति कृतज्ञ होना चाहिए, जिसकी हम सहायता करते हैं, उसे साक्षात नारायण मानना चाहिए। मनुष्य की सहायता द्वारा ईश्वर की उपासना करना क्या हमारा परम सौभाग्य नहीं है? यदि हम वास्तव में अनासक्त हैं, तो हमें यह प्रत्याशा जनक कष्ट क्यों होना चाहिए? अनासक्त होने पर तो हम प्रसन्नतापूर्वक संसार में भलाई कर सकते हैं। अनासक्त किए हुए कार्य से कभी भी दुख अथवा अशांति नहीं आएगी। यदि हम यह जान लें कि आसक्ति रहित होकर किस तरह कर्म करना चाहिए, तभी हम दुराग्रह और मतांधता से परे हो सकते हैं। जब तुम दुराग्रह और मतांधता से परे हो जाओगे, तभी अच्छी तरह कार्य कर सकोगे। जो ठंडे मस्तिष्क वाला और शांत है, जो उत्तम ढंग से विचार करके कार्य करता है, जिसके स्नायु सहज ही उत्तेजित नहीं होते तथा जो अत्यंत प्रेम और सहानुभूति संपन्न है, केवल वही व्यक्ति संसार में परोपकार कर सकता है और इस तरह वह अपना भी कल्याण कर सकता है। यह संसार चरित्र गठन की एक विशाल व्यायामशाला है। इसमें हम सभी को अभ्यास रूप में कसरत करनी पड़ती है, जिससे हम आध्यात्मिक बल से अधिकाधिक बलवान बनते रहें।

भक्ति करने का मतलब ये नहीं कि दुख नहीं आएंगे

संकलित

प्रेरणा

महाभारत युद्ध के बाद का किस्सा है। पांडवों ने कौरवों को हरा दिया था और युधिष्ठिर राजा बन गए थे। उस समय भीष्म पितामह बाणों की शय्या पर लेटे हुए थे और प्राण त्यागने के लिए सूर्य के उत्तरायण होने की प्रतीक्षा कर रहे थे। भीष्म के पूरे शरीर पर तीर लगे हुए थे। एक दिन श्रीकृष्ण पांडवों के साथ भीष्म से मिलने पहुंचे। श्रीकृष्ण ने भीष्म से कहा कि आप पांडवों को राजधर्म का ज्ञान दें, ताकि ये अपना राज-पाठ अच्छी तरह चला सके। बातचीत करते समय पांडवों ने देखा कि भीष्म पितामह की आंखों में आंसू आ गए थे। पांडवों को इस बात की हैरानी हुई कि भीष्म पितामह जैसे महारथी को भी मृत्यु का डर सता रहा है, इस वजह से इनकी आंखों में आंसु आ गए हैं। जबकि इन्हें तो इच्छामृत्यु का वरदान मिला हुआ है। पांडवों के मन की बात समझकर श्रीकृष्ण ने भीष्म पितामह से पूछा कि आपकी आंखों में आंसू क्यों हैं? श्रीकृष्ण का प्रश्न सुनकर भीष्म ने कहा कि आप तो सब कुछ जानते हैं, मैं पांडवों को भी बता देता हूं। मेरी आंखों में आंसू पांडवों को देखकर आ गए। पांडवों पुत्रों के साथ स्वयं श्रीकृष्ण साथ हैं। फिर भी इनके जीवन में लगातार दुख आते रहे। कदम-कदम पर पांडवों के जीवन में मुश्किलें आईं। इन्हें देखकर मुझे समझ आया कि अगर हमारे भगवान हैं, तब भी इसका मतलब ये नहीं है कि हमारे जीवन में दुख नहीं आएंगे। दुख तो आएंगे, लेकिन भगवान की मदद से हम दुखों का सामना पूरे साहस के साथ कर पाते हैं। भक्ति करेंगे तो भगवान हमें दुखों से लड़ने का साहस देंगे।

अंतर्मन

आज की पाती

बाल श्रम का कलंक कैसे मिटेगा?

12 जून को बाल श्रम निषेध दिवस मनाया जाएगा। बच्चों को बाल श्रम के दुष्प्रभावों से बचाने और लोगों को इसके प्रति जागरूक करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। कोई भी गरीब माता-पिता नहीं चाहता होगा कि उनके बच्चे छोटी उम्र में दिहाड़ी मजदूरी करें, लेकिन मजबूरी मजदूरी करवाने के लिए विवश कर देती है। जिनके बाप गलत आदतों के शिकार हैं, वे अपने छोटे-छोटे बच्चों को मजदूरी करने के लिए मजबूर भी करते होंगे। बहुत ही अफसोस और शर्मनाक है कि आज आजाद भारत में छोटे छोटे बाल गरीबी के कारण मजदूरी करने को विवश हैं। आज भारत की बच्चों के कुपोषण के मामले में स्थिति कोई खास अच्छी नहीं है। गरीब लोग भी अपने बच्चों के भविष्य के लिए सुनहरी सपने देखते हैं, लेकिन गरीबी के कारण कुछ लोगों के सपने चकनाचूर हो जाते हैं।

- मोहित पाठक, रायगढ़

ट्रेंड

बाल श्रम के खाते को प्रतिबद्ध

विश्व बालश्रम निषेध दिवस पर, आइए बाल श्रम को समाप्त करने और एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लें जहां हर बच्चा अपने बचपन का आनंद ले सके। हम बाल श्रम को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

-मनसुख मंडाविया, केंद्रीय मंत्री

बाल श्रम

भले ही आज हम बालश्रम के खिलाफ विश्व दिवस मनाते हैं, लेकिन जो बात परेशान करती है वह यह है कि हमने बच्चों को विफल कर दिया है। उचित धन, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा और कानून प्रवर्तन उपायों की तत्काल आवश्यकता है।

-कैलाश सत्यार्थी, नोबेल विजेता

मेरे भगवान गरीब लोग

भारत के लोगों ने कहा है-प्यार ने नफरत को हरा दिया है। मोदी जी के पास अजीब "परमात्मा" है जो उन्हें अडानी-अंबानी के पक्ष में निर्णय लेने के लिए मार्गदर्शन करता है। मैं एक 'जैविक' इंसान हूं। मेरे भगवान भारत के गरीब लोग हैं। मैं वही करता हूं जो आप मुझे कहते हैं।

-राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

बच्चों का जीवन बर्बाद हो रहा

इस देश के करोड़ों मां बाप दिन रात मेहनत करके अपने बच्चों को पढ़ाते है, बच्चे पूरी मेहनत से परीक्षा की तैयारी करते हैं, मगर देश की सरकार इनका दर्द समझने को तैयार नहीं है। पेपर लीक के कारण करोड़ों बच्चों का जीवन बर्बाद हो रहा है।

-संजय सिंह, आप सांसद

करंट अफेयर

नोबल विजेता यूनुस व अन्य पर गबन के आरोप तय

बांग्लादेश में एक विशेष न्यायाधीश की अदालत ने 20 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक राशि के गबन मामले में नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस और 13 अन्य पर बुधवार को आरोप तय किये। गरीब लोगों, विशेष रूप से महिलाओं की मदद करने के लिए सूक्ष्म ऋण की शुरुआत करने के लिए वर्ष 2006 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित 83 वर्षीय यूनुस ने खुद को निर्दोष बताया। फिलहाल यूनुस जमानत पर बाहर हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी उन्हें और उनके अन्य सहयोगियों को 'परेशान' कर रहे हैं। उन्होंने किसी भी भ्रष्टाचार में शामिल होने से इनकार किया।

ऑफ बीट

हरियाली देखने भर से ठीक होता है मानसिक स्वास्थ्य

यह तेजी से स्पष्ट होता जा रहा है कि प्रकृति में समय बिताने से हमारे मानसिक स्वास्थ्य और खुशहाली को फायदा हो सकता है। लेकिन मेरे सहकर्मियों और मेरे द्वारा किए गए एक नए अध्ययन से पता चलता है कि यह लाभ हासिल करने के लिए आपको वास्तव में प्रकृति में रहने की ज़रूरत नहीं है। किसी शहर के मध्य में भी, केवल प्राकृतिक तत्वों की ओर अपना ध्यान केंद्रित करने से भी खुशहाली बढ़ सकती है। शहरी जीवन, अपनी तेज़ गति और तनाव के उच्च स्तर के साथ, चिंता और अवसाद सहित कई मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों से जुड़ा हुआ है। प्रतिभागियों को बेतरतीब ढंग से तीन समूहों में बांटा गया

संक्षेप

जानवरों अपशिष्ट को खुले स्थान व कूड़ादान में न डालेः ईओ

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। अधि.अधि. नगर पालिका परिषद बहराइच प्रमिता सिंह ने नगर वासियों से अपील की है कि ईदुज्जुहा (बकरीद) के अवसर पर परम्परागत रूप से तीन दिनों तक चलने वाली कुबार्नी के दौरान जानवरों के अपशिष्ट को भीषण गर्मी एवं जनस्वास्थ्य के दृष्टिगत खुले स्थान अथवा नगरपालिका के कूडादान में न डालें। अधि.अधि. श्रीमती सिंह ने बताया कि अपशिष्ट को नगरपालिका द्वारा कूडा वाहन की ट्राली में एकत्रित कराया जायेगा। इसलिए कुबार्नी के बाद जानवरों के अपशिष्ट को अपने घरों में ही रखें तथा नगरपालिका के सफाई वाहन के पहुंचने पर वाहन की ट्राली में अपशिष्ट को डलवाकर नगरपालिका का सहयोग करें।

अयोध्या में सिपाही की पत्नी ने किया सुसाइड

राम मंदिर की सुरक्षा में तैनात है, डेढ़ साल पहले हुई शादी; दोनों चल रहा था झगड़ा

अयोध्या, रामजन्मभूमि की सुरक्षा में तैनात सिपाही की पत्नी ने फांसी लगाकर जान दे दी। मकान मालिक ने कॉन्स्टेबल को फोन करके बताया कि बेल बजाने पर भी पत्नी दरवाजा नहीं खोल रही है। अंदर से आकर देख लें। आरोप है कि भूमि को मारकर लटका दिया गया। कांस्टेबल प्रशांत अवस्थी जो राम जन्मभूमि सुरक्षा तैनात हैं। उसका परिवार कोतवाली अयोध्या अंतर्गत नया घाट पुलिस चौकी पर रहता था। मकान मालिक रामशरण दुबे की ओर से दी गई सूचना पर तत्काल नया घाट से उप निरीक्षक अशोक कुमार और चीता मोबाइल द्वारा मौके पर जाकर देखा गया, तो कांस्टेबल प्रशांत की पत्नी ने फांसी लगा ली थी। पुलिस के अनुसार पति-पत्नी में पहले भी विवाद होते रहे हैं। यह बात मृतका भूमि अवस्थी (22 साल) के पिता ने बताई। बताया जा रहा कि इनमें तीन दिन से विवाद चल रहा था, जिसके कारण मेरी बेटी ने आत्महत्या कर ली। मृतका के औरैया के रहने वाले परिवारजनों को बता दिया गया है। पुलिस के अनुसार भूमि अवस्थी और परिजनों की ओर से औरैया के महिला थाने में प्रशांत अवस्थी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। आपसी सुलह करके 15 दिन पहले प्रशांत अवस्थी भूमि को अयोध्या लेकर आए थे।

हापुड़ में मां ने बेटे के साथ किया सुसाइड

हापुड़, हापुड़ कोतवाली इलाके के मोहल्ला मजीदपुरा में एक महिला ने जहर खाकर पांच वर्षीय पुत्र के साथ आत्महत्या कर ली। मामले की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार मोहल्ला मजीदपुरा निवासी शाहनवाज टीवी की बीमारी से ग्रस्त था। वह ऑटो चलाकर परिवार पालता है।

पूर्वांचल विकास बोर्ड के सदस्य ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण

स्वास्थ्य सेवाओं व सुविधाओं का शत प्रतिशत आम जनता को मिले लाभ

अमन लेखनी समाचार/फैजान

कैसरगंज, बहराइच। पूर्वांचल विकास बोर्ड के सदस्य श्री बौद्ध अरविंद सिंह पटेल ने शनिवार की सुबह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गहन निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपस्थिति पंजिका, ओपीडी इमरजेंसी तथा वार्डो का भी निरीक्षणख किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने चिकित्सालय में भर्ती मरीजों से मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं की भी जानकारी ली।उन्होंने चिकित्सालय में भर्ती मरीज रमेश से पूछा कि किसी तरह की धन उगाही तो नहीं की जा रही है। उन्होने चिकित्सालय की साफ सफाई और बेहतर ढंग से कराने के लिए निर्देशित किया।उन्होने कोल्ड चेन का भी निरीक्षण किया।उन्होने कोल्ड चेन मे मौजूद प्रतिरक्षण अधिकारी संगीता श्रीवास्तव से स्टाक व दवाओ के रखरखाव की जानकारी ली।वंहा की व्यवस्थाओ पर उन्होने सन्तोष व्यक्त किया तथा उनके द्वारा बेहतर ढंग से किये जा रहे कार्यो की प्रशंसा की। उन्होने एक्सरे रूम, पैथोलॉजी, के निरीक्षण के साथ साथ दवाओ की उपलब्धता की भी जानकारी ली। श्री पटेल ने सीएचसी परिसर में स्थित महिला मैटर्निटी विंग का भी निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने लेबर रूम, पैथोलोजी वह ब्लड बैंक का भी निरीक्षण किया।उन्होने चिकित्सालय मे समय समय पर ब्लड डोनेशन कैम्प लगवाने के लिए भी निर्देशित किया जिससे ब्लड बैंक मे खून की कमी न होने पाये। श्री पटेल ने चिकित्सालय में कराई की डिलीवरी के बारे मे मरीजों के घर फोन करके जानकारी ली कि चिकित्सालय में किसी प्रकार का धन तो नहीं लिया जा रहा है या दवाये बाहर से लिखी जा रही हैं। सकारात्मक जवाब मिलने पर व व्यवस्थाओं से संतुष्ट दिखाई दिए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के लिए लगातार प्रयासरत है उसमें सभी का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने अधीक्षक डा0 एन0के0सिंह को निर्देशित किया कि चिकित्सालय में सरकार द्वारा प्रदत्त सभी स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराई जाए। उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के पश्चात उन्होंने तहसील सभागार कैसनगंज पहुंचकर जन समस्याएं सुनी तथा एसडीएम पंकज दीक्षित व पुलिस क्षेत्राधिकारी रूपेंद्र गौड को प्रार्थना पत्र के निस्तारण के लिए निर्देशित किया। इसके पश्चात पूर्वांचल विकास बोर्ड के सदस्य श्री पटेल ने नगर पंचायत कैसरगंज के कार्यालय का भी निरीक्षण किया ।निरीक्षण के दौरान उन्होंने विकास कार्यों में और तेजी लाने के लिए निर्देशित किया।स्टाफ की कमी मिलने पर उन्होंने इस समस्या से शीघ्र ही निजात दिलाने के लिए उच्च अधिकारियों से बातचीत कर समस्या का निदान कराया जाने का भी आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि कैसरगंज में जल निकासी की समस्या गंभीर है। इसका तत्काल निराकरण कराया जाए।इस मौके पर अधीक्षक डा.एन.के.सिंह डा.बी.के.सिंह, डा0 बीडी वर्मा, नायब तहसीलदार बृजेश कुमार, उत्कर्ष राजूत आदि मौजूद रहे।

सुलतानपुर में दबंगों से महिला परेशान

- पुश्तैनी जमीन पर कर रहे कब्जा, बोले- कुछ साल मुकदमा चलेगा होगा कुछ नहीं, एसपी से शिकायत

अमन लेखनी समाचार

सुलतानपुर, भू-माफियाओं पर जिले का प्रशासन व तहसील स्तर पर अधिकारी कितने सख्त हैं इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि एक पीड़िता एक माह के अंदर चार प्रार्थना पत्र डाल चुकी है।लेकिन दबंगों से उसे निजात नहीं मिली। मामला हलियापुर थानाक्षेत्र के कस्बे से जुड़ा है। कस्बा निवासी मैमून जहां पत्नी इतबार खां चार बेटियों के साथ रहती हैं।उन्होंने एसपी सुलतानपुर से मिलकर शिकायत की है। पीड़िता ने बताया कि गांव में उसकी पुश्तैनी जमीन है।जिस पर नीम, बरगद, गूलर व बेर के पेड़ लगे हैं।इसी जमीन पर सगे भाई चंद्रसेन सिंह, उग्रसेन सिंह और गोली सिंह कब्जा करना चाह रहे हैं।दबंगों ने यहां पेड़ों को कटवा दिया है। अब जमीन पर अवैध रूप से काम करा रहे हैं।एक माह से दबंग रोज परेशान कर रहे हैं। जिस पर थाने, डीएम, एसडीएम से शिकायत की।एसडीएम ने सीओ और एसओ को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। इतनी शिकायत के बाद भी दबंगों ने अब अवैध रूप से नींव खोद दी। मना करने पर गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी। दबंग कह रहे डीएम-एसडीएम के यहां कहीं जाओ, दस-बीस साल मुकदमा चलेगा लेकिन कुछ होगा नहीं।एसपी ने मदद का आश्वासन दिया है।

उर्स मुबारक बड़ी धूमधाम व हकीकत के साथ मनाया गया

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। नगर के मोहल्ला सय्यदवाड़ा में स्थित मशहूर दरगाह खानकाहे आलिया कादरिया यासीनिया में हजरत सैयद मखदूम यासीन शाह कादरी रह०अलै० का 264 वां उर्स मुबारक बड़ी धूमधाम व अकीदत के साथ मनाया गया। मशहूर दरगाह खानकाहे आलिया कादरिया यासीनिया (हजरत बाकर मियां साहब की दरगाह) में यहां के सज्जादानशी हजरत सय्यद अतहर शाह कादरी उर्फ अत्तु मियां साहब की सरपरस्ती व हजरत सय्यद गयासुद्दीन उर्फ मौसी मियां साहब की जेरे निगरानी में बीती बृहस्पतिवार की रात में जलसा ईद मिलादुन्नबी मनाया गया। जिसमें नगर व क्षेत्र के अलावा काफी दूर-दूर के लोगों ने भी शिरकत की। उसके बाद शुक्रवार की रात में बाद नमाज इशा दरगाह में गागर उठाई गई। गागर के बाद महफिले समा (कव्वाली) का बेहतरीन प्रोग्राम हुआ। जिसमें देश के जाने माने मशहूर कव्वाल अब्दुल कादिर रहमती व नादिर रहमती ने अपने बेहतरीन कलाम सुनाकर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। महफिले समा (कव्वाली) के बाद कुल शरीफ की फातिहा हुई जिसमें मुल्क में अमन-चैन, तरक्की, भाईचारा व खुशहाली की दुआएं मांगी गई। इस मौके पर सफीपुर की मशहूर दरगाह के सज्जादानशी हजरत नवाजिश मोहम्मद फारूकी उर्फ समदी मियां साहब, हाफिज व मौलाना अब्दुल मुबीन, हाफिज जीशान, हाफिज सरताज, मौलाना नफीस, सलमान बिल्हौर, कलीम मौदहा, इकराम अली, हसीन अहमद, व समाजसेवी फजलुर्रहमान सहित काफी संख्या में हकीदतमंद मौजूद रहे।

रूपईडीहा में पीने के पानी के लिए तरस रहे लोग

करोड़ों खर्च फिर भी जल जीवन मिशन योजना का नहीं मिल रहा लाभ

अमन लेखनी समाचार/मो. कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। केंद्र सरकार व राज्य सरकार देश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले परिवारों को घर में पानी की सुविधा उपलब्ध करवाना चाहती है। देश में अगस्त 2019 से जल जीवन मिशन शुरू हुआ था। प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से कहा था, आने वाले दिनों में जल जीवन मिशन को लेकर आगे बढ़ेंगे।इस उद्देश्य से सरकार ने करोड़ो की लागत से इंडो नेपाल सीमा क्षेत्र रूपईडीहा में पानी की टंकी का निर्माण कराया था लेकिन विभागीय उदासीनता की वजह से पानी की टंकी शोपीस बन कर रह गई है।विभागीय अधिकारियों ने जल जीवन मिशन योजना का मजाक बना दिया है। निर्माण के कई साल बीत जाने के बाद भी टंकी से पानी की सप्लाई चालू नही हो सकी है। यहां के लोगों को पेयजल के लिए काफी जद्दोजहद करना पड़ रहा है। पूर्व में बहराइच के जिलाधिकारी रहे डॉ दिनेश चंद्र ने रूपईडीहा में बॉर्डर डेवलप प्रोग्राम संवाद कार्यक्रम में पेयजल सप्लाई को लेकर बिफर गए थे। डीएम ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से कहा था कर क्या रहे हो जब रूपईडीहा में पानी की टंकी का निर्माण हो चुका है तो उसके बाद क्षेत्र के लोगो को पानी की सप्लाई क्यों नहीं चालू की जा रही है। ये क्या मेरा काम है अगर एक माह में सप्लाई चालू नही हुआ और मेरे पास शिकायत आई तो तुम लोग नहीं रहोगे। क्या वाटर सप्लाई मैं देखूंगा, क्या ये डीएम का काम है। जिसके बाद लोगो में आस जगी थी कि जल्द ही रूपईडीहा में वाटर सप्लाई चालू हो जायेगी। लेकिन जिलाधिकारी का ट्रांसफर हो गया और वाटर सप्लाई फिर अधर में लटक गई। बताते चले इस भीषण गर्मी में पानी के स्तर नीचे चले जाने से नगर के कई वार्डों में पानी की किल्लत हो रही है। हैंडपम्प पानी बहुत ही कम दे रहा है। स्थानीय प्रदीप वर्मा, धर्मेंद्र कुमार मदेशिया, अवधेश कुमार रामकुमार कश्यप, राजू कश्यप, चंद्रिका प्रसाद, दिलीप कुमार, रत्नेश जायसवाल, हरिश्चंद्र ,सुमन, नंदकुमार, पवन पटेल, रीता जयसवाल, वसी अहमद ने कहा कि निर्माण के कई साल बाद भी टंकी से कभी पानी नहीं आया। विभागीय अधिकारी आते हैं और चले जाते हैं कुछ नहीं हुआ। इसलिए उच्च अधिकारियों से मांग की जा रही है कि जल्द से जल्द क्षेत्र में टंकी से सप्लाई करवाकर स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था कराई जाए।

पानी टैंकर से स्वच्छपेयजल की व्यवस्था कराई जा रही है। ईओ रंग बहादुर सिंह ने बताया कि जल संकट को लेकर कहा कि भीषण गर्मी का असर भी अब दिखने लगा है। गर्मी में क्या इंसान, क्या पशु-पक्षी सबको पानी की सबसे ज्यादा जरूरत पड़ती है। ऐसे में भीषण गर्मी को लेकर नगर पंचायत के द्वारा शुद्ध पेयजल की व्यवस्था पानी टैंकर से की जा रही है। जल्द पानी का टैंकर नगर पंचायत के लिये खरीदा जायेगा।

नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ उमाशंकर वैश्य का कहना है कि विभाग की नाकामी है। करोड़ों खर्च होने के बाद भी पानी नहीं मिलना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। सालों पहले बनी पानी की टंकी विभाग द्वारा हैंड ओवर तक नहीं की गई हैं। नगर पंचायत की ओर से लगातार टंकी से पानी की सप्लाई को लेकर प्रयास किया जा रहा है। समस्या के समाधान के लिये उच्च अधिकारियों के सम्मुख पूरे मामले को रखा जायेगा। फिलहाल पेयजल संकट को देखते हुई त्वरित नानपारा से टैंकर मँगाकर पेयजल की व्यवस्था कराई जा रही है।

सुल्तानपुर में टला बड़ा हादसा

- अनियंत्रित ट्रैक्टर ट्रॉली पिलर तोड़ते हुए मार्केट में घुसी, दुकान पर सामान खरीद रहे ग्राहकों समेत 4 घायल

अमन लेखनी समाचार

सुलतानपुर, सुल्तानपुर के कुड़वार बाजार में बड़ा हादसा टल गया है।यहां बांसी जुडैयापुर गांव के पास एक अनियंत्रित ट्रैक्टर पिलर तोड़ता हुआ मार्केट के बरामदे जा घुसा। दुकान पर सामान ले रहे दो ग्राहकों व दो राहगीरों को ट्रैक्टर ने रौंद दिया। जिसमें सभी बुरी तरह घायल हुए हैं। पुलिस ट्रैक्टर ट्रॉली को कब्जे में लेकर कार्रवाई में जुट गई है। जानकारी के अनुसार सुल्तानपुर-हलियापुर सड़क मार्ग पर कुड़वार थाना क्षेत्र के बांसी जुडैयापुर गांव में यह हादसा हुआ। जहां एक मार्केट में कई दुकानें हैं। जहां एक अनियंत्रित ट्रैक्टर मार्केट के पास से तेज गति से गुजरा।एकाएक ट्रैक्टर मार्केट में जा घुसा। स्थानीय लोगों की माने तो ट्रैक्टर की स्पीड इतनी थी कि मार्केट के पिलर को तोड़ते हुए ट्रैक्टर ट्रॉली दुकान में घुसी थी। वहां दुकान पर सामान खरीद रहे सुखवीर निषाद व दशरथ निषाद निवासी भंडरा परशुरामपुर ग्रामसभा पूरे राम दयाल दूबे थाना कुड़वार को रौंदा।वही ट्रैक्टर की टक्कर से राहगीर रजत उपाध्यक्ष व मोहम्मद इरफान को भी चोटे आई। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुड़वार पहुंचाया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। थाना प्रभारी निरीक्षक अरुण द्विवेदी ने बताया कि तहरीर के आधार पर विधिक कार्रवाई होगी। ट्रैक्टर ड्राइवर को हिरासत में लिया गया है। साथ ही ट्रैक्टर ट्रॉली को भी कब्जे में ले लिया गया है।

कांग्रेस की जीत के बाद कार्यकर्ताओं में उत्साह

लोकसभा क्षेत्र के अलग-अलग इलाको में आयोजित हो रहा है कार्यकर्ता आभार समारोह

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जिला, अमेठी के नवनिर्वाचित सांसद किशोरी लाल शर्मा ने चुनाव जीतने के बाद लगातार लोकसभा क्षेत्र के अलग अलग इलाकों में कार्यकर्ता आभार समारोह का आयोजन किया जा रहा है। आज अमेठी कांग्रेस कार्यालय मे सांसद किशोरी लाल शर्मा की जीत को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता आभार समारोह आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस संगठन के विधान सभा अमेठी के भादर, भेटुआ, संग्रामपुर व अमेठी ब्लॉक के ग्राम पंचायत अध्यक्ष, न्याय पंचायत अध्यक्ष, मण्डल अध्यक्ष, ब्लाक अध्यक्ष वरिष्ठ पदाधिकारियो व इंडिया गठबंधन दल के नेताओं ने भी गर्म जोशी से अपने सांसद का अभिनन्दन किया। इस मौके पर सांसद किशोरी लाल शर्मा ने कहा कि जनता की सुविधाओं पर गौर करे। कार्यकताओं द्वारा ही सांसद बिकास निधि का प्रस्ताव तैयार करेंगे। जनता की शिकायत को दूर करने के अलग अलग पटल काम करेंगे।विधान सभा चुनाव के दावेदार जनता की मदद करे। संगठन और सांसद इस पर नजर रखेंगे। सांसद किशोरी शर्मा ने कहा कि मेरा कोई प्रति निधि नही होगा। सांसद का काम स्वयं देखूगा।जनता के लिए दरवाजे खुले है।

महिला ने सास-ससुर को खिलाया जहरीला पदार्थ

- प्रेमी संग फरार हुई महिला, मामला दर्ज

अमन लेखनी समाचार

बांदा, बांदा में एक महिला ने परिजनों को खाने में नशीला पदार्थ खिलाकर प्रेमी संग फरार हो गई। साथ में अपने साथ दो लाख रुपए नगद और जेवर भी ले गई है। परिजनों ने बहु के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आपको बता दें कि पूरा मामला बांदा जनपद के नरैनी कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत एक गांव के रहने वाले एक व्यक्ति ने थाने में तहरीर देते हुए बताया कि उसकी बहू ने रात में गांव के दो युवकों के साथ अलग अलग मोबाइल नंबर से बात की थी। आधी रात के बाद गांव के ई रिक्शा में कथित युवकों के साथ बैठकर चली गई। जब ससुर और सास सुबह सो कर उठे तो देखा कि घर के कई सारे ताले खुले हुए पड़े थे। तहरीर में बताया कि युवती ने सास को जगाया तो वह बेहोशी की हालत में थी। पीड़ित ने बताया कि उन्होंने गांव के ई रिक्शा चालक से पूरी जानकारी ली। वहीं चालक ने बताया कि उसने तीनो को अतर्रा रेलवे स्टेशन में उतारा फिर वह ट्रेन में बैठकर कही चले गए हैं। पीड़ित ने बताया कि बहु ने घर के सभी लोगों को खाने में बेहोशी की दवा खिला दी थी

अमरोहा में कॉटन वेस्ट कारखाने में लगी आग

फायर ब्रिगेड ने दो घंटे में बुझाई आग, लाखों का माल जला, शॉर्ट-सर्किट की आशंका

अमन लेखनी समाचार

अमरोहा, अमरोहा में ईदगाह रोड पर स्थित एक कॉटन वेस्ट कारखाने में बीती रात भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। भयंकर आग को देखकर लोगों ने फायर ब्रिगेड को फोन कर घटना की सूचना दी। दमकल की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है। उधर पीड़ित ने इस आग से पांच लाख से अधिक के नुकसान का अनुमान जताया है। घटना अमरोहा नगर कोतवाली इलाके में ईदगाह रोड पर मोहल्ला दाऊद सराय की है। बीती रात यहां एक कॉटन वेस्ट कारखाने में भीषण आग लग गई। शार्ट-सर्किट आग लगने का कारण माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया था। हवा चल रही थी, जिससे आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। हालांकि दमकल की टीम ने करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया।

मिल्कीपुर में एसएसपी ने एसएचओ को कोतवाली से हटाया

- चौकी प्रभारी को किया लाइन हाजिर, विभागीय कार्यों में थी लापरवाही

अमन लेखनी समाचार

मिल्कीपुर, आदर्श आचार्य संहिता हटाने के बाद कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अयोध्या राज करन नय्यर ने तीन निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र फेरबदल करते हुए एक उपनिरीक्षक को लाइन हाजिर कर दिया है। एसएसपी ने मिल्कीपुर सर्किल के थाना कोतवाली इनायत नगर में तैनात प्रभारी निरीक्षक संदीप कुमार सिंह को हटाते हुए राम जन्म भूमि सुरक्षा नियुक्त किया है। तथा निरीक्षक बृजेश कुमार यादव को निरीक्षक अपराध थाना राम जन्मभूमि से प्रभारी विधिक सेल की तैनाती दी है। वही यातायात निरीक्षक रहें अभिमन्यु शुक्ला को इनायत नगर कोतवाली की जिम्मेदारी सौंपी है। पुलिस चौकी प्रभारी शाहगंज रहे उपनिरीक्षक संजय यादव को एसएसपी ने लाइन हाजिर कर दिया है। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि टकसरा गांव निवासी छेदीलाल चौरसिया की बीते 15 मई की रात में हत्या हो गई थी। इस मामले में ही चौकी प्रभारी को लाइन हाजिर और सस्पेंड हो जाना था लेकिन हमें लगता है आचार संहिता होने के चलते बच गए थे।

संक्षेप

बाइक सवार विद्युत पोल से टकराया

अमन लेखनी समाचार

दुद्धी, सोनभद्र के दुद्धी कोतवाली क्षेत्र में बुधवार की देर रात एक बाइक विद्युत पोल से जा टकराई। जिसमें बाइक सवार दो लोगों में से एक युवक की मौत हो गई। जबकि दूसरा घायल हो गया। जहां यह दुर्घटना हुई उसके कुछ दूरी पर पुलिस की डायल 112 नंबर गाड़ी खड़ी थी। पुलिस वहां तत्काल पहुंचकर एम्बुलेंस के माध्यम से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी इलाज के लिए ले गई। जहां डॉक्टरों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। वहीं दूसरे युवक की हालत गंभीर बतायी जा रही है। घायल युवक को वाराणसी ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया। वहीं डायल 112 पुलिस ने स्थानीय थाना के अधिकारियों को घटना की जानकारी दी। सूचना पर पहुंचे वरिष्ठ उप निरीक्षक काशीनाथ कुशवाहा ने उक्त के आधार कार्ड से उनकी पहचान की। पूछताछ में पता चला कि यह दोनों धनौरा गांव निवासी पिता-पुत्र है। इस दुर्घटना की सूचना उक्त के परिजनों को दे दी गई है। बता दें कि अस्पताल पहुंचे परिजनों ने बताया कि मृतक विपिन जायसवाल (30) पुत्र जयप्रकाश जायसवाल तथा घायल जयप्रकाश जायसवाल (55) पुत्र गिरवर जायसवाल आपस में पिता-पुत्र हैं। दोनों हिंडाल्को कंपनी में ठेकेदार के अधीनस्थ काम करते थे। इस समय कुछ दिनों से उनका नाइट शिफ्ट चल रहा था। इसलिए उनके आने में रात तीन, चार बज जाता था। अभी रात को अचानक एक्सीडेंट होने की सूचना मिली। मृतक विपिन दो भाई दो बहनों में दूसरे नंबर का लड़का था। वरिष्ठ उप निरीक्षक काशीनाथ कुशवाहा ने बताया कि हिंडाल्को कंपनी में पिता-पुत्र काम कर घर लौट रहे थे। इसी दौरान कटौली गांव के समीप इनकी बाइक एक विद्युत पोल से जा टकराई।

जौनपुर में खड़ी ट्रक में ट्रक ने मारी टक्कर

अमन लेखनी समाचार

जौनपुर, जौनपुर के वाराणसी-लखनऊ नेशनल हाईवे के रेहटी के पास गुरुवार को सुबह 4 बजे हुए भीषण हादसे में ट्रक चालक और खलासी की मौके स्थल पर मौत हो गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई में जुट गई। थाना प्रभारी जलालपुर राजेश यादव ने बताया कि हाईवे पर रेहटी गांव के नजदीक एक ट्रक खराब होकर खड़ी थी, तभी कोयला लादकर अयोध्या जा रही ट्रक ने पीछे से खड़ी ट्रक मे जोरदार टक्कर मार दी। मौके पर चालक व खलासी की मौत हो गयी। इसके बाद पास के सीएचसी रेहटी पर मरणासन्न ट्रक चालक मिन्टू (29 वर्ष), निवासी अयोध्या तथा खलासी हनुमान (32 वर्ष) निवासी मढ़ना, महराजगंज अयोध्या को ले गए। जहां पर चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मृतक के स्वजनों को थाना प्रभारी ने दी। सूचना पाकर मृत ट्रक चालक के भाई यहाँ पहुंचे और थाना मे दुर्घटना की सूचना दी।

आईजीएल द्वारा यूपी में पहली बार सीधे मक्का का खरीद किया

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र स्थित के आईजीएल के बिजनेस हेड एस के शुक्ल भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार के बायो ईंधन एथेनॉल के मिशन को पूर्ण करने की ओर अग्रसर है।शनिवार को संतकबीरनगर नगर नाथनगर गायघाट से पहली बार कंबाइन मशीन से कट कर आये मक्का का आईजीएल ने सीधे खरीद किया।जिसका शुभारंभ एसडीएम कुंवर सचिन सिंह व प्लांट हेड शैलेन्द्र पांडेय ने किया।आईजीएल प्लाट हेड ने बताया पूर्वांचल के दो जनपदों में ग्रीष्म और बसंत ऋतु में कुल 100 एकड़ मक्के की बुवाई कराई गई है। जिसमें से 1 एकड कृषि भूमि से किसान जीतेन्द्र कुमार सिंह का 3020 किलोग्राम मक्का का पूर्वांचल पहली बार हार्वेस्टर यन्त्र द्वारा कटाई करके आईजीएल द्वारा खरीद किया गया।आगे बताया आईजीएल आसवनी द्वारा पुरे भारत में पहली बार अपने क्षेत्र में मक्का फसल की बुवाई कराकर उसको खरीदी का काम किया गया है और भारत सरकार के एथेनॉल 20 प्रतिशत मिशन को जमीन पर उतारने का काम किया गया है। जिससे संतकबीरनगर के नाथनगर क्षेत्र के अन्य किसान भाइयों में खुशी की लहर छायी है, किसान जीतेन्द्र कुमार सिंह ने बताया की आईजीएल द्वारा किसानों को समय - समय पर मक्के से सम्बन्धित जानकारी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के वैज्ञानिकों द्वारा तथा नवीन उपकरण मक्का हार्वेस्टर, न्यूमैटिक प्लान्टर की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के वादे को पूर्ण किया। आज हमारे मक्के को आईजीएल कम्पनी ने खरीद कर पुरे गोरखपुर और संतकबीर नगर क्षेत्र के किसानो को एक नया उपहार प्रदान किया। मुख्य अतिथि उप जिलाधिकारी सहजनवा कुँवर सचिन सिंह ने बताया की मक्का फसल अब कैश की फसल बनेगी आईजीएल के प्रयास से क्षेत्र के किसानो को सरकार के मन्सा स्वरुप उनके द्वारा मक्का उपज का मूल्य उनको यही मिलेगा। किसान जीतेन्द्र कुमार सिंह और ट्रैक्टर ड्राइवर संजीव सिंह को आईजीएल के प्लांट हेड शैलेन्द्र पांडेय के साथ संयुक्त रूप से भागवत गीता और शॉल भेंटकर उनका उत्साह वर्धन किया। उक्त अवसर पर बिजनेस हेड एस के शुक्ल ने वर्चुअल रूप से जुड़कर बताया की जहां पूर्वांचल में किसान ग्रीष्म ऋतु में मक्के की खेती की कल्पना नहीं कर सकते थे, किसान उन्नति प्रजाति के मक्के की बुवाई कर रहे है और यह लहलहाती हुई फसल सन्देश दे रही है की वह दिन दूर नही जब पूर्वांचल का किसान यहां का भाग्य विधाता बनेगें। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहायक प्रबन्धक प्रशासन अखिलेश कुमार शुक्ल ने किया और सभी किसानों और मुख्य अतिथि के प्रति आभार व्यक्त किया। उक्त कार्यक्रम में आईजीएल के इंजीनियरिंग हेड शैलेश चन्द, प्रोजेक्ट हेड आशीष कुमार गुप्ता, यूटिलिटी हेड अनिरुद्ध सिंह, स्टोर एवं कमर्शियल हेड विष्णु पांडेय, एजीएम इंस्ट्रूमेंट जगदीश चंद धाकड़, परचेज हेड मनीष शाही, फायर एंड सेफ्टी ऑफिसर रणधीर सिंह, मेज डेवलपमेंट ऑफिसर यशोवर्धन पाण्डेय तथा नाथनगर एग्रीटेक्नो फेड फार्मर्स प्रोड्यूसर्स आगेनाईजेशन के प्रबन्धक अमिताभ पाण्डेय एवं किसान राणा सिंह, नानू एवं अन्य किसान एवं आईजीएल के अन्य कर्मयोगी उपस्थित रहे।

नौसढ़ चौकी पर पुलिस कर्मी की मौजूदगी में बियर का सेवन करते फोटो वायरल

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। गीडा थाना अंतर्गत नौसढ चौकी पर आखिर कौन यह बाहुबली है जो बाकायदा सिपाही की बगल की कुर्सी पर बैठकर बियर का सेवन करते हुए नजर आ रहे हैं वाह रे गोरखपुर की पुलिस सारी शर्मो हया बियर की घुट के साथ समाप्त हो गई सोशल मीडिया के क्षेत्र में काफी तेजी से वायरल हो रही है।चौकी पर बैठकर उस व्यक्ति के द्वारा बियर पीने की फोटो वही इस संबंध में चौकी इंचार्ज अरुण कुमार सिंह का कहना है कि मेरी गैर मौजूदगी में ऐसा हुआ है जिसकी जानकारी चौकी इंचार्ज ने उच्च अधिकारियों को दे दि अब देखना यह है कि क्या होता है इस प्रकरण में ,,, दबदबा है दबदबा था दबदबा बना रहेगा।

युवक को घर में घुस कर पीटा , दो पर केस दर्ज

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र के पिपरौली निवासी निर्मला देवी पत्नी इंद्रजीत अपने पति के साथ 12 जून को अयोध्या धाम गई थी। घर पर लड़का मनीष अकेला था। रात्रि में 12 बजे के करीब आरोपी घर पर आए। और लडके को बुलाया। तो आरोपी गाली गलौज करते हुए घर में घुस गए और लडके को लात घुसो और लोहे की रॉड से पीट कर घायल कर दिए। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी मोनू वर्मा, पंडित नाम अज्ञात के खिलाफ घर में घुसकर मारने पीटने और जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज कर लिया है।

दलित आबादी की भूमि पर अवैध कब्जा ग्रामीणों का प्रदर्शन

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवा तहसील अंतर्गत क्षेत्र के ग्राम पंचायत बुदहट टोला सरैया में दलित आबादी की भूमि पर किए जा रहे अवैध कब्जे के विरोध में दर्जनों की संख्या में ग्रामीणों ने तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। और अवैध कब्जा हटाने की मांग किया।ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत बुदहट सरैया में आराजी संख्या 1726 चकबंदी द्वारा दलित आबादी के लिए भूमि निकाली गई है। लेकिन गांव के कुछ लोग इस भूमि पर अवैध कब्जा कर रखा है। विरोध करने पर मार पीट पर आमादा हो रहे है। ग्रामीणों ने मांग किया है कि मामले की जांच कराकर अवैध कब्जा हटाया जाय। प्रदर्शन करने वालो में दयाराम, सत्यवान, विनोद, मोतीलाल, मोनू, राधेश्याम, पुरुषोत्तम, सुंदर, नेबुलाल सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

अलग अलग विवाद में पुलिस ने 9 पर दर्ज किया मारपीट का केस

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र के भक्सा में 13 जून को गोबर फेकने को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई थी। पुलिस ने दोनो पक्षों की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है। भक्सा निवासी रामनयन पुत्र स्व राम आसरे ने आरोप लगाया है की 13 जून को शाम 7 बजे आरोपी सड़क पर गोबर फेक रहे थे। जिसका विरोध किया तो गाली गलौज करते हुए मारा पीटा गया जिसमे कौशील्या, गुड्डी को चोटे आई है। पुलिस ने चंद्रजीत, नौमीनाथ के खिलाफ मारपीट, जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज कर लिया है जब की दूसरे पक्ष चंद्रजियपुत स्व शिव नारायण ने आरोप लगाया था कि आरोपी 13 जून को शाम 7 बजे जमीन में गोबर फेक रहे थे। विरोध करने पर गाली गलौज करते हुए पत्नी विंद्रावती, भाई की पत्नी रीता, भतीजे, अनिल को मारे पीटे। पुलिस ने स्वामीनाथ, प्रभुनाथ ,शिवानंद, विपिन के खिलाफ मारपीट, जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज कर लिया है। वही सहजनवा थाना क्षेत्र के महदेईया निवासी मिथिलेश पत्नी अनिल के बच्चे को आरोपी गाली गुप्ता से रहे थे। 13 जून को आरोपी घर पर चढ़ आए और गाली गलौज करते हुए मारने के लिए दौड़ा लिए ऑफ जान से मारने की धमकी दिए। पुलिस ने आरोपी घुरहू, मीरा देवी, जितेंद्र के खिलाफ मारपीट और जान से मसाने की धमकी देने का केस दर्ज कर लिया है।

ट्रक चालक 6.90 लाख रुपए का सरिया लेकर फरार

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। गीडा स्थित एक ट्रांसपोर्ट से सरिया लादकर लखनऊ लेकर निकले ट्रक चालक सरिया लेकर फरार हो गया है। पीड़ित ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराया है। मिली जानकारी से बेतियाहाता आवास विकास कालोनी निवासी आनंद कुमार टिबडेवाल जो बेतियाहाता स्थित मेसर्स विजया ट्रेड रिसोर्सेज में हिस्सेदार है। 11 जून को 10.09 टन सरिया जिसकी कीमत 6.90 लाख रुपए है।गीडा स्थित एक ट्रांसपोर्ट से ट्रक चालक लादकर सेक्टर 6 रायबरेली रोड लखनऊ के लिए निकला था। लेकिन चार दिन बीत जाने के बाद वह नियत स्थान पर नही पहुंचा। चालक का मोबाइल नंबर बंद पड़ा है। आशंका जाहिर की जा रही है की ट्रक चालक सरिया की चोरी कर बेच दिया है। पीड़ित ने ट्रक चालक के खिलाफ चोरी का शिकायत दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस संदर्भ में एसओ सहजनवा विशाल उपाध्याय ने कहा की शिकायत मिली है। जांच कराकर केस दर्ज कराया जायेगा।

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर 99 मामले , 2 का हुआ निस्तारण

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। शनिवार को सम्पूर्ण समाधान की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी कुंवर सचिन सिंह ने किया। इस दौरान 99 मामले आए जिसमे 2 मामले का मौके पर निस्तारण करा दिया गया। राजस्व 74, पुलिस 16, विकास 5, अन्य 4 मामले आए थे। राजस्व संबंधित मामले के निस्तारण के लिए राजस्व टीम गठित कर मौके पर भेजा गया। जबकि पुलिस के मामले की जांच कर कारवाई करने का निर्देश दिया गया। इस दौरान तहसीलदार राकेश कन्नौजिया, नायब तहसीलदार भान प्रताप सिंह, एसडीओ पुष्पेंद्र सिंह सहित अनेक विभाग के लोग मौजूद थे।

दहेज में क्रेटा कार की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को पीट कर घर से निकाला

पति, ससुर, सास, ननद के खिलाफ हत्या के प्रयास, दहेज उत्पीड़न, मारपीट, तोड़फोड़, एससीएसटी केस दर्ज

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र के बाधागाडा निवासी सुमन निषाद की शादी देशमुख निषाद उर्फ सुनील निषाद के साथ 5 जून 2019 को हुई थी। शादी में परिजन उपहार में 5 लाख नकद, और लाखो का गहने और सामान दिए थे। विदाई के बाद जब ससुर पहुंची तो ससुराल के लोग कम दहेज लाने का ताना मारने लगे। और क्रेटा कार की लाने की मांग करने लगे। पीड़िता ने परिजन से बात की को असमर्थता जाहिर किए। इसके बाद विवाहिता का उत्पीड़न बढ़ता गया और लोग मारना पिटना शुरू कर दिए। मारने पीटने से बेहोश भी हो चुकी थी। इस दौरान गर्भवती हो गई। तो ससुराल के लोग अस्पताल ले गए। जहां बच्चा खराब हो गया था। 12 जून को रहने के लिए ससुराल पहुंची तो ससुराल के लोग मारपीट कर घर से निकाल दिए। पीड़िता ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई। आदेश पर पुलिस ने पति देशमुख उर्फ सुनील निषाद, ससुर देवानंद, सास निर्मला ननद रीना निषाद के खिलाफ हत्या के प्रयास, दहेज उत्पीड़न, मारपीट, जान से मारने की धमकी, तोड़फोड़ एससी/एसटी का केस दर्ज कर लिया है।

मोहब्बत में धोखा देने की सजा सिर्फ मौत

प्रेमी बोला – ढाई साल से मेरी कमाई खाई और दूसरे से प्यार करने लगी; इसीलिए गर्दन काट दी

अमन लेखनी समाचार

खुर्जा, मोहब्बत में धोखा दे दिया, धोखा देने की सजा एक ही है सिर्फ मौत। इसीलिए चाकू से उसकी गर्दन काट डाली। ढाई साल की मेरी कमाई खाई और दूसरे यार से फंस गई। मोहब्बत में धोखा दिया तो अपने को बर्दाश्त नहीं हुआ। ये फिल्मी डॉयलाग नहीं बल्कि प्रेमिका की हत्या करने वाले आरोपी अदनान उर्फ बिल्लू का कबूल नामा है। अदनान ने बताया की संजय दत्त की फिल्म खलनायक देखकर वह बल्लू बना और उसका एनकाउंटर कर दिया, मेरा एनकाउंटर थोड़ी होगा। मैने तो एक मर्डर किया है। 10 मर्डर करूंगा तो मेरा भी एनकाउंटर हो जाएगा। दोस्ती में जो धोखा देगा मैं उसे भी मार दूंगा। मैं दोस्त को भी मार दूंगा। जितना भी बदला लेना है, मुझसे लें अगर मेरे घर वाले के ऊपर आंच भी आई तो बम से उड़ा दूंगा, सबको मार दूंगा। घर वालों पर अंगुली नहीं उठनी चाहिए। जिसने घर वालों पर अंगुली उठाई तो काट डालूंगा। बुलंदशहर के खुर्जा के रहने वाले अदनान की आसमां नाम की महिला से काफी समय से प्रेम प्रसंग था। कुछ दिन पहले अदनान को आसमां पर किसी और के साथ अफेयर का शक हुआ। इसके बाद उसने मंगलवार को आसमां को बुलाकर गला रेतकर हत्या कर दी। इसके बाद शव कब्रिस्तान में फेंककर फरार हो गया। महिला का लावरिस शव मंगलवार को खुर्जा के मोहल्ला खीरखानी कब्रिस्तान में मिलने से सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने महिला की शिनाख्त की और उसके नंबर का डिटेल निकाला तो अदनान से बात हुई थी।

जिसके बाद पुलिस ने शक के आधार पर अदनान को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की। इसके बाद आरोपी ने प्रेमिका के मर्डर की बात कबूली। आरोपी अदनान से पूछताछ के बाद पुलिस बुधवार को उसका मेडिकल कराने खुर्जा के सरकारी अस्पताल में लेकर गई।

जहां आरोपी ने मीडिया से बातचीत करते हुए प्रेमिका की हत्या करने की पूरी कहानी सुनाई। हंसते हुए बताया कि आसमा के धोखा देने पर उसने चाकू से गला रेतकर हत्या की है।

बुजुर्ग की गोली मारकर हत्या

❍ सोते हुए घटना को दिया अंजाम, पुलिस जांच में जुटी

अमन लेखनी समाचार

जौनपुर, जौनपुर के सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के पाल्हामऊ कला गांव में अपने सो रहे एक व्यक्ति की अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। लोगों को घटना की खबर लगते ही पुरे क्षेत्र में सनसनी मच गयी ।सुचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज कर जांच में जुट गई। पाल्हामऊ गाँव निवासी चंद्रभूषण तिवारी उम्र 62 वर्ष पुत्र नरसिंह तिवारी बुधवार की रात को भोजन करने के बाद घर से कुछ दुरी अपने पाही पर सोने के लिए गये थे। रात में सोते समय अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। सुबह आसपास लोग वहां पहुंचे तो खून से लथपथ उनका शव मिला। सुचना पर पहुंची इलाकाई पुलिस परिवार वालों से पूछताछ करने के बाद जांच पड़ताल में जुट गई। एएसपी ग्रामीण शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि बुधवार की रात में किसी ने गोली मार दी। रात में उनकी मृत्यु हो गयी थी। सुबह जब लोगों ने देखा तो पुलिस को सुचना दिया। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज कर जांच पड़ताल में जुट गयी है। इस प्रकरण में अभी तक मिली जानकारी के अनुसार, परिवार में ही कुछ जमीन की वसीयत को लेकर अपने ही सगे परिजनों के साथ कुछ इस हत्या से जुड़े साक्ष्य मिले हैं। इसकी जांच की जा रही है।

सोनभद्र में तालाब में मिला महिला का शव

तलाब में डूबने से हुई मौत, रात भर खोजते रहे परिजन, जांच में जुटी पुलिस

अमन लेखनी समाचार

बभनी, सोनभद्र के बभनी थाना क्षेत्र स्थित चौना गांव में बुधवार की रात घर से पांच सौ मीटर दूर तालाब में एक महिला का शव मिला। शव मिलने से गांव में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने रात में ही शव को अपने कब्जे में ले लिया और सुबह पोस्टमॉर्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी भेज दिया। जानकारी के अनुसार अमरावती (52) पत्नी अशर्फी लाल निवासी धनखोर की बुधवार की रात तालाब में शव मिला। परिजनों के मुताबिक अमरावती घर से करीब सात बजे शौच करने के लिए निकली। उसके हाथ में डंडा और टौर्च भी था। जब वह काफी देर तक घर नहीं लौटी तो घर वाले खोजना शुरू कर दिए। खोजते-खोजते जब तालाब के पास पहुंचे तो वहां तालाब के किनारे टौर्च जल रहा था और वही पर डंडा और चप्पल भी था। लोगों ने इधर उधर देखा जब कहीं नहीं दिखाई दी। तो तालाब में खोजना शुरू किए। जिससे काफी देर बाद तालाब मे शव मिला। लोगों ने शव को बाहर निकाला और इसकी सूचना बभनी पुलिस को दिया। सूचना मिलते ही सब इंस्पेक्टर अभय नाथ यादव पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।

बुजुर्ग ने किया सुसाइड

❍ फंदे पर लटका मिला शव, पुलिस जांच में जुटी

अमन लेखनी समाचार

जौनपुर, जौनपुर के मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के नई बस्ती मिर्दहा मोहल्ले में एक बुजुर्ग ने फांसी लगाकर जान दे दी। जब परिजनों को सूचना लगी तो कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल में जुट गई। मड़ियाहूं के मिर्दहा मोहल्ले निवासी मुमताज उर्फ झगडू पुत्र समीउल्लाह उम्र 50 वर्ष अपने घर से 500 मीटर दूर पर बनी कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। मृतक की पत्नी जमीला खातून ने बताया कि वो बुधवार की रात को खाना खाकर राजी खुशी बाहर के कमरे में सोने गए थे ।सुबह जब उनको आने में देर हुई तो पत्नी जमीला खातून पाही पर पहुंच गई। बाहर से गेट में बने जाली से हाथ डालकर अंदर से सिटकनी को खोला और कमरे में पहुंची तो देखा फांसी के फंदे से उसका शरीर लटका था। वह जोर से चिल्लाने लगी, आवाज सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। जब लोगों ने उनके पास जाकर देखा तो उनकी मौत हो चुकी थी। पत्नी ने बताया कि घर मे व मुझसे उनका कोई विवाद नहीं था।

उन्होंने फांसी क्यों लगाई मैं समझ नहीं पा रही है। मृतक के पास 3 लड़कीं व दो लड़के हैं। एक लड़का रोजी रोटी के लिए सऊदी रहता है दूसरा मुंबई में रहता है। दो बेटी की शादी हो गयी है, एक की शादी करना बाकी है। मुमताज के लिए घर से 500 मीटर दूर पाही बनाई गई थी। वहां पर एक कमरा बनाया गया, जिसमें प्रतिदिन मुमताज घर से खाना खाकर सोने के लिए जाता था। प्रतिदिन की तरह से बुधवार की रात को भी खाना खाकर गया लेकिन गुरुवार की सुबह गाटर पर उसका शव लटकटा मिला।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी चिकित्सालय में स्वैच्छिक रक्तदाताओ को किया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी चिकित्सालय में स्वैच्छिक रक्तदाताओ एवम एवम सेवी संस्थानों का सम्मान समारोह का आयोजन कर सम्मानित किया गया ।श्यामा प्रसाद मुखर्जी चिकित्साल के निदेशक डा सुनील भारती,मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा राजेश श्रीवास्तव, डा एस आर सिंह,प्रभारी रक्त कोष संगीता टंडन,पैथोलाजी प्रभारी डा नीना उपाध्याय,डा रत्ना पांडे,डा प्रवीण कुमार डा पल्लवी श्रीवास्तव,चिकत्सालय के रक्त कोष कर्मचारियों, सामाजिक कार्यकताओं, की मानवता के प्रति सेवा करने पर सभी के कार्यों की सराहना की ।कार्यक्रम का संचालन डा प्रवीण कुमार,उमेश चंद पाटिल ने किया ।सभी को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

योग हमारे तन मन व बुद्धि को स्वस्थ रखने के साथ ही हमारे अहंकार को खत्म करता है : प्रो. ए के सिंह

अमन लेखनी समाचार

गोरखनाथ , गोरखनाथ मन्दिर स्थित महायोगी गुरु गोरखनाथ योग संस्थान एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् गोरखपुर के द्वारा आयोजित साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित आयुष विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति प्रो. ए के सिंह ने कहा कि योग हमारे तन मन व बुद्धि को स्वस्थ रखने के साथ ही हमारे अहंकार को खत्म करता है। पिछले दस वर्षों में योग दिवस को पुरे विश्व में मान्यता मिली है। हमारा निवेदन है कि आप सभी अपने जीवन में योग अपनाइए और रोग भगाइए। उन्होंने सभी को प्रतिदिन स्वयं योग करने व अपने परिवार तथा मित्रों को भी योग करवाने का शपथ दिलाया।

मुख्य वक्ता के रूप में गुरु गोरक्षनाथ कॉलेज आफ नर्सिंग सोनबरसा गोरखपुर की प्राचार्य डॉ॰ डी एस अजीथा ने कहा कि योग हमारे देश की प्राचीन विद्या है पहले जब हमारे आसपास इतने चिकित्सालय नहीं थे तब लोग योग के द्वारा अपने रोगों का इलाज करते थे। योग के द्वारा किसी भी रोग का इलाज संभव है। उसके लिए हमें प्रतिदिन 30 मिनट इसका अभ्यास करना होगा। उन्होंने कहा कि प्राणायाम हमारे जीवन में प्रकाश लाता है। आज जिम में लोग जाने लगे हैं, जिम में हमारी शरीर स्वस्थ हो सकती है किंतु मन स्वस्थ नहीं हो सकता। आज हम लोगों को हार्ट अटैक की समस्या बढ़ गई है इसका कारण शरीर में कोलेस्ट्रॉल की अधिकता है। हम जब योग करते हैं तो हमारे शरीर में मेटाबॉलिज्म बनता है जो हमारे कोलेस्ट्रॉल को घटाता है, इसके द्वारा हमारा नर्वस सिस्टम सक्रिय हो जाता है। विशिष्ट वक्ता के रूप उपस्थित महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय स्थित आयुर्वेद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ॰ मञ्जुनाथ ने कहा कि योग एक ऐसी विद्या है जो पूरी तरह से मुफ्त में हमें स्वस्थ रखती है। हमारी दिनचर्या में योग अपनाने से हम न केवल स्वस्थ रहेंगे अपितु हम अपने जीवन के उद्देश्यों को सफलता से प्राप्त कर सकते हैं। योग विज्ञान हमारे शरीर के अंदर शारीरिक एवं मानसिक वातावरण को सुंदर बनाता है। प्राणायाम और षट्कर्म के द्वारा हमारी शरीर पुष्ट एवं निरोगी होती है।

समारोह की अध्यक्षता कर रहे महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अध्यक्ष प्रोफेसर यू पी सिंह ने कहा कि योग हमारे भारत देश एवं पूरे विश्व की अमूल्य निधि है ।योग को समझने के लिए हमें गीता का अध्ययन करना चाहिए गीता का प्रत्येक अध्याय योग है महात्मा गांधी ने कहा है कि मैं जब तनाव युक्त होता हूं तो गीता माता की गोंद में चला जाता हूं उसमें मुझे सभी समस्याओं का समाधान मिल जाता है योग ही एकमात्र ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा हम तन मन बुद्धि और आत्मा को स्वस्थ और सुखी बना सकते हैं। कार्यक्रम का प्रारंभ अचार्य डॉ॰ प्रांगेश मिश्र के मंगलाचरण व छात्र आदित्य पाण्डेय विवेक पाण्डेय के गोरक्षाष्टक पाठ से हुआ । सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्ञापन डॉ॰ अरविन्द कुमार चतुर्वेदी ने किया। इस अवसर पर गोरखनाथ मन्दिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ॰ अतुल बाजपेयी, डॉ॰ रामजन्म सिंह, डॉ॰ प्रदीप कुमार राव, डॉ॰अजय कुमार पाण्डेय, डॉ॰ रोहित मिश्र, डॉ॰ दिग्विजय शुक्ल, बृजेश मणि मिश्र, डॉ॰ अभिषेक पाण्डेय, पुरुषोत्तम चौबे, दीपनारायन सहित शिक्षा परिषद् की विभिन्न संस्थाओं के छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री के निर्देशों से अधिकारियों को कराया अवगत

अमन लेखनी समाचार

बलिया। तहसील दिवस के बाद जिलाधिकारी रवींद्र कुमार ने पिछले दिनों मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निदेर्शों से सभी अधिकारियों को अवगत कराया। कहा कि सभी विभागों को लेकर मुख्यमंत्री जी के स्पष्ट दिशा निर्देश हैं। बकरीद के त्यौहार में जिन अधिकारियों की ड्यूटी लगी है वे उसे सकुशल संपन्न कराना सुनिश्चित करेंगे ।गंगा दशहरे पर गंगा घाटों की साफ सफाई, बैरिकेडिंग और आवश्यकता पड़ने पर प्रकाश व्यवस्था को ग्रामीण क्षेत्रों में डीपीआरओ, बीडीओ के सामंजस्य स्थापित कर और नगरीय क्षेत्रों में अधिशासीय अधिकारी नगर निकायों में कराना सुनिश्चित करेंगे ।योग सप्ताह को सफल बनाने के लिए उन्होंने ग्राम पंचायतों में डीपीआरओ व बीडीओ और नगरीय क्षेत्रों में संबंधित अधिशासी अधिकारियों के द्वारा स्थानीय आम जनमानस के सहयोग और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कार्यक्रम को सफल बनाने का निर्देश दिया है। उन्होंने जनपद की गौशालाओं में ग्राम स्तर पर सचिव, ब्लॉक स्तर पर बीडीओ और जिले स्तर पर मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को पीने के पानी, भूसा,चारे आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कहा कि सभी अधिकारी समय से अपने कार्यालय पहुंचे और जनसमस्याओं को सुनकर उसका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने तहसील दिवस पर आने वाले मामलों के लिए एक रजिस्टर बनाने और उस पर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण का पूरा विवरण अंकित कराने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी विभागों को आगाह किया कि जिन विभागों के मामले ज्यादा लंबित पाए जाएंगे या उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण नहीं कराया जाएगा उन विभागों के अधिकारियों कर्मचारियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

कचहरी रोड में वृद्धा का शव मिलने से मचा हड़कंप

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र में मुख्यालय में कचहरी रोड में तिवारी कोल्ड ड्रिंक एजेंसी के लोडर के पीछे एक लावारिस महिला की लाश मिलने से हडकंप मच गया। संदिग्ध परिस्थितियों में लावारिस महिला का शव बरामद होने पर लोगों ने सदर कोतवाली में सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये मोर्चरी हाउस भेजा है। बताते हैं कि प्रचंड गर्मी के चलते संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की जान गयी है। सदर कोतवाली प्रभारी ने बताया कि कचहरी रोड में एक दुकान के पास एक वृद्ध महिला उम्र करीब 80 वर्ष नाम पता अज्ञात मृत अवस्था में मिली है। सूचना पर कोतवाली सदर पुलिस द्वारा आस-पास के लोगों से जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि मृतका अपने भरण पोषण हेतु आस-पास के लोगों पर निर्भर रहती थी। मृतक महिला के पहचान हेतु प्रयास किए जा रहे हैं। अन्य आवश्यक वैधानिक कार्रवाई प्रचलित है।

वृक्षारोपण की तैयारियों के संबंध में बैठक

अमन लेखनी समाचार/ उमेश दीक्षित

हमीरपुर। जनपद में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कराए जाने के उद्देश्य से उसकी तैयारियों के संबंध में जिला वृक्षारोपण समिति की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी चन्द्रशेखर ने कहा कि लक्ष्य के अनुसार गड्ढो को खोदकर सभी विभागों द्वारा पौधों की समय से डिमांड व उठान कर लिया जाय। वृक्षारोपण करने के पश्चात उसका हरीतिमा अमृत वन एप के माध्यम से जिओ टैग कराया जाय। जिलाधिकारी ने कहा कि फैक्टरी एरिया, गौशालाओं के किनारे किनारे अनिवार्य रूप से वृक्षारोपण किया जाए। इसके लिए सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाए। वृक्षारोपण के प्रति जन जागरूकता व जन सहभागिता सुनिश्चित की जाय तथा जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाय। जिलाधिकारी ने कहा कि वृक्षारोपण के पश्चात 3 वर्ष तक इसकी नियमित रूप से देखभाल की जाए। वृक्षों के रोपण में फलदार, औषधीय गुणों से युक्त तथा छायादार वृक्षों को प्राथमिकता दिया जाए। इस मौके पर सभी विभागों बेसिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, उद्यान विभाग, रेलवे, कृषि, राजस्व, पुलिस, लघु सिंचाई, मौदहा बांध, पंचायत राज, स्वास्थ्य विभाग, रोडवेज, परिवहन विभाग आदि को मिले लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति उठा गड्ढा खुदवाई आदि की समीक्षा कर जिलाधिकारी ने जरूरी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि बंजर, ऊसर , ग्राम पंचायत की भूमि, खेल के मैदान पर प्राथमिकता के साथ वृक्षारोपण कराया जाए तथा लोगों को अपने खेतों की मेड़ों पर वृक्ष लगाने हेतु प्रोत्साहित किया जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, प्रभागीय वनाधिकारी, एडीएम, सभी तहसीलों के एसडीएम, उपनिदेशक कृषि तथा अन्य विभागों के संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

तहसील बांसडीह में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुआ संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

जन समस्याओं को गंभीरतापूर्वक लेते हुए निस्तारण करें अधिकारी: डीएम

अमन लेखनी समाचार

बलिया। सरकार के मंशानुरूप जन समस्याओं के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु जनपद के सभी तहसीलों में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी रवींद्र कुमार ने तहसील बांसडीह में स ाम्पूर्ण समाधान दिवस पर आए लोगों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए ।इस मौके पर राजस्व, पुलिस, खाद्य एवं रसद , चकबंदी, विकास , विद्युत , समाज कल्याण, कृषि,मार्केटिंग,लोक निर्माण,एवं शिक्षा विभाग सहित विभिन्न विभागों के कुल 113 मामले आए। इसमें पांच मामलों का मौके पर निस्तारण हुआ। अन्य सभी मामलों को संबंधित विभाग के अधिकारियों को हस्तांतरित करते हुए जिलाधिकारी ने समय सीमा के अंदर निस्तारित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने भूमि विवाद संबंधी मामलों को पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा स्थलीय निरीक्षण सत्यापन कर मामले को निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि जन समस्याओं के निस्तारण में हीलाहवाली अक्षम्य होगी। अधिकारी जन समस्याओं को गंभीरतापूर्वक लें अन्यथा कार्रवाई के लिए तैयार रहें। कहा कि हर व्यक्ति की समस्या का पूरी प्रतिबद्धता एवं पारदर्शिता से न्यायोचित समाधान शासन-प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता में है। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस और राजस्व से जुड़ी समस्याओं पर जिलाधिकारी ने कहा कि अधिकारी प्राथमिक स्तर पर ही लोगों की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करें, ताकि लोगों को यहां-वहां भटकना न पड़े। उन्होंने कड़े तेवर में चेतावनी दी कि संवेदनहीन और लापरवाह अधिकारियों को कत्तई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा ।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक देव रंजन वर्मा, सीएमओ डॉ विजयपति द्विवेदी, बीएसए मनीष सिंह, उप जिलाधिकारी अभिषेक प्रियदर्शी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

वृक्षारोपण की तैयारियों के संबंध में बैठक हुई सम्पन्न

अमन लेखनी समाचार/ उमेश दीक्षित

हमीरपुर ।जनपद में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कराए जाने के उद्देश्य से उसकी तैयारियों के संबंध में जिला वृक्षारोपण समिति की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में संपन्न हुई ।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी चन्द्र शेखर ने कहा कि लक्ष्य के अनुसार गड्ढो को खोदकर सभी विभागों द्वारा पौधों की समय से डिमांड व उठान कर लिया जाय। वृक्षारोपण करने के पश्चात उसका हरीतिमा अमृत वन एप के माध्यम से जिओ टैग कराया जाय ।जिलाधिकारी ने कहा कि फैक्टरी एरिया, गौशालाओं के किनारे .किनारे अनिवार्य रूप से वृक्षारोपण किया जाए इसके लिए सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाए। वृक्षारोपण के प्रति जन जागरूकता व जन सहभागिता सुनिश्चित की जाय तथा जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाय। जिलाधिकारी ने कहा कि वृक्षारोपण के पश्चात 03 वर्ष तक इसकी नियमित रूप से देखभाल की जाए। वृक्षों के रोपण में फलदार, औषधीय गुणों से युक्त तथा छायादार वृक्षों को प्राथमिकता दिया जाए ।इस मौके पर सभी विभागों यथा बेसिक शिक्षा,उच्च शिक्षा ,उद्यान विभाग, रेलवे, कृषि, राजस्व, पुलिस ,लघु सिंचाई, मौदहा बांध, पंचायत राज ,स्वास्थ्य विभाग ,रोडवेज, परिवहन विभाग आदि को मिले लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति उठा गड्ढा खुदवाई आदि की समीक्षा कर जिलाधिकारी ने जरूरी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि बंजर, ऊसर , ग्राम पंचायत की भूमि, खेल के मैदान पर प्राथमिकता के साथ वृक्षारोपण कराया जाए तथा लोगों को अपने खेतों की मेड़ों पर वृक्ष लगाने हेतु प्रोत्साहित किया जाए।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, प्रभागीय वनाधिकारी ,एडीएम सभी तहसीलों के एसडीएम ,उपनिदेशक कृषि, तथा अन्य विभागों के संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे ।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील राठ मे सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न

संपूर्ण समाधान दिवस में आयी शिकायतो के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं – जिलाधिकारी

सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त 122 शिकायतों में से 05 का तत्काल मौके पर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया गया, शेष शिकायतों के शीघ्र निस्तारण के दिए निर्देश

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर ।जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक दीक्षा शर्मा की उपस्थिति में जनपद स्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन राठ तहसील में संपन्न हुआ। इस दौरान समाधान दिवस में कुल 122 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें से 05 शिकायत का मौके पर गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के शीघ्र निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। उन्होंने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस शासन का महत्वपूर्ण कार्यक्रम है इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी ने जन समस्याओं को सुनने के पश्चात उनके निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया तथा कहा कि किसी भी शिकायत के निस्तारण में मौके पर जाकर दोनों पक्षों से मिलकर उनकी बातों को अवश्य सुना जाए । संपूर्ण समाधान दिवस के दिन संपूर्ण समाधान दिवस के पूर्व व पश्चात विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा अपनी साइट/ क्षेत्र/ कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया जाय तथा उसकी आख्या उपलब्ध करायी जाय ।जिलाधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस ,आईजीआरएस पोर्टल, मुख्यमंत्री संदर्भ /1076 के संदर्भ / शिकायतों का निष्पक्षता पूर्वक एवं समयबद्ध ढंग से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिया जाए ताकि शिकायतकर्ता को बार-बार परेशान ना होना पड़े ।कहा कि शिकायतों का ग्राउंड लेवल पर निस्तारण कर शिकायतकर्ता को संतुष्ट किया जाय ।उन्होंने कहा कि जिस स्तर की शिकायत है उसका उसी स्तर पर निस्तारण अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए। किसी भी दशा में वही शिकायत अगले समाधान दिवस में प्राप्त नहीं होनी चाहिए। इस अवसर पर सीएमओ डॉ गीतम सिंह, एसडीएम राठ विपिन शिवहरे, जिला विकास अधिकारी अजीत श्रीवास्तव,जिला प्रोबेशन अधिकारी राजीव कुमार सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी,सीओ राठ तथा अन्य संबंधित विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे ।

सांसद आरके चौधरी ने प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके युवाओं को प्रमाण पत्र किए वितरित

प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम किया गया आयोजित

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। युवा समाज कल्याण समिति (वाईएसएस) संस्था द्वारा सरोजनीनगर के चिल्लावां में संचालित साईं कंप्यूटर एजुकेशन में शनिवार को प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मोहनलालगंज लोकसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित सांसद आरके चौधरी ने प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके युवाओं को प्रमाण पत्र वितरित किए। कार्यक्रम में सांसद आरके चौधरी ने कहा कि आज के दौर में पढ़ाई के साथ-साथ कंप्यूटर का सबसे अधिक महत्व हो गया है। उन्होंने कहा कि इस आधुनिक युग में बिना कंप्यूटर शिक्षा के कोई भी काम नहीं हो सकता है। इसलिए युवाओं को पढ़ाई के साथ कंप्यूटर शिक्षा जरूर प्राप्त करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि चाहे प्राइवेट संस्था हो या सरकारी, हर जगह कंप्यूटर आवश्यक हो गया है। कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष पंकज यादव ने कहा कि आज के आधुनिक समय में कंप्यूटर शिक्षा बहुत ही जरूरी है। सभी सरकारी और प्राइवेट नौकरियों में कंप्यूटर प्राप्त युवाओं की मांग हो चुकी है। इसलिए युवाओं को चाहिए कि वह कंप्यूटर जरूर सीखें। कार्यक्रम में कांग्रेस के पूर्व विधायक प्रत्याशी रुद्र दमन सिंह बबलू और बचान सिंह यादव के साथ ही इस संस्था के मोहम्मद जुनेद, नारेंद्र यादव, मुजम्मिल अंसारी, हरकिशन रावत, रहमान, मनीष, सानू, आशीष राजपूत, दानिश खान, रमेश कुमार, सुमित यादव, कल्पना चौधरी, देवाशीष चौधरी व चंद्रप्रकाश आदि अन्य लोग भी मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक ने थाना सिसोलर का किया वार्षिक निरीक्षण

जनसुनवाई कक्ष का किया उदघाटन

अमन लेखनी समाचार/ उमेश दीक्षित

मौदहा। पुलिस अधीक्षक डा. दीक्षा शर्मा द्वारा थाना सिसोलर का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में सर्वप्रथम जनसुनवाई कक्ष का फीता काटकर उद्घाटन किया गया। इसके बाद थाने के कार्यालय, लॉकअप, अपराध रजिस्टर, महिला हेल्पडेस्क, साइबर हेल्प डेस्क, सीसीटीएनएस कक्ष, विवेचना कक्ष, ई-मालखाना, मैस व थाने में लगे सीसीटीवी कैमरे आदि का निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक ने अभिलेखों का गहनता से निरीक्षण कर समय से अद्यावधिक किये जाने हेतु निर्देशित किया। इसके बाद उन्होंने थाना परिसर की साफ-सफाई को चेक कर संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही थानाध्यक्ष सिसोलर तथा अन्य पुलिस कर्मियों को थाने में आने वाली जनता व पीड़ितों से सम्मानजनक व्यवहार करने व जनता की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण व त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक द्वारा ग्राम प्रहरी चौकीदारों से वार्ता कर थाना क्षेत्र के बारे में जानकारी कर आगामी त्यौहार के दृष्टिगत क्षेत्र में सतर्क दृष्टि बनाये रखने हेतु प्रेरित किया गया। ग्रामीण क्षेत्रो में संदिग्ध लोगो पर निगाह रखते हुये भूमि विवाद व रंजिश के मामलो में उन लोगो पर नजर रखने के निर्देश दिए गए। जिससे कोई वारदात होने से पहले पुलिस को सूचना मिल सके। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी मौदहा श्रेयस त्रिपाठी, थानाध्यक्ष सिसोलर सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद रहे।

दशम अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं योग सप्ताह का हुआ आयोजन

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर । दशम अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं योग सप्ताह दिनांक 15 जून, 2024 से 21 जून, 2024 तक तथा दिनांक 21 जून, 2024 को दशम् अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जायेगा इस वर्ष भारत सरकार द्वारा दशम् अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम योग स्वयं एवं समाज के लिये/ड्ढ ऋड्ड१ रीह्ला अल्लरिड्ढी३८ ₹ घोषित की गयी है। वसुधैव कुटुम्बकम की भावना से मानवता को योग से जोड़ने का कार्यक्रम है। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मुख्य विकास अधिकारी एवं नगर पालिका अध्यक्ष की गरिमामयी उपस्थिति में योग सप्ताह (15 जून, 2024 से 21 जून, 2024) का शुभारम्भ राजकीय स्पोर्टस स्टेडियम हमीरपुर में किया गया। जिसका उद्घाटन नगर पालिका अध्यक्ष हमीरपुर कुलदीप निषाद द्वारा महर्षि पतंजलि की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। जिसमें मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक, जिला विकास अधिकारी, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, जिला कार्यकम प्रबन्धक श्री सुजीत कुमार तथा डा० अजय कुशवाहा, चिकित्साधिकारी, डा० संजय कुमार सिंह, चिकित्साधिकारी, प्रदीप कुमार मिश्र, कनिष्ठ सहायक, बृजकिशोर वर्मा कनिष्ठ सहायक, मनोज कुमार, कनिष्ठ सहायक, संजय कुमार, सुशील कुमार, अशोक बाबू आदि विभागीय कर्मचारी एवं नगरवासी भी उपस्थित रहे। रानी बाथम योगाचार्य एवं अमित कुमार बाथम, योग सहायक द्वारा योगाभ्यास कराया गया। योगाभ्यास के पश्चात मुख्य विकास अधिकारी एवं नगरपालिका अध्यक्ष कुलदीप निषाद की उपस्थिति में योग जागरुकता रैली भी निकाली गयी। जो स्टेडियम से प्रारम्भ होकर कलेक्ट्रेट गेट. रोडवेज बस स्टैण्ड, इस्लामियां इण्टर कालेज, किंग रोड होते हुये राजकीय स्पोर्टस स्टेडियम हमीरपुर पर समाप्त हुई। रैली में अधिक से अधिक लोगों ने भाग लिया। आयुष विभाग की तरफ से रैली में उपस्थित समस्त लोगों के लिये स्वल्पाहार की व्यवस्था की गयी। कार्यक्रम का संचालन जलीस खान द्वारा किया गया।

जुगैल पुलिस ने दुष्कर्म एवं पॉक्सों एक्ट से सम्बन्धित प्रकरण में वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

सोनभद्र। डॉ0 यशवीर सिंह, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी ओबरा के निकट पर्यवेक्षण में महिला उत्पीड़न सम्बन्धी अपराध/अपराधियों पर अंकुश लगाये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत थाना जुगैल पर पंजीकृत मु0अ0सं0 31/2024 धारा- 363, 354, 504, 506, 376 भादवि व 3/4 पाक्सो एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त सूरज कुमार पुत्र जयराम कुमार निवासी ग्राम मुसलधारा थाना घोरावल जनपद सोनभद्र उम्र करीब 25 वर्ष को आज दिनांक 15.06.2024 को समय- 09.20 बजे मुखबीर की सूचना पर चौरा तिराहा जुगैल से अभियुक्त सूरज कुमार पुत्र जयराम कुमार निवासी ग्राम मुसलधारा, थाना घोरावल, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 25 वर्ष को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया ।

राठ में चल रहे फर्जी अस्पताल पर कार्यवाही न करने पर डीएम ने सीएमओ को जमकर लगाई फटकार

अमन लेखनी समाचार

राठ (हमीरपुर)। कस्बे में सरकारी अस्पताल के पास चल रहे फर्जी अस्पताल के संचालन में स्वास्थ्य कर्मियों की भूमिका को संदिग्ध मानते हुए डीएम राहुल पांडे ने भरे तहसील दिवस में सीएमओ को जमकर फटकार लगाई।

बताते चलें कि राठ में संचालित हो रहे फर्जी अस्पतालों में सरकारी अस्पताल के पास संचालित अवैध अस्पताल हमेशा सुर्खियों में रहता है। बावजूद इसके स्वास्थ्य विभाग के स्थानीय से लेकर जिला स्तरीय अधिकारी विशेषकर सीएमओ भी उक्त अस्पताल पर कार्यवाही करने से भय खाते हैं। कारण अस्पताल संचालक की दबंगई है या बेहतरीन सेटिंग है जिससे ये अस्पताल धडल्ले से संचालित हो रहे हैं ये बड़ा प्रश्न है। आज जब तहसील दिवस के दौरान एक युवक राठ में संचालित हो रहे फर्जी अस्पताल पर कार्यवाही की शिकायत करने डीएम राहुल पांडेय के पास पहुंचा तो डीएम ने उक्त विषय में सीएमओ डॉ गीतम सिंह से जानकारी लेनी चाहिए जिसपर सीएमओ ने अपनी सफाई में बोला कि उस अस्पताल का वो निरीक्षण कर चुके हैं। वहां कुछ नहीं मिला। फिर उन्होंने पूछा कि बच्चे की मौत हुई है या नहीं जिसपर सीएमओ हूं में सर हिलाते हुए चुप हो गए।

बस इतना सुनते ही डीएम का पारा चढ़ गया और कार्यवाही न करने पर सीएमओ पर कार्यवाही करने की बात कही। और सीएमओ को जमकर फटकार लगाई और सीओ राठ को निर्देश देते हुए एफआईआर लॉन्च करने की बात कही। बात तो सही ये भी है कि फर्जी अस्पताल के संचालन की खबर को अनेकों बार अखबारों में प्रकाशित किया गया। लेकिन सीएमओ के कान पर कभी जूं नहीं रेंगी। आलम ये है कि किसी भी दिन कोई बड़ी दुर्घटना इन फर्जी अस्पतालों में हो सकती है। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएम ने कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। अब जिलाधिकारी की बात को सीएमओ द्वारा कितना गंभीरता से लिया जाता है ये तो भविष्य के गर्त में है।

युवक ने स्वास्थ्य कर्मियों की भी संलिप्तता की बात कही है इस मामले को गंभीरता से लेते हुए डीएम राहुल पांडे ने कार्यवाही करने के सीएमओ और सीओ राठ को निर्देश दिए हैं।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. – 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

सिटी स्पोर्ट्स

छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने पिकलबॉल टूर्नामेंट में मारी बाजी

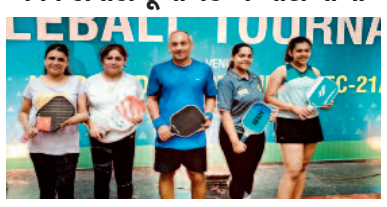

बाजीरायपुर। इंडियन पिकलबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में यूपी पिकलबॉल एसोसिएशन द्वारा 15 से 17 जून को थर्ड इस्ट सेंट्रल जॉन पिकलबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ से महिला खिलाड़ियों ने अपनी शानदार प्रस्तुति दर्ज की। स्पर्धा के दौरान सभी प्रतिभागियों ने शानदार प्रस्तुति दिखाते हुए, कई मैडल अपने नाम किए।अंडर 18 सिंगल्स फायनल में छत्तीसगढ़ की संस्कृति तायल ने सुहानी पाठक को 11-8 से हराकर खिताब अपने नाम किया। संस्कृति और सुहानी ने डबल वर्ग में झारखंड की सुचेता वर्मा और प्रजिता वर्मा को 15-2 से हराया। वुमेन्स ओपन सिंगल्स में तीसरे और चौथे मैच में सुहानी पाठक ने संस्कृति तायल को 15-3 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। 50 प्लस वुमेन्स सिंगल्स में भी गोल्ड और सिल्वर मेडल छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने जीता। इसमें शिल्पी मतरेजा ने रीना अग्रवाल को 15-4 से हराकर सिंगल्स का खिताब जीता। साथ ही डबल्स वर्ग में शिल्पी और रीना ने यूपी की ज्योति और पुष्पा को 15-6 से हराया। 35 प्लस वुमेन्स सिंगल्स में शिल्पी मतरेजा ने उत्तर प्रदेश की खिलाड़ी पिंकी शर्मा को 15-7 से हारकर रजत पदक जीता।

राष्ट्रीय जूनियर किकबाक्सिंग में छत्तीसगढ़ को 3 स्वर्ण सहित 17 पदक

रायपुर। वाको इंडिया किकबाक्सिंग फेडरेशन के

मार्गदर्शन में पश्चिम बंगाल एसोसियेशन के तत्त्वधान में मर्यादा मैत्री रिसार्ट सिलीगुड़ी में 10 से 14 जून तक जूनियर वर्ग की राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक्त प्रतियोगिता में देश के 27 राज्यों से लगभग 600 खिलाड़ियो ने हिस्सा लिया।छत्तीसगढ़ किकबॉक्सिंग एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष तारकेश मिश्रा एवं महासचिव आकाश गुरुदीवान ने बताया कि स्पर्धा में राज्य के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 3 स्वर्ण, 7 रजत एवं 7 कांस्य सहित कुल 17 पदक जीतकर राज्य को गौरवान्वित किया।राज्य की टीम में रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, सरगुजा, बलौदा बाजार, धमतरी, गोरेला पेंड्रा मरवाही सहित विभिन्न जिलों के खिलाड़ी शामिल थे। वहीं टीम में अंतर्राष्ट्रीय रेफरी पूजा पांडेय, मयंक डडसेना तथा कोच मैनेजर के रूप में लोकिता चौहान, हिमांशु यादव, सरवर एक्का, अमन सोनी, सूरज साहू, नमिता साहू शामिल हुए। कोरबा जिले के सीएमए एकेडमी से 5 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और 1 रजत तथा 1 कांस्य सहित सर्वाधिक 2 पदक जीतकर जिले का नाम राज्य एवं देश में गौरवान्वित किया। जिनमे बालक वर्ग में रजत गोयल ने रजत एवं तुषार सिंह ठाकुर ने कांस्य पदक जीता। एकेडमी की आस्था गुप्ता, सिद्धि सोनवानी, सुयश नामदेव ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए अपने वजन वर्ग में टाप 10 में जगह बनाई।

शतरंज स्पर्धा में अक्षत हुए उलटफेर के शिकार, तुषार ने हराया

रायपुर। राजधानी रायपुर में जारी आशीष शर्मा स्मृति राज्य स्तरीय शतरंज स्पर्धा में 14 जून को

दूसरे राउंड में पहले टेबल पर अनुभवी खिलाड़ी दीपक राजपूत ने योगेश पटेल को, आशुतोष ने उत्कर्ष को ,यशद ने रिधिमा ,गगन ने अद्विका, क्षितिज ने जितेंद्र को हराया। इनके साथ ही ,रूपेश, अक्षत, शुभांकर, राहुल ,रजनीकांत, रिथम सिंघल ने अपने अपने मैच जीतकर 2 अंकों के साथ अगले राउंड में प्रवेश किया। तीसरे चक्र के मुकाबलों में सबसे बड़ा उलटफेर 1459 वीं वरीयता प्राप्त तुषार गुप्ता ने 1741वीं वरियता प्राप्त अक्षत महोबिया को हराकर किया। तुषार ने सफेद मोहरों से इटालियन ओपनिंग से शुरुआत की एवं अक्षत के डिफेन्स को नाकाम करते हुये शानदार जीत दर्ज की।पहले टेबल पर टॉप सीड दीपक राजपूत और क्षीरोद्र खुंटिया के बीच कांटे की टक्कर हुई। जिसमें सीसीलियन ओपनिंग से खेलते हुए दीपक राजपूत ने 42 वे चाल में मुकाबला जीता। दूसरे टेबल पर भिलाई के आशुतोष बनर्जी ने अपने प्रतिद्वंदी को आसानी से मात दी। तीसरे टेबल पर राजधानी की प्राची यादव ने यशद से बहुत कड़ा मुकाबला किया ,लेकिन अंत में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।अन्य खिलाड़ियों में क्षितिज, राहुल, रिदम, रजनीकांत समेत 16 खिलाड़ियों ने 3 अंक हासिल कर अगले चक्र में प्रवेश किया।अब आगे चार चक्र बाकी है जिसमे खिलाड़ियों के बीच घमाशान जारी रहेगा। इस स्पर्धा में अतिथि शक्ति महिला मंडल की भूतपूर्व अध्यक्षा विभा तिवारी एवं दुर्ग जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत थे। प्रतियोगिता का चौथा और पांचवा राउंड शनिवार को हुआ 16 अप्रैल रविवार को प्रतियोगिता का फाइनल व पुरस्कार वितरण होगा।

हमारी खान-पान की आदत तय करती सेहत

आपकी एक गड़बड़ आदत से सिकुड़ सकता है दिमाग, सोचने-समझने की खो सकते हैं ताकत

मस्तिष्क हमारे पूरे शरीर को नियंत्रित करता है। खाने-पीने की इच्छा से लेकर, चलने-उठने, सोने-जागने सहित संपूर्ण कार्यों के लिए मस्तिष्क का स्वस्थ रहना और ठीक तरीके से काम करते रहना जरूरी है। पर क्या आप जानते हैं कि हमारी कुछ गड़बड़ आदतों के कारण मस्तिष्क को गंभीर रूप से क्षति पहुंच रही है? इतना ही नहीं कुछ लोगों में इसके कारण मस्तिष्क का आकार भी छोटा होता जा रहा है।

अध्ययनकर्ताओं ने बताया वैसे तो आहार और जीवनशैली की कई आदतों का मस्तिष्क की सेहत पर नकारात्मक असर हो सकता है, लेकिन जिस एक आदत के कारण सबसे ज्यादा दुष्प्रभाव देखे जा रहे हैं वो है- शराब का सेवन। अगर आप लंबे समय तक शराब पीते हैं तो इसके कारण मस्तिष्क के आकार और कार्यक्षमता पर असर होने लगता है। समय के साथ इसकी कोशिकाओं में बदलाव होने लगती है और ये छोटी भी हो जाती हैं। बहुत ज्यादा शराब पीने से आपका मस्तिष्क सिकुड़ सकता है जिसके कारण कई प्रकार के दुष्प्रभाव हो सकते हैं।

शराब के कारण होने वाली दिक्कतें

वेबएमडी की एक रिपोर्ट के मुताबिक शराब आपके शरीर को अलग-अलग तरीकों से प्रभावित कर सकती है। डब्ल्यूएचओ कहता है कि किसी भी मात्रा में शराब के सेवन को उचित नहीं माना जा सकता है क्योंकि सभी के शरीर पर इसका अलग-अलग तरीके से असर होता है। लंबे समय तक शराब पीने से आपको हृदय रोग या लिवर की क्षति जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा आपके मस्तिष्क के लिए भी शराब बहुत हानिकारक है। शराब के कारण मस्तिष्क के आकार में होने वाले बदलाव के चलते आपके सोचने-समझने और कार्य करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है।

मस्तिष्क की कोशिकाओं में हो सकता है बदलाव

अगर आप लंबे समय तक अधिक मात्रा में शराब पीते हैं, तो इसके कारण धीरे-धीरे मस्तिष्क की कोशिकाओं में बदलाव आने लगता है। मस्तिष्क के आकार में परिवर्तन या इसके सिकुड़ने के कारण आपकी सोचने, सीखने और चीजों को याद रखने की क्षमता पर बहुत बुरा असर पड़ता है। इससे शरीर का तापमान स्थिर रखना और अपनी शारीरिक इच्छाओं पर नियंत्रण रखना भी मुश्किल हो सकता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

पेन मेडिसिन में प्रोफेसर डॉ. डैनियल एटकिन्सन कहते हैं, मध्यम मात्रा में भी शराब का सेवन हिप्पोकैम्पस के आकार को छोटा कर सकता है। मस्तिष्क का ये हिस्सा चीजों को सीखने और याददाश्त को ठीक बनाए रखने के लिए जरूरी माना जाता है। हिप्पोकैम्पस मस्तिष्क का एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें एक अनूठी और नाजुक संरचना होती है। यहां न्यूरोजेनेसिस के माध्यम से लगातार नए न्यूरॉन्स बनते रहते हैं। यही कारण है कि शराब पीने के बाद आपमें कुछ याद रखने, सोचने-निर्णय लेने की क्षमता काफी कम हो जाती है।

नींद भी हो सकती है बाधित

शराब का एक दुष्प्रभाव ये भी है कि इसके कारण आपकी नींद भी बाधित हो जाती है। रात में अच्छी नींद न ले पाने के कारण भी मस्तिष्क में रासायनिक असंतुलन होने का खतरा हो सकता है। वहीं अगर आप अक्सर ही अपनी नींद नहीं पूरी कर पाते हैं तो इसका दीर्घकालिक रूप से भी से सेहत पर असर हो सकता है।

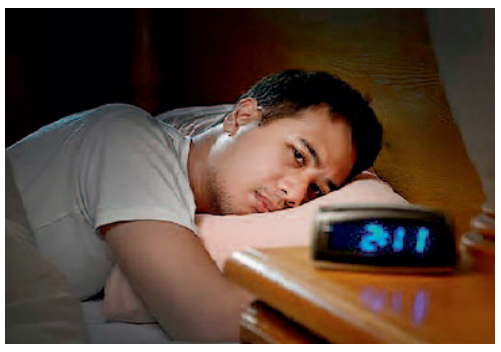

पाचन की समस्या दूर करने आहार में शामिल करिए फल

पाचन की समस्याएं जैसे गैस, कब्ज और दस्त होना अब आम बात है, यह कई कारणों से हो सकता है। लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी को इसके प्रमुख कारणों में से एक माना जाता रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, वैसे तो पाचन की ये दिक्कतें सामान्य दवाओं और घरेलू उपचार से आसानी से ठीक हो जाती हैं, पर कुछ स्थितियों में ये गंभीर अंतर्निहित स्वास्थ्य समस्या का संकेत भी हो सकती हैं, ऐसे में अगर आपको कुछ समय से इस तरह की दिक्कतें अक्सर बनी रहती हैं तो इसपर ध्यान देना और समय रहते उपचार कराना बहुत जरूरी हो जाता है।

डॉक्टर कहते हैं, अपने पाचन तंत्र को प्राकृतिक रूप स्वस्थ रखने के प्रयास करते रहना सभी लोगों के लिए आवश्यक है। पेट को स्वस्थ रखने का सबसे बेहतर तरीका है कि आप आहार में अधिक से अधिक मात्रा में फाइबर वाली चीजों को शामिल करें। कुछ फल, फाइबर से भरपूर होते हैं जो पाचन में सुधार करने में आपके लिए मददगार हो सकते हैं। इनका सेवन करने से आपको लाभ मिल सकता है।

सेब आपके लिए कई प्रकार से लाभकारी

सेब को हमारी सेहत के लिए कई प्रकार से लाभकारी फलों में से एक माना जाता है, कहावत भी रही है कि रोजाना एक सेब खाने वाले लोगों को डॉक्टर की जरूरत कम पड़ती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि ये फल आपके पाचन स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद हो सकता है। सेब में पेक्टिन फाइबर की मात्रा अधिक होती है और पेक्टिन कब्ज और दस्त दोनों से राहत प्रदान कर सकता है। पेक्टिन अपनी घुलनशील प्रकृति और शरीर में कोलेस्ट्रॉल या विषाक्त पदार्थों को कम करने के लिए भी जाना जाता है।

कीवी फल से पाचन को लाभ

कीवी फल विटामिन-सी के सबसे अच्छे स्रोतों में से एक है, यही कारण है कि इसे बेहतर इम्युनिटी वाले फलों में से एक माना जाता है पर क्या आप जानते हैं कि यह फल आपके पाचन स्वास्थ्य के लिए भी काफी लाभकारी हो सकता है? अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि कीवी फल, डायट्री फाइबर का अच्छा स्रोत है, ऐसे में इसके सेवन से पेट की कई समस्याओं के खतरे को कम किया जा सकता है। कीवी फल में एक्टिनिडिन नामक एंजाइम भी होता है जो प्रोटीन का बेहतर पाचन करने में सहायक है।

केले पेट के लिए बहुत फायदेमंद

केले, अपनी उच्च मात्रा में फाइबर वाले गुणों के लिए जाने जाते हैं, घरेलू उपचार के तौर पर भी दस्त और अपच की समस्या में केले के सेवन की सलाह दी जाती रही है। आंत की समस्याओं के जोखिमों को कम करने और पाचन प्रक्रिया को तेज करने के लिए केले का सेवन किया जा सकता है। केले में एनाटासिड प्रभाव भी होता है जो पेट की परत में बनने वाले अल्सर से पेट की रक्षा करता है।

ईद पर बनाना है कुछ खास तो तैयार करें मैंगो सेवई

इस साल ईदुल अजहा का त्योहार 17 जून को मनाया जा रहा है। ये पर्व मुस्लिम धर्म के लोगों के लिए काफी अहम होता है। लोग ईद पर अपने घरों में दावत का आयोजन करते हैं। वो अपने दोस्तों, रिश्तेदारों और करीबियों को इस दावत में आमंत्रित करते हैं। ईद के दिन हर घर में सेवई जरूर बनती है। ऐसे में अगर आप कुछ अलग ट्राई करना चाहते हैं तो अपने मेहमानों के लिए मैंगो सेवई तैयार कर सकती हैं। इस लेख में हम आपको मैंगो सेवई बनाने की आसान रेसिपी बताएंगे।

मैंगो सेवई बनाने के लिए सबसे पहले आपको सेवई भूननी है। इसके लिए एक कढ़ाई में घी गर्म करें। इसमें सेवई डालकर मध्यम आंच पर सुनहरी भूरी होने तक भूनें। इसे लगातार चलाते रहें ताकि यह जल न जाए। ध्यान रखें इसे भूनते वक्त आपको गैस काफी हल्की रखनी है। जब ये भुन जाए तो गैस बंद करके इसे साइड में रख लें। इसके बाद एक अन्य बर्तन में दूध गर्म करें और उबाल आने दें। जब दूध उबल जाए तो भुनी हुई सेवई में उबला हुआ दूध डालें और अच्छी तरह मिलाएं। इसके बाद धीमी आंच पर सेवई को दूध में पकने दें। इसे बीच-बीच में चलाते रहें ताकि यह तली में चिपके नहीं।

जब सेवई आधी पक जाए, तो इसमें शक्कर डालें और मिलाएं। जब सेवई पूरी तरह से पक जाए और दूध थोड़ा गाढ़ा हो जाए, तो इसमें आम का पल्प डालें और मिलाएं। इसे कुछ मिनट और पकने दें ताकि आम का स्वाद सेवई में अच्छे से मिल जाए।

अब इसमें इलायची पाउडर, काजू, बादाम और पिस्ता को डालें और मिलाएं। ध्यान रहे कि मेवे बारीक कटे हुए हों। इन सब चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करें और फिर गैस को बंद कर दें। परोसते वक्त इसके ऊपर आम के कुछ टुकड़े भी डालें। आप इसं ठंडा या गर्म दोनों तरह से परोस सकते हैं।

क्या होता है लक्ष्मी योग? जानिए कैसे बदल सकती है आपकी किस्मत

हस्तरेखा शास्त्र, ज्योतिष विद्या का एक महत्वपूर्ण भाग है जो हथेलियों की रेखाओं और चिन्हों का अध्ययन करके व्यक्ति के जीवन, चरित्र, और भविष्य के बारे में जानकारी देता है। माना जाता है कि हथेली की प्रमुख रेखाएं जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं, जैसे विवाह, संतान, करियर और स्वास्थ्य के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देती हैं। इन रेखाओं और चिह्नों में से कुछ विशेष योगों का निर्माण करते हैं, जिनका व्यक्ति के जीवन पर

गहरा प्रभाव पड़ सकता है। ऐसा ही एक महत्वपूर्ण योग है ₹लक्ष्मी योग₹, जो धन, समृद्धि, और ऐश्वर्य का प्रतीक माना जाता है। इन रेखाओं का होना और भी कई पहलुओं में शुभ माना जाता है इसलिए इसके बारे में आपको भी जानना चाहिए।

क्या होता है लक्ष्मी योग ?: लक्ष्मी योग हथेली पर बनने वाला एक विशेष योग है, ऐसा तब होता है जब हथेली का कई योग एक साथ मिलता है होता है, जो धन देवी लक्ष्मी का प्रतीक है। यह योग कई रूपों में बन सकता है,

त्रिभुज योग: हथेली के बुध पर्वत (छोटी उंगली के नीचे का भाग) पर त्रिभुज का निर्माण लक्ष्मी योग का संकेत देता है। माना जाता है कि ऐसे योग हो तो जातक के एक से अधिक माकान बन सकते हैं।

कमल योग: हथेली के केंद्र में कमल के फूल जैसा चिह्न बनना भी लक्ष्मी योग का प्रतीक माना जाता है।

शंख योग: हथेली के शुक्र पर्वत (अंगूठे के नीचे का भाग) पर शंख जैसा चिह्न बनना भी लक्ष्मी योग का संकेत हो सकता है। अंगूठे का विशेष चिह्नः अगर अंगूठे के नाखून के नीचे त्रिकोण या रेखा का चिह्न हो तो यह भी लक्ष्मी योग का प्रतीक माना जाता है।

कैसे बदल सकती है किस्मत ?

जिनके हाथ में त्रिभुज योग, कमल योग, शंख योग आदि एक साथ होते हैं तो उसे लक्ष्मी योग माना जाता है। ऐसे व्यक्तियों के जीवन में धन, समृद्धि, और ऐश्वर्य प्राप्त होता है। मान्यताओं के अनुसार ऐसे व्यक्ति को बहुत कम मेहनत में ही अधिक धन की आमदनी होती है। लक्ष्मी योग से युक्त व्यक्ति भौतिक सुख-सुविधाओं का आनंद लेता है और जीवन में उच्च पद प्राप्त करता है। इन व्यक्तियों में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता भी प्रचुर मात्रा में होती है।

कार्नर न्यूज

कामकाजी दंपती को एक-दूसरे के साथ वक्त बिताना होता है चुनौतीपूर्ण

पार्टनर नहीं देता वक्त, व्यस्त जीवनशैली में ऐसे बिताएं एक-दूसरे के साथ समय

किसी भी रिश्ते की मजबूती के लिए वक्त बिताना बहुत जरूरी होता है। सबसे अधिक वक्त की जरूरत पार्टनर को होती है। हालांकि व्यस्त जीवनशैली, घर-परिवार को संभालने और दफ्तर के कामकाज के कारण लोगों के पास वक्त की कमी हो गई है। इस भागदौड़ में वह अक्सर अपने जीवनसाथी या पार्टनर को वक्त देना भूल जाते हैं। कपल जिम्मेदारियों के कारण इतना व्यस्त हो जाता है कि साथ रहकर भी एक दूसरे से बात नहीं कर पाते। अक्सर काम की बात को छोड़कर उनके बीच किसी तरह का संवाद नहीं होता। इसका असर उनके रिश्ते पर होता है। समस्या तब अधिक बढ़ जाती है जब दोनों साथियों में से कोई एक अधिक व्यस्त होता है और दूसरे को समय नहीं देता है। पार्टनर का इंतजार रिश्ते में गलतफहमियां और बोरियत बढ़ा सकता है। ऐसे में सबसे जरूरी है कि अपने साथी के साथ वक्त बिताएं और रिश्ता मजबूत बनाएं। सवाल ये है कि व्यस्तता के बीच पार्टनर के लिए वक्त कैसे निकालें? जवाब भी आसान है, जरूरी नहीं कि आप कामकाज छोड़कर सिर्फ उनके साथ रहें।

सिर्फ आधा घंटा उनके नाम

24 घंटे के एक दिन में आप अपने साथी के लिए कम से कम आधे घंटे का वक्त दे सकते हैं, जो सिर्फ आपके साथी का हो। सुबह पार्टनर संग सैर पर जाएं और एक दूसरे के साथ अपने दिल की बातें शेयर करें। चाहे तो रात के खाने के बाद एक दूसरे के साथ आधे घंटे बैठें। सोने के पहले भी कपल एक दूसरे के लिए वक्त निकाल सकते हैं, जब वह अपने फोन को दूर रखकर, सिर्फ एक दूसरे से बातचीत करें। उनका दिन कैसा गया, क्या किया, क्या करना चाहते हैं, जैसे सवाल पूछें।

छोटे-छोटे पल तलाशें

आपका साथी ये नहीं चाहता कि आप सब काम छोड़कर सिर्फ उनके साथ वक्त बिताएं, बस वह यह उम्मीद करते हैं कि आप अपने व्यस्त समय में भी उन्हें याद रखें और किसी तरह उन्हें ये पता चल जाए। इसके लिए कम से कम उन्हें नोटिस करें। कितने भी बिजी हों, दो पल निकालकर साथी के ड्रेसिंग स्टाइल की तारीफ करें। उन्हें ये बताएं कि वह आज अच्छे दिख रहे हैं, या आज साथी ने लंच लजीज बनाया है। आपकी दो पल में कही गई इस तरह की बातें, पार्टनर को महसूस कराएगी कि भले ही आप व्यस्त हैं ,लेकिन आपका ध्यान उन पर रहता है

संदेश न भूलें

सुबह जल्दी आफिस निकलने की हड़बड़ी में अगर पार्टनर से बात करने का वक्त नहीं मिल पाया तो उनके लिए एक प्यारभरा नोट लिखें, जिसे पढ़कर उनके चेहरे पर मुस्कान आ जाए। दफ्तर में लंच ब्रेक के समय या जब भी मौका मिले, अपने पार्टनर को कॉल करके उनसे पूछें कि क्या उन्होंने लंच कर लिया। इसके अलावा जब भी मौका मिले, एक मैसेज उन्हें करके ये अहसास दिलाएं कि भले ही आप व्यस्त हैं लेकिन उनकी याद आपके दिल में हमेशा रहती है।

हफ्ते में एक दिन उनके नाम

रोजाना के कामकाज में वक्त न मिले तो हफ्ते में छुट्टी वाले दिन या किसी दिन दफ्तर से जल्दी घर आकर अपने पार्टनर के साथ वक्त बिता सकते हैं।